हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, गुरुवार 26 फरवरी 2026

Experience the
Chaitanya Life
CHAITANYA
GREENS
PREMIUM
3BHK
RESIDENCES
Luxury Homes
24/7 Security
Seamless Connectivity
Great Returns
Thoughtful Design
BRAND-NEW BLOCK | READY POSSESSION
Rera Registration Number
PCGRERA300618000415 | PCGRERA080219000915
Khanna
SADDU, RAIPUR | 847-0077-222

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, गुरुवार 26 फरवरी 2026

ज्ञान की नींव, गति का आधार, संकल्प से संवरेगा अब छत्तीसगढ़ का संसार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा है कि वित्तीय पैरामीटर्स पर फाइनेंशियल पैरामीटर्स पर अन्य राज्यों की तुलना करेंगे, तो हम बहुत अच्छी स्थिति में स्टैंड करते हैं। आप कांग्रेस शासित राज्यों को उठा लीजिए, चाहे हिमाचल प्रदेश हो, चाहे कर्नाटक हो, चाहे आम आदमी पार्टी का पंजाब हो, वहां पर तो ये हालात हैं कि कहीं पर एक तारीख को तनख्वाह नहीं मिल पा रहा है, 10-15 तारीख तक अलग-अलग टुकड़ों में कुछ लोगों को मिल रहा है। हम बेहतर स्थिति में हैं। हमारी वित्तीय स्थिति में हैं। हम ऋण ले रहे हैं लेकिन अपनी सीमा में। विकास के लिए ऋण लेना गलत नहीं है। श्री चौधरी ने यह बातें राज्य का वार्षिक बजट पेश करने के बाद सार्थक संवाद कार्यक्रम में हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से से चर्चा के दौरान कही है। उनसे हुई बातचीत के मुख्य अंश।

हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से सार्थक संवाद में बोले वित्त मंत्री

■ *शुरुआत इसी बात से कि पहले ज्ञान, फिर गति, अब संकल्प। अमूमन संकल्प पहले होता है फिर ज्ञान और गति की बात आती है। आपने ज्ञान पहले लिया, गति को पहले पकड़ा, उसके बाद संकल्प ले रहे हैं। थोड़ा इसके संदर्भ में दृष्टि देंगे कि ये संकल्प की सोच इस बजट के संदर्भ में आपके जहन में कैसे आई?*

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

ओपी चौधरी

■ ज्ञान, गति, संकल्प ये सभी जो केवल शब्द मात्र नहीं हैं, चाहे मानवीय जीवन हो, चाहे सामाजिक जीवन हो या एक राष्ट्र जीवन हो, उसमें अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बिंदु हैं। इनके जो डिटेलिंग हैं कि चाहे गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी के रूप में 'ज्ञान' का या गुड गवर्नेंस, एक्सेलरेटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी और इंडसट्रियल ग्रोथ के रूप में 'गति' का, इस तरह के जो की भावना है, जो इसके टर्म हैं, उससे पूरे ▶▶| शेष पेज 6 पर

■ *आपने काफी विस्तार से बताया, इस संदर्भ में विपक्ष की टिप्पणियां हैं उस पर मैं आगे बात करूंगा, लेकिन अभी आपसे समझना चाहता हूं कि बजट में दो चीजें महत्वपूर्ण होती हैं , आय और व्यय। व्यय के संदर्भ में तो आपने सारी परिकल्पनाएं बताईं, इन्हें तय करते हुए आय के स्तर पर कितना आपके हाथ तंग थे? आय के स्तर पर हम कहां खड़े हैं? तमाम पड़ोसी राज्यों के संदर्भ में देखते हैं, घोषणाएं कर देते हैं, घोषणाओं को पूरा करने के लिए अब तो हालत ये है कि ब्याज देने के लिए भी पैसा बाजार से उठा रहे हैं। छत्तीसगढ़ कहां खड़ा है? ये गारंटी के चक्कर में, घोषणाएं पूरी करने के चक्कर में ऐसा तो नहीं कि कर्ज पर हम महल बनाने की कोशिश कर रहे हैं?*

■ मैं जरूर कहना चाहूंगा कि जो हमारा संकल्प पत्र आया था 2023 के चुनाव की दृष्टिकोण से, वो काफी उसमें बड़े महत्वाकांक्षी लक्ष्य माताओं-बहनों के लिए, किसानों के लिए, युवाओं के लिए बहुत सारे महत्वाकांक्षी लक्ष्य हैं और हमारे छत्तीसगढ़ में वेलफेयर स्कीम्स पहले से भी बहुत अच्छे तरीके से और ज्यादा चल रही हैं। लेकिन मैं ये कहना चाहूंगा ▶▶| शेष पेज 6 पर

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट* (75.00%)	= ₹119534/-
22 कैरेट रेट* (91.60%)	= ₹145990/-
24 कैरेट रेट* (99.99%)	= ₹159362/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

anand Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

खबर संक्षेप

बर्फबारी में फंसे 2,700 पर्यटकों को बचाया

गंगटोक। पूर्वी सिक्किम में त्सोमगो झील के पास भारी बर्फबारी के कारण फंसे 2,700 से अधिक पर्यटकों को बचा लिया। शेराथांग और उसके आसपास के ऊंचे इलाकों में भारी बर्फबारी के कारण सड़कें अवरुद्ध हो गईं, जिससे 15वें मील और त्सोमगो झील के बीच पर्यटकों के 541 वाहन फंस गए। समन्वित प्रयासों के जरिए 2,736 पर्यटकों को लेकर जा रहे सभी वाहनों को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से निकाला गया।

पांच करोड़ की 'याबा' गोलियां जब्त, चार गिरफ्तार

गुवाहाटी। पुलिस ने हैलाकांडी जिले से लगभग पांच करोड़ रुपये मूल्य की प्रतिबंधित 'याबा' गोलियां जब्त की हैं और इस सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि 'याबा' गोलियों को 'नशे की गोलियों' के नाम से जाना जाता है। यह मेथामफेटामीन और कैफीन के मिश्रण से बनी एक अत्यधिक नशीला पदार्थ हैं।

इस्पात क्षेत्र के दिग्गज जतिंदर मेहरा का निधन

नई दिल्ली। भारत के इस्पात और धातु उद्योग के दिग्गज जतिंदर मेहरा का 24 फरवरी को निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। एस्सार समूह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'एस्सार परिवार, जतिंदर मेहरा जी के निधन से बेहद दुखी है। वह भारत के इस्पात उद्योग के सम्मानित दिग्गज थे जिनकी दूरदृष्टि ने एस्सार समूह की कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों को दिशा दी।

नौ साल में पीएम मोदी दूसरी बार पहुंचे इजरायल, नेतन्याहू ने कहा- स्वागत है, मेरे मित्र

इजरायल की संसद में हमास पर बरसे पीएम मोदी, कहा- बेकसूर की हत्या बर्दाश्त नहीं

पीएम नरेंद्र मोदी अपनी दो दिवसीय यात्रा पर बुधवार को इजरायल पहुंचे। पीएम मोदी ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए हमास को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि बेकसूर नागरिकों की हत्या किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं है। किसी भी कीमत पर निर्दोषों की हत्या को जायज नहीं ठहराया जा सकता। शांति का रास्ता हमेशा आसान नहीं होता. लेकिन भारत शांति लाने की इस प्रक्रिया में हमेशा साथ है। गाजा शांति प्रयास में भारत आपके साथ है।

एजेंसी ▶▶| यरूशलम

पीएम मोदी ने इजरायल की संसद को संबोधित करते हुए कहा कि उनका जन्म 17 सितंबर 1950 को उसी दिन हुआ था, जिस दिन भारत ने औपचारिक तौर पर इजरायल को मान्यता दी थी। पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद पर भारत का रुख हमेशा स्पष्ट रहा है। आतंकवाद पर दोहरा रवैया बर्दाश्त नहीं है। हमारी आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस नीति है। भारत क्षेत्रीय स्थिरता और शांति के पक्ष में है. भारत अब्राहम अकॉर्ड के समर्थन में है। यहूदी समुदाय भारत में बिना डर के रहता है। यहूदी समुदाय ने भारत को समृद्ध किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत का प्रधानमंत्री होने के नाते मैं 1.4 अरब भारतीयों की दोस्ती का संदेश लाया हूं।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बुधवार को इजरायल पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा ने बेन गुरियन हवाई अड्डे पर मोदी की अगवानी की। प्रधानमंत्री मोदी ▶▶| शेष पेज 6 पर

तनाव के बीच मोदी की यात्रा

प्रधानमंत्री की यह यात्रा पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच हो रही है। पिछले कुछ वर्षों में भारत-इजरायल संबंध मजबूत हुए हैं, जिनमें रक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान, साइबर सुरक्षा और नवाचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं। रक्षा सहयोग दोनों पक्षों के बीच साझेदारी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा है, जिसमें इजराइल भारत को कई सैन्य प्लेटफॉर्म और हथियार प्रणालियां मुहैया करा रहा है। पिछले साल नवंबर में, भारत के रक्षा सचिव की इजराइल यात्रा के दौरान, रक्षा सहयोग पर एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किये गये थे।

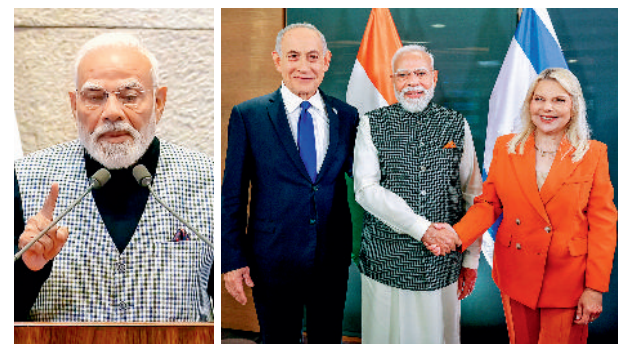

मोदी दोस्त से बढ़कर...

इजरायली पीएम नेतन्याहू ने संसद में कहा कि पीएम मोदी दोस्त से बढ़कर मेरे भाई हैं। इजरायल आना हमारे लिए गर्व की बात है। इजरायल की संसद के स्पीकर आमिर ओहाना ने पीएम मोदी का संसद में स्वागत करते हुए कहा कि भारत धरती का सबसे तेज विकास करने वाला देश है।

पीएम मोदी ने रचा इतिहास

पीएम मोदी की नौ साल में इजराइल की दूसरी यात्रा है। मोदी ने आखिरी बार 2017 में इजराइल का दौरा किया था। प्रधानमंत्री मोदी इजरायली संसद को संबोधित करने वाले पहले भारतीय नेता बन गए। पीएम मोदी का यह भाषण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई जैसे अन्य विदेशी नेताओं के नेसेट को संबोधित करने के बाद हो रहा है।

नेतन्याहू ने कहा- आपका और मेरी पत्नी का भगवा मैचिंग-मैचिंग

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा ने रेड कार्पेट पर पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया। जब नेतन्याहू की पत्नी ने पीएम मोदी से हाथ मिलाया तो नेतन्याहू की नजर दोनों की ड्रेस पर पड़ी, फिर क्या था नेतन्याहू ने पीएम मोदी के साथ मजाक कर लिया। नेतन्याहू ने कहा देखिए मेरी पत्नी का भगवा और आपका भी भगवा मैचिंग कर रहा है। फिर तीनों के बीच जमकर हंसी ठहाके चले।

इन अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

पीएम मोदी और नेतन्याहू भारत-इजरायल रणनीतिक साझेदारी में हुई महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा की। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, रक्षा एवं सुरक्षा, कृषि, नवाचार, जल प्रबंधन, व्यापार एवं अर्थव्यवस्था तथा जन-समुदाय के आदान-प्रदान सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों पर चर्चा की गई।

हाईकोर्ट की सभी अदालतों में सुनवाई रोकी गई, परिसर को छावनी में बदलकर हुई जांच, एसएसपी पहुंचे

ईमेल पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से बुधवार की सुबह हड़कंप मच गया। दिन भर अफरातफरी का माहौल रहा। यह धमकी एक संदिग्ध ईमेल के जरिए दी गई थी। ईमेल में अजमल कसाब का भी जिक्र होने की बात सामने आई है। इसमें कहा गया कि दोपहर एक बजे ब्लास्ट होगा। धमकी मिलने के बाद एहतियात के तौर पर हाईकोर्ट की सभी अदालतों में सुनवाई रोक दी गई। परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से कड़ा कर दिया गया। डॉग स्क्वायड और बॉम्ब स्क्वायड ▶▶| शेष पेज 6 पर

■ कोई संदिग्ध वस्तु, बम, विस्फोटक या कोई खतरनाक सामग्री नहीं मिली, राहत की सांस

डिस्ट्रिक्ट कोर्ट भी उड़ाने की धमकी

दूसरी बार ई मेल भेजकर जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस अधिकारियों ने बल के साथ जिला न्यायालय जाकर जांच की। पुलिस ने अज्ञात ईमेल धारक के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है। 25 फरवरी को जिला न्यायालय के आफिसर्स वेबसाइड पर ईमेल भेजकर जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी बल के साथ जिला न्यायालय पहुंच गए। अधकारियों के द्वारा बम स्काट, सर्चडाग से न्यायालय के चप्पे चप्पे की जांच की गई। इसके अलावा गेट में संदिग्धों की जांच की जाती रही है। कुछ भी संदिग्ध सामान नहीं मिलने पर पुलिस अधिकारियों ने राहत की सांस ली। पुलिस ने जिला न्यायालय के नायब नाजिर जितेन्द्र पोर्ते की रिपोर्ट पर सुनईया मेल डाट काम टीएनएल के अज्ञात धारक के खिलाफ बीएनएस की धारा 132, 152, 224, 351, 4, 352, 2 व 66 आईटी एक्ट के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है। उल्लेखनीय है कि पिछले माह भी ईमेल के माध्यम से जिला अस्पताल में बम से उड़ा देने की धमकी दी गई थी। उस दौरान भी जांच में कोई संदिग्ध सामान नहीं मिला था। पुलिस अब तक ईमेलधारक का पता नहीं लगा पाई है।

कांग्रेस के भ्रष्टाचार के कचरे को हमने साफ किया, बख्शे नहीं जाएंगे बड़े मगरमच्छ-साय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर कृतज्ञता ज्ञापन के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विपक्षी दल कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कि कांग्रेस शासन काल में सिंडिकेट बनाकर भ्रष्टाचार को अंजाम दिया गया। मुझे गर्व है कि हमने पांच साल में हुए भ्रष्टाचार के कचरे को साफ किया। भ्रष्टाचार में लिप्त कई बड़े मगरमच्छ जेल जा चुके हैं और बाकी को भी बख्शा नहीं जाएगा। ▶▶| शेष पेज 6 पर

"मुझे गर्व है कि हमारी **सरकार ने कांग्रेस के कार्यकाल में फैले भ्रष्टाचार के इस कचरे को साफ करने का काम किया है।** पहले कहा जाता था कि **भ्रष्टाचार के मामलों** में छोटी मछलियां पकड़ ली जाती हैं और मगरमच्छ छोड़ दिए जाते हैं, लेकिन अब प्रदेश को लूटने वाले वे मगरमच्छ ही जेल की सलाखों के पीछे हैं। **जो बचे हुए हैं, वो भी जल्द ही जेल की सलाखों के पीछे होंगे।**

नक्सलवाद समाप्त हो रहा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा डबल इंजन की सरकार की इच्छा शक्ति और सुरक्षा बल के अदम्य साहस से नक्सलवाद समाप्त हो रहा है। कांग्रेस सरकार में नक्सलवाद के खिलाफ लड़ने की इच्छा नहीं थी। केरल से बड़े बस्तर उस दौरान विकास से अछूता रहा। अब वहां नियद नेल्लानार (सुंदर गांव) की योजना बनाकर काम किया जा रहा है। लोग जहां जाने से घबराते थे वहां अब सड़कें बन रही है और अन्य विकास कार्य हो रहे हैं। नक्सलवाद की समस्या समाप्त होने का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उनके शीर्षस्थ लीडर की मां की बीमारी का इलाज वहीं के अस्पताल में हो रहा है।

- निवेश 15+ लाख एवं 200 वर्ग मीटर जगह
- पाठ्यक्रम तथा संचालन में सहायता
- प्राइमरी/10-12 स्कूल अपग्रेड संभव
- रॉयल्टी फ्री मॉडल

1300+ Schools | 3 Lakh Students | 400+ Cities | 25 States

फ्रैंचाइजी मध्य प्रदेश + छत्तीसगढ़ के सभी क्षेत्रों से आमंत्रित-संपर्क करे :-

RAIPUR Varsha 8860619134
BILASPUR Simran 8860619135
INDORE Komal 9205041119
BHOPAL Teena 7290010866
JABALPUR Pooja 9717878282
ALL CITIES Amit Kumar 9811437000

For Admissions call us at 7290047000 ; QR School Locator
Web : www.bachpanglobal.com ; Mail : franchise@bachpanglobal.com
Phone : 011-35106666/011-35107777 ; CIN : U74899DL1999PTC101251
Regd. Office :- S.K Tower, 9988/B-1, Sarai Rohilla, New Rohtak Road, Delhi-110005

एसीबी टीम ने की कार्रवाई

15 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा गया प्रिंसिपल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भाटापारा

दिव्यांग व्याख्याता से 15 हजार रिश्वत लेते हुए हायर सेकंडरी स्कूल मोपका के प्राचार्य आरएन बया को एसीबी की टीम ने भाटापारा रेलवे स्टेशन के नजदीक पेट्रोल पंप के पास रंगे हाथ पकड़ा। यह कार्रवाई एंटी करप्शन ब्यूरो के निरीक्षक सुरेश सोनी की टीम ने की। जानकारी के अनुसार प्रार्थी खेमेश्वर डांडे जो कि मोपका में व्याख्याता के पद पर पदस्थ है, कुछ वर्ष पूर्व एक दुर्घटना में वह दिव्यांग हो गया और उसे हर माह उसकी सैलरी निकालने में प्राचार्य द्वारा उसे घुमाया व परेशान किया जाता था। कुछ माह पूर्व 10 हजार वेतन आहरण के नाम पर उससे लिया गया था। पिछले छह माह से उसका वेतन को रोककर रखा गया था और वह वरिष्ठ अधिकारियों को भी इस बात की जानकारी दी थी, जब ▶▶| शेष पेज 6 पर

किया गया निलंबित

आरोपी प्राचार्य बया के खिलाफ धारा 7पीसी एक्ट 1988 यथा संसोधित अधिनियम के प्रावधानों के तहत अग्रिम कार्रवाई की गई। वहीं इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी संजय गुहा द्वारा प्राचार्य को निलंबित कर दिया गया है। प्राचार्य बया, जो कि दो-तीन स्कूलों का प्रभारी भी है और उसी के हस्ताक्षर से वेतन निकलता था। इस मामले में आगे की जांच की जा रही है।

• Follow us on @viccolabs • Like us on /ViccoLabs
• Shop online at https://viccolabs.com • Customer Care No. 0712-2420890
• Stocks also available in old pack.
अधिक जानकारी और खरीदारी के लिए यहाँ स्कैन करें।

चिंतन

उथल-पुथल के बीच नरेंद्र मोदी दिखाएंगे कूटनीतिक संतुलन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को इजरायल के दो दिनी दौरे पर पहुंचे। यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य-पूर्व व पश्चिम एशिया में भारी उथल-पुथल है। अमेरिकी युद्धपोत ईरान को घेरे हुए हैं और ईरान भी शक्ति प्रदर्शन का कोई मौका छोड़ नहीं रहा है। ऐसे हालात में प्रधानमंत्री की नौ साल में दूसरी इजरायल यात्रा चर्चा का विषय बनी हुई है। देश में विपक्ष, खासकर कांग्रेस इस यात्रा को लेकर हमलावर है। 2014 में मोदी के सत्ता में आने के बाद से ही भारत ने इजरायल और अरब देशों के साथ अपने संबंधों को रिसेट किया है। अब भारत की नीति हर देश के साथ द्विपक्षीय हितों और साझेदारियों पर केंद्रित है। हमारे फिलस्तीन और ईरान के साथ भी अच्छे रिश्ते हैं। भारत आतंकवाद से पीड़ित है और वह दुनिया में होने वाली ऐसी हर घटना के खिलाफ रहा है। भारत ने जहां इजरायल पर हमास के हमले का विरोध किया, वहीं वह गाजा में मानवीय सहायता को तेज करने का भी हिमायती रहा है। इसलिए प्रधानमंत्री की यह यात्रा न तो किसी देश के खिलाफ है और न ही किसी के समर्थन में। यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के साथ ही साझा हितों को लेकर है। इस दो दिन की यात्रा में रक्षा और सुरक्षा, श्रम और व्यापार, एआई और प्रौद्योगिकी तथा आईएमईसी परियोजना के तहत कनेक्टिविटी एजेंडा में शीर्ष पर होंगे। इसके बावजूद मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच होने वाली बैठकों के परिणाम केवल द्विपक्षीय समझौतों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उनके प्रतीकात्मक महत्व और पश्चिम एशिया क्षेत्र को दिए जाने वाले संदेश भी इसमें शामिल होंगे। इस यात्रा के दौरान अधिकांश निर्धारित कार्यक्रमों में दोनों नेता साथ दिखाई देंगे। नेतन्याहू ने बुधवार को तेल अवीव हवाई अड्डे पर मोदी का खुद स्वागत किया और उन्हें यरुशलम की यात्रा पर ले गए। गुरुवार को द्विपक्षीय वार्ता और प्रेस वक्तव्यों के अलावा, वे निजी रात्रिभोज, एक नवाचार कार्यक्रम, यद वाशेम होलोकॉस्ट स्मारक संग्रहालय का दौरा और संभवतः इजराइल में बसे प्रवासी समुदाय से मुलाकात करेंगे, जिसे वहां बसे भारतीय-यहूदी समुदाय के साथ संवाद के रूप में प्रस्तुत किया गया है। मोदी ने इजरायली संसद को भी संबोधित किया । इस यात्रा में मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर हमले की धमकियों के बीच सावधानीपूर्वक कूटनीतिक संतुलन साधना होगा, खासकर ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य जमावड़ा बढ़ रहा है और प्रमुख ठिकानों से कर्मियों की वापसी हो रही है। हालांकि गुरुवार को ईरान-अमेरिका वार्ता के चलते इस सप्ताह हमले की संभावना कम दिखती है, फिर भी यह याद रखना चाहिए कि जून 2025 में ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले वार्ता जारी रहने के बावजूद हुए थे। ईरान में भारतीय नागरिकों को देश छोड़ने की सलाह से जुड़े सवालों पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को कहा था कि यदि ईरान पर बमबारी होती है तो प्रधानमंत्री की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। हालांकि, नई दिल्ली को उस कूटनीतिक छवि पर भी विचार करना होगा, जिसमें ईरान और इजराइल के बीच तनाव के दौरान मोदी व नेतन्याहू साथ खड़े दिखाई देंगे। दोनों नेताओं के बीच वार्ता इसलिए भी महत्वपूर्ण होगी क्योंकि गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण, प्रशासन और शांति स्थापना के लिए अमेरिका की "बोर्ड ऑफ पीस" योजना पर चर्चा चल रही है और भारत ने इसमें एक पर्यवेक्षक के रूप में भाग लेने का निर्णय लिया है।

प्रहार
कांतिलाल मांडोत

आतंक के खिलाफ नई राष्ट्रीय ढाल

केंद्र सरकार द्वारा जारी की गई पहली राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी नीति 'प्रहार' भारत की आंतरिक सुरक्षा रणनीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है। आज़ादी के 78 वर्ष बाद एक समग्र, लिखित और स्पष्ट आतंकवाद विरोधी नीति का आना इस बात का संकेत है कि सरकार अब प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि सक्रिय और पूर्व-निवारक दृष्टिकोण अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। लंबे समय से सुरक्षा विशेषज्ञ यह सवाल उठाते रहे थे कि जिस देश ने दशकों तक सीमा पार प्रायोजित आतंकवाद, अलगाववाद और वैश्विक आतंकी नेटवर्क की चुनौतियों का सामना किया है, उसके पास एक औपचारिक राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी नीति क्यों नहीं है।

अब 'प्रहार' के माध्यम से केंद्र ने इस कमी को दूर करने का प्रयास किया है। इस नीति का मूल आधार 'जीरो टॉलरेंस' यानी आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि आतंकवाद को किसी धर्म, जाति या समुदाय से नहीं जोड़ा जाएगा, बल्कि इसे केवल राष्ट्र-विरोधी हिंसक कृत्य के रूप में देखा जाएगा। यह दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है क्योंकि आतंकवाद की चुनौती केवल सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता से भी जुड़ी हुई है। जब नीति यह स्पष्ट करती है कि आतंकवाद किसी विशेष पहचान से संबद्ध नहीं है तो वह कट्टरपंथ की जड़ों को कमजोर करने की दिशा में भी काम करती है। 'प्रहार' की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह हमले के बाद की कार्रवाई से अधिक हमले से पहले रोकथाम पर केंद्रित है। यह बदलाव बेहद महत्वपूर्ण है। पारंपरिक सुरक्षा मॉडल अक्सर किसी हमले के बाद जांच, गिरफ्तारी और दंड पर केंद्रित होते थे, लेकिन नई नीति में खुफिया तंत्र को सुदृढ़ कर संभावित हमलों को पहले ही विफल करने पर जोर दिया गया है। मल्टी एजेंसी सेंटर के माध्यम से केंद्र और राज्यों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान को तेज और प्रभावी बनाने का प्रयास इसी सोच का हिस्सा है। यदि विभिन्न एजेंसियों के पास मौजूद सूचनाएं समय रहते साझा हों और उन पर त्वरित कार्रवाई हो, तो कई बड़ी घटनाओं को रोका जा सकता है। नीति में अल-कायदा और आइएसआइएस जैसे वैश्विक आतंकी संगठनों से खतरे का उल्लेख यह दर्शाता है कि भारत अपनी सुरक्षा को केवल घरेलू संदर्भ में नहीं देख रहा, बल्कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भी आकलन कर रहा है। अल कायदा और आईएसआईएस जैसे संगठन डिजिटल माध्यमों से युवाओं को प्रभावित करने और उन्हें कट्टरपंथ की ओर धकेलने की रणनीति अपनाते रहे हैं। ऐसे में नीति का डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया, एन्क्रिप्शन, डार्क वेब और क्रिप्टो करेंसी के दुरुपयोग पर ध्यान देना समय की मांग है। आज आतंकवाद केवल बंदूक और बम तक सीमित नहीं है; यह साइबर हमलों, ड्रोन तकनीक, फेक न्यूज और ऑनलाइन भर्ती के रूप में भी सामने आ रहा है। ड्रोन हमलों और साइबर अटैक जैसी नई चुनौतियों का उल्लेख इस नीति को आधुनिक बनाता है। सीमाओं पर ड्रोन के माध्यम से हथियार और मादक पदार्थ गिराने की घटनाएं पिछले वर्षों में सामने आई हैं। साइबर हमलों के जरिए महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना को निशाना बनाया जा सकता है। रासायनिक, जैविक या परमाणु हमलों की आशंका भले ही कम हो, लेकिन उनका

प्रभाव विनाशकारी हो सकता है। इसलिए नीति में इन सभी संभावित खतरों के प्रति तैयारी और सतर्कता पर जोर दिया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि 'प्रहार' केवल वर्तमान खतरों तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को भी ध्यान में रखती है। आतंकी संगठनों और संगठित अपराध गिरोहों के गठजोड़ पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। कई बार आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन की व्यवस्था हवाला, मादक पदार्थों की तस्करी या अन्य आपराधिक गतिविधियों से की जाती है। यदि इन फंडिंग चैनलों को तोड़ा जाए और ओवरग्राउंड वर्कर्स के नेटवर्क को खत्म किया जाए तो आतंकवाद की जड़ों को कमजोर किया जा सकता है। नीति में इस दिशा में कठोर कदम उठाने की बात कही गई है। इससे आतंकवाद के आर्थिक स्रोतों पर चोट पहुंचेगी। भारत जैसे संघीय ढांचे वाले देश में कानून-व्यवस्था मुख्यतः राज्य का विषय है, जबकि राष्ट्रीय सुरक्षा में केंद्र की भूमिका प्रमुख होती है। यदि दोनों स्तरों पर समन्वय में कमी हो, तो सुरक्षा व्यवस्था कमजोर पड़ सकती है। 'प्रहार' में राज्यों की एटीएस और आतंकवाद रोधी इकाइयों की क्षमता बढ़ाने, प्रशिक्षण, आधुनिकीकरण और तकनीकी संसाधनों के विस्तार पर जोर दिया गया है। इससे पूरे देश में एक समान और मजबूत आतंकवाद रोधी ढांचा तैयार किया जा सकेगा। नीति में मानवाधिकारों और कानून के शासन को बनाए रखने की बात भी महत्वपूर्ण है। आतंकवाद से लड़ाई में कठोरता आवश्यक है, लेकिन कानून की सीमाओं के भीतर रहकर ही कार्रवाई होनी चाहिए। आरोपी को न्यायिक प्रक्रिया और अपील का अधिकार देना लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करता है। इससे सुरक्षा और स्वतंत्रता के बीच संतुलन कायम रहता है। यह संदेश भी जाता है कि भारत आतंकवाद से लड़ते हुए भी अपने संवैधानिक सिद्धांतों से समझौता नहीं करेगा।

कट्टरपंथ को रोकने के लिए युवाओं की समय रहते पहचान और परामर्श की व्यवस्था, जेलों में उग्र विचारधारा के प्रसार को रोकने के उपाय तथा शिक्षा और रोजगार के माध्यम से सामाजिक कमजोरियों को दूर करने की सोच नीति को केवल सुरक्षा दस्तावेज नहीं, बल्कि सामाजिक सुधार का माध्यम भी बनाती है। यदि युवा कट्टरपंथ की ओर आकर्षित ही न हों तो आतंकवादी संगठनों की भर्ती प्रक्रिया कमजोर पड़ जाएगी। इस दृष्टि से 'प्रहार' सामाजिक भागीदारी और पुनर्वास पर भी जोर देती है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग की बात इस नीति को वैश्विक आयाम देती है। अन्य देशों के साथ सूचना साझा करना, प्रत्यर्पण समझौते और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर आतंकियों को नामित कराने के प्रयास भारत की कूटनीतिक सक्रियता को दर्शाते हैं। आतंकवाद आज सीमा-रहित चुनौती बन चुका है, इसलिए उसका समाधान भी वैश्विक सहयोग से ही संभव है। 2004-14 की तुलना में 2014-25 के बीच घटनाओं और हताहतों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। यह प्रवृत्ति बताती है कि सुरक्षा तंत्र ने कुछ हद तक प्रभावी काम किया है। कुल मिलाकर, 'प्रहार' केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत की समग्र सोच का प्रतिबिंब है। इसमें सुरक्षा, तकनीक, सामाजिक जागरूकता, कानूनी संतुलन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का समावेश है। यदि इसे प्रभावी ढंग से लागू किया गया, केंद्र और राज्य एजेंसियों के बीच वास्तविक समन्वय स्थापित हुआ, और समाज की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई तो निश्चित रूप से आतंकवाद की घटनाओं में और कमी लाई जा सकती है। यह नीति भारत की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ युवाओं को भटकाव से बचाने और राष्ट्र को स्थिर, सुरक्षित और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

'प्रहार' केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत की समग्र सोच का प्रतिबिंब है। इसमें सुरक्षा, तकनीक, सामाजिक जागरूकता, कानूनी संतुलन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का समावेश है। यदि इसे प्रभावी ढंग से लागू किया गया, केंद्र और राज्य एजेंसियों के बीच वास्तविक समन्वय स्थापित हुआ और समाज की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई तो निश्चित रूप से आतंकवाद की घटनाओं में और कमी लाई जा सकती है। यह नीति भारत की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ युवाओं को भटकाव से बचाने और राष्ट्र को स्थिर, सुरक्षित और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

दिवस विशेष
आचार्य दीप चन्द भारद्वाज

प्रखर राष्ट्रभक्त क्रांतिवीर थे विनायक दामोदर सावरकर

विनायक दामोदर सावरकर एक प्रमुख भारतीय क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी, लेखक, कवि, वकील तथा प्रखर राष्ट्रभक्त नेता थे। इनका जन्म 28 मई 1883 को महाराष्ट्र के नासिक जिले के भागपुर गांव में मध्यवर्गीय परिवार में हुआ था। सावरकर बाल्यकाल से ही उत्कृष्ट प्रतिभा के धनी थे। स्कूली शिक्षा के दौरान ही उनका साहित्य के क्षेत्र में पदार्पण हो गया था। दस वर्ष की आयु में ही उनकी कविताएं प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में प्रकाशित होने लगी थी। ब्रिटिश सरकार से स्वतंत्रता के उद्देश्य से सावरकर ने वर्ष 1899 में मात्र 16 वर्ष की आयु में मित्र मेला नामक संगठन का गठन किया। बाद में संगठन का नाम बदलकर अभिनव भारत रख दिया गया। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सावरकर लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, विपिन चंद्र जैसे कट्टरपंथी राजनीतिक नेताओं से प्रेरित थे।

उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण करने के बाद पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज में दाखिला लिया और कला स्नातक की डिग्री हासिल की इसके बाद वह कानून की पढ़ाई करने के लिए इंग्लैंड गए। इंग्लैंड जाकर भी इस राष्ट्रभक्त ने भारतीय छात्रों को स्वाधीनता हेतु प्रेरित किया और 1906 में फ्री इंडिया सोसाइटी की स्थापना की, जिसका उद्देश्य ब्रिटिश सरकार को उखाड़ना था। वर्ष 1909 में वीर सावरकर को मिंटो मार्ले रिफार्म के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह की साजिश रचने के आरोप में वारंट जारी किया गया। वर्ष 1910 में क्रांतिकारी समूह इंडिया हाउस के साथ संबंधों के लिए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उन्हें ब्रिटिश सरकार द्वारा 50 वर्ष की जेल की कठोर सजा सुनाई गई। 4 जुलाई 1911 को सावरकर को अंडमान निकोबार द्वीप सेल्यूलर जेल ले जाया गया। 27 वर्ष की आयु में सावरकर को दो बार काले पानी की सजा सुनाई गई थी। अंग्रेज सावरकर को दिनभर कोल्हू में बैल की जगह हांकते, तेल पिसवाते, रस्सी बंटवाते। इन समस्त यातनाओं को सहते हुए भी सावरकर जेल में कैदियों के भीतर राष्ट्र भक्ति की भावनाएं सुदृढ़ करते रहे। जेल की दीवारों पर इन्होंने कील और पत्थरों से 6000 राष्ट्रभक्ति से उत्प्रोत कविताएं लिख दी थी। भीषण अमानवीय यातनाओं के दौर को झेलते हुए वे जेल में बंद कैदियों को समझाते थे कि - 'धीरज रखो, एक दिन आएगा, जब यह जगह तीर्थ स्थल बन जाएगी। आज भले ही हमारा पूरे विश्व में मजाक बन रहा हो, एक समय ऐसा होगा, जब लोग कहेंगे कि देखो, इन्हीं काल कोठरियों में हिंदुस्तानी कैदी बंद थे। उन्हीं कैदियों की यहां प्रतिमाएं होंगी'। ये कलम और दिमाग दोनों से अंग्रेजों से लड़ने वाले क्रांतिकारी थे। सावरकर पहले इतिहासकार थे, जिन्होंने 1857 की लड़ाई को प्रथम स्वाधीनता संग्राम कहा था। सावरकर ने ही यह साबित किया था कि यह सैनिक विद्रोह नहीं प्रथम स्वाधीनता संग्राम था। उसने सभी अमर बलिदानियों की गाथा जन-जन तक पहुंचाई। भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों ने भी सावरकर द्वारा रचित प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 पुस्तक से प्रेरणा प्राप्त की। दुनिया में ऐसी कौन सी पुस्तक है जिसे प्रकाशन से पहले ही प्रतिबंधित किया गया हो। अंग्रेज सावरकर की इस पुस्तक से इतने भयभीत थे कि उन्होंने हर एक प्रयास किया, ताकि यह पुस्तक भारत तक न पहुंच सके। और जब सावरकर की यह पुस्तक क्रांतिकारियों में पहुंची तो क्रांति की ज्वाला में घी की आहुति पड़ गई। वर्ष 1924 में जेल से रिहा होने के बाद सावरकर समाज सुधार कार्य में लग गए। यह हिंदुत्व के प्रखर चिंतक थे। सावरकर जातिवाद के घोर विरोधी थे। रत्नागिरी में इन्होंने पतित पावन मंदिर की स्थापना की और छुआछूत मिटाने का कार्य किया। इनका संपूर्ण जीवन भारतीय स्वाधीनता एवं हिंदुत्व को समर्पित रहा। सावरकर ने 1937 में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के अध्यक्ष बनकर हिंदुओं की सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित किया था। सावरकर को ओजस्वी वक्ता के रूप में भी जाना जाता है, अपने समर्थकों पर उनकी अमिट छाप थी। सावरकर ने दृढ़ता पूर्वक यह कहा था कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है और जो एक रक्त में बंधे हैं।

इनका चिंतन था कि हमारी सभ्यता और संस्कृति के आदर्श प्रत्येक भारतवासी के लिए वंदनीय हैं। सावरकर ने अपनी युवावस्था भारतीय स्वाधीनता हेतु सेलुलर जेल की काल कोठरी में कठोर अमानवीय यातनाएं सहकर मृत्यु पर्यंत भारतीय हिंदू संस्कृति के उद्धार हेतु कार्य किया। 26 फरवरी 1966 को मुंबई में इस महान देशभक्त ने अंतिम श्वास ली। निडर स्वतंत्रता सेनानी एवं हिंदुत्व के सूत्रधार सावरकर का संपूर्ण जीवन मातृभूमि को समर्पित रहा।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जन्म व मृत्यु के उपरांत समाप्त होती है यात्रा

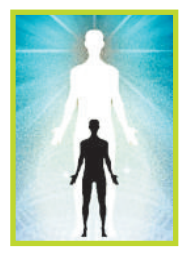

संकलित
दर्शन

शरीर में समाहित ऊर्जापुंज को आत्मा कहा गया है। यह आत्मा अनंत ऊर्जा अर्थात परमात्मा का एक अति सूक्ष्म अंशमात्र है। भौतिक जगत में रहते हुए यह भौतिक शरीर एक यात्री के सदृश होता है। शरीर के जन्म के साथ ही यात्रा प्रारंभ होती है एवं मृत्यु के उपरांत समाप्त हो जाती है। अर्थात भौतिक शरीर के लिए जीवन एक यात्रा के समतुल्य है। जन्म के साथ ही ऊर्जापुंज अर्थात आत्मा भौतिक शरीर से संयुक्त होकर उसकी यात्रा में सहयात्री की भूमिका का निर्वहन करने लगता है एवं मरणोपरांत स्वयं को यात्रा से अलग कर लेता है। यह कहा जा सकता है कि भौतिक शरीर की यात्रा का आदि और अंत स्पष्टतः ज्ञात होता है, परंतु ऊर्जापुंज जिसे आत्मा कहकर संबोधित किया जाता है, अपनी यात्रा के आदि और अंत से सर्वथा अपरिचित होता है। आत्मा की यात्रा कब और क्यों प्रारंभ हुई तथा कब और क्यों पूर्ण होगी? इन प्रश्नों का हल आज भी एक चुनौती के रूप में खड़ा है। ऊर्जापुंज अगणित भौतिक शरीरों की भौतिक यात्रा में सहयात्री की भूमिका को निभाता हुआ अपनी अनंत दिव्ययात्र को जारी रखता है। अर्थात आत्मा की इस अलौकिक यात्रा में अनंत लौकिक यात्राएं शामिल होती हैं। इस अलौकिक यात्रा के संबंध में केवल इतना ही कहा जा सकता है कि यह यात्रा अनंत से प्रारंभ होकर अनंत पर ही पूर्ण होगी, किंतु अनंत को परिभाषित करना भी असंभव है। अनंत को अज्ञात का पर्याय माना जा सकता है।

जीवन में, सब ईश्वर की दया ही है

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक अमीर सेठ के यहाँ एक नौकर काम करता था, अमीर सेठ अपने नौकर से तो बहुत खुश था, लेकिन जब भी कोई कटु अनुभव होता तो वह भगवान को अनाप शनाप कहता और बहुत कोसता था। एक दिन वह अमीर सेठ ककड़ी खा रहा था, संयोग से वह ककड़ी कच्ची और कड़वी थी। सेठ ने वह ककड़ी अपने नौकर को दे दी। नौकर ने उसे बड़े चाव से खाया जैसे वह बहुत स्वादिष्ट हो। अमीर सेठ ने पूछाः ककड़ी तो बहुत कड़वी थी, भला तुम ऐसे कैसे खा गये? नौकर बोलाः आप मेरे मालिक है, रोज ही स्वादिष्ट भोजन देते है, अगर एक दिन कुछ बेस्वाद या कड़वा भी दे दिया तो उसे स्वीकार करने में भला क्या हर्ज है? अमीर सेठ अपनी भूल समझ गया, अगर ईश्वर ने इतनी सुख-सम्पदाएँ दी है, और कभी कोई कटु अनुदान या सामान्य मुसीबत दे भी दे तो उसकी सद्भावना पर संदेह करना ठीक नहीं।

असल में यदि हम समझ सकें तो जीवन में जो कुछ भी होता है, सब ईश्वर की दया ही है। ईश्वर जो करता है अच्छे के लिए ही करता है। हम केवल जीवन में अच्छे व उजले पक्ष को ही देखते हैं। हमें सुख, आराम पसंद है, पर दुख व कष्ट के क्षण आते ही हमारा मन विचलित होने लगता है। जीवन में सुख और दुख दोनों ही पल होते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

आखिर क्यों नहीं रुक रहे हवाई हादसे

हाल ही में रांची से दिल्ली एयर एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुखद समाचार ने हमें एक बार फिर से सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर क्यों नहीं रुक रहे एयरप्लेन हादसे। इस दुखद हादसे से यह तो साफ जाहिर है कि इनसान विज्ञान के क्षेत्र में अपने आपको बेशक तीस मार खां समझता हो, लेकिन विज्ञान के क्षेत्र में इनसान अभी भी अधूरा नजर आता है। अगर ऐसा नहीं होता तो इस अभागे विमान की तकनीकी खराबी का पहले पता लगाया जा सकता था या फिर इस विमान में अचानक खराबी कैसे आ गई? विमान बनाने वाली कंपनियां ऐसी तकनीक क्यों तैयार नहीं कर पाई है कि अगर कोई तकनीकी खराबी आती है तो मानव जिंदगियों को बचाया जा सके।

- संजय सचदेव, धमतरी

ट्रेंड

भारत माता का अपमान

मैं आपको पूरे विश्वास के साथ कह रहा हूं कि कृषि समझौते भारत के किसानों के हित में हैं। कुछ लोग गलतफहमी फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। एआई कॉन्फ्रेंस में जाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कपड़े उतारे। ये भारत माता का अपमान है।

-शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

कांग्रेस की कार्यशैली

सत्ता की लालसा में राष्ट्रहित से समझौता करना कांग्रेस की पीढ़ीगत कार्यशैली रही है। आज भी इनके नेता देश और विदेशी धरती पर जाकर भारत की साख को धूमिल करने तथा दुश्मन देशों से मदद की गुहार लगाने में संकोच नहीं करते।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

सच्चाई जनता को बताएं

निवेश के नए आंकड़े देने से पहले पुराने समझौतों की सच्चाई जनता को बताइए। यूपी की भाजपा सरकार ने दिखाए तो करोड़ों के एमओयू लेकिन ज़मीन पर इनके बनाये हवाई अड्डों की तरह कुछ भी नहीं उतरा।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

तकनीकी इस्तेमाल

अगर चीन रोबोट का इस्तेमाल कचरा इकट्ठा करने, सीवर साफ करने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को नियंत्रित करने के लिए कर सकता है, तो हम क्यों नहीं? आइए, तकनीकी विशेषज्ञों, इस चुनौती को स्वीकार करें - कचरे को धन में बदलें और एक स्वच्छ और हरा-भरा शहर बनाएं।

- किरण मजूमदार, उद्यमी

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

करंट अफेयर

टेलीग्राम ऐप के संस्थापक पावेल के खिलाफ जांच शुरू

टेलीग्राम ऐप के संस्थापक पावेल डुरोव ने मंगलवार को दावा किया कि रूस की सरकार ने उनके खिलाफ /"आतंकवादी गतिविधियों में सहायता करने/" के आरोप में आपराधिक जांच शुरू की है। रूस में जन्मे और इसी देश में अपना कॅरियर शुरू करने वाले डुरोव ने मॉस्को पर आरोप लगाया कि वह टेलीग्राम तक रूसी नागरिकों की पहुंच सीमित करने के लिए मनगढ़ंत बहाने बना रहा है। रूसी मीडिया में इससे पहले अपुष्ट खबरें आई थीं कि रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने डुरोव के खिलाफ आपराधिक जांच शुरू कर दी है। यह घटनाक्रम उस बयान के दो सप्ताह बाद सामने आया है जब रूस के संचार नियामक रोसकॉमनादजोर ने टेलीग्राम पर प्रतिबंधात्मक कदम उठाने की घोषणा की थी और इस ऐप पर रूसी कानूनों का पालन न करने का आरोप लगाया था। टेलीग्राम पर कार्रवाई के फैसले से देश में असामान्य सार्वजनिक विरोध देखने को मिला। यहां तक कि क्रेमलिन समर्थित कई सैन्य ब्लॉग लेखकों ने भी इसकी आलोचना की और चेतावनी दी कि यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के बीच टेलीग्राम व्यापक रूप से इस्तेमाल होता है, ऐसे में इसकी सेवाओं में बाधा सैन्य संचार को प्रभावित कर सकती है। इसके बावजूद रूसी अधिकारी टेलीग्राम को सुरक्षा के लिए जोखिम बताते आ रहे हैं।

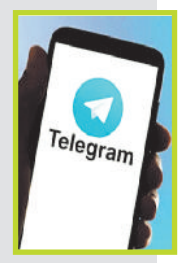

ऑफ बीट

पढ़े-लिखे व विज्ञान समर्थकों का भी अंधविश्वास पर भरोसा

बचपन में हममें से कई लोगों को बताया जाता है कि बाल गीले होने पर बाहर निकलने से सर्दी लग जाती है। बड़े होने पर भी हम बाहर जाने से पहले बाल अच्छी तरह सुखाने में अतिरिक्त समय लगा देते हैं। अंग्रेजी भाषी देशों में कई ऊंची इमारतों में 13वीं मंजिल को अंकित नहीं किया जाता, जबकि पूर्वी एशिया में अक्सर चौथी मंजिल को छोड़ दिया जाता है। यदि जिस खिलाड़ी का मैं समर्थन करता हूं और वह लगातार जीत रहा हो तथा कोई कमेंटेटर उसका जिक्र कर दे, तो मुझे लगता है कि अब अपशगुन हो जाएगा और उसकी जीत का सिलसिला टूट जाएगा। ये सब अंधविश्वास और पारंपरिक मान्यताएं हैं। विज्ञान के प्रति जागरूक समाज होने के बावजूद ये मान्यताएं कायम रहती हैं। सवाल यह है कि ऐसा क्यों होता है और क्या इसमें कोई नुकसान है? ऐसी कई मान्यताओं की जड़ें पुराने चिकित्सा और सांस्कृतिक विश्वासों में हैं। प्राचीन यूनानी और चीनी चिकित्सा में स्वास्थ्य को शरीर और पर्यावरण के संतुलन से जोड़ा जाता था। तापमान को बीमारी का कारण माना जाता था। आज विज्ञान स्पष्ट करता है कि सर्दी-जुकाम का मुख्य कारण वायरस है। हालांकि कुछ शोध बताते हैं कि ठंड में शरीर वायरस के प्रति थोड़ा अधिक संवेदनशील हो सकता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि गीले बाल ही बीमारी का कारण बनते हैं।

बिलासपुर
गुरुवार 26 फरवरी 2026
फाल्गुन शुक्ल पक्ष दशमी
वर्ष : 25, अंक : 335
पृष्ठ : 12+6 =18, मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 33.1
न्यून. 19.8

haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

5 आज जिम्बाब्वे से आर-पार की जंग,...

विचार पेज
आतंक के खिलाफ नई राष्ट्रीय ढाल

माड़ में डीवीसीएम मल्लेश ओड़ी समेत 18 सक्रिय, समर्पण या मौत के बाद नारायणपुर हो जाएगा नक्सलमुक्त

राजेश दास ▸▸| जगदलपुर

नक्सल प्रभावित जिलों की कहानी 5

केन्द्र सरकार द्वारा जारी नक्सल प्रभावित जिलों की सूची में छग के छह जिले में सर्वाधिक नक्सल प्रभावित नारायणपुर भी शामिल है। यहां सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के खिलाफ विशेष अभियान चला रखा है। यही वजह है कि बीते दो साल में 99 हार्डकोर नक्सलियों को मार गिराया गया, जिन पर करोड़ों रुपए का ईनाम घोषित था। एक समय माड़ शीर्ष पोलित ब्यूरो व सेण्ट्रल ▸▸शेष पेज 6 पर

केन्द्र सरकार की सूची में नारायणपुर भी है नक्सल प्रभावित जिले में शामिल

दो साल में 99 मारे गए 315 ने हथियार डाला

वर्ष 2024 में सुरक्षाबलों ने नारायणपुर जिले के माड़ में विशेष अभियान चलाकर अलग अलग मुठभेड़ों में 56 हार्डकोर नक्सलियों को मार गिराया था, वहीं वर्ष 2025 में 43 नक्सली मारे गए थे। इन दो वर्ष में 122 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया तथा 315 ने हथियार डालकर आत्मसमर्पण कर दिया। वर्ष 2024 से 2026 के बीच नक्सलियों के ▸▸शेष पेज 6 पर

नक्सलवाद के खात्मे की डेडलाइन में 36 दिन शेष

जल्द ही नारायणपुर जिला होगा नक्सलमुक्त

बीते दो वर्ष में नारायणपुर जिले में सक्रिय दर्जनों शीर्ष नक्सलियों को मार गिराया गया है। अधिकांश हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं। बचे हुए लगभग डेढ़ दर्जन नक्सलियों से समर्पण करने लगातार अपील की जा रही है।
-सुंदरराज पट्टलिंगम, आईजी, बस्तर

खबर संक्षेप

नौसेना में शामिल होगा आईएनएस अंजदीप

चेन्नई। भारतीय नौसेना तटीय सुरक्षा को और सुदृढ़ करने की दिशा में 27 फरवरी को चेन्नई बंदरगाह पर 'डॉल्फिन हंटर' पोत आईएनएस अंजदीप को तैनात करने जा रही है। यह पोत 'एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट' परियोजना के तहत बनाए जा रहे आठ पोतों में से तीसरा है।

दुल्हन को कथित प्रेमी ने गोली मारी

बक्सर। बिहार के बक्सर जिले में एक विवाह समारोह के दौरान दुल्हन को उसके कथित प्रेमी ने गोली मार दी। घटना के वक्त 18 वर्षीय आरती कुमारी अपने होने वाले पति के साथ विवाह मंच पर खड़ी थी। चौसा के अतिरिक्त थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने कहा, प्रथम दृष्टया यह मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत होता है। आरती को उस समय पेट में गोली मारी गई जब वह दूल्हे के बगल में मंच पर खड़ी थी। दुल्हन की हालत गंभीर बनी हुई है।

आईआईएम के 300 छात्रों ने किया परीक्षा का बहिष्कार

नागपुर। भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), नागपुर के एमबीए प्रथम वर्ष के लगभग 300 छात्रों ने संस्थान के नियमों का उल्लंघन करते हुए विदाई पार्टी में शामिल हुए 40 सहपाठियों को परीक्षा में बैठने से रोके जाने के विरोध में अपनी मध्यावधि परीक्षा का बहिष्कार किया। प्रथम और द्वितीय वर्ष के बैच के लगभग 75 छात्र 21 फरवरी की रात को वरिष्ठ छात्रों के लिए आयोजित विदाई पार्टी में बिना अनुमति के गए।

सूरत में दंपति और बेटी घर में मृत मिले

सूरत। शहर के वेसु इलाके में एक दंपति ने अपनी नौ वर्षीय बेटी के साथ कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। दंपति की दूसरी बच्ची को बचा लिया गया। बिहार निवासी बालमुकुंद, उनकी पत्नी प्रियंका और उनकी बड़ी बेटी की मंगलवार को घर में कथित तौर पर विषैला पदार्थ खाने से मौत हो गई। दंपति की सात वर्षीय छोटी बेटी बच गई। बालमुकुंद एक शेयर कारोबारी थे और घर से काम करते थे। घटनास्थल से एक सुसाइड नोट बरामद किया गया है।

आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ आईडी, पिस्तौल बरामद

मेंढर/जम्मू। सुरक्षा बलों ने बुधवार को जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले के एक सीमावर्ती गांव में आतंकवादियों के ठिकाने का पता लगाया और दो परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) तथा एक पिस्तौल सहित हथियारों का जखीरा बरामद किया है। यह बरामदगी मेंढर क्षेत्र के सैलानी कसबलारी गांव में सेना की तलाशी अभियान के दौरान की गई।

आठवीं की पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार विषय पर नाराजगी

एनसीईआरटी पर गरमा गए सीजेआई, बोले मैं सुप्रीम कोर्ट को नहीं करने दूंगा बदनाम

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की पाठ्यपुस्तक में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' वाली बात सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सोशल साइंस की नई टेक्स्टबुक में 'ज्यूडिशियरी में करप्शन' से जुड़े हिस्सों पर कड़ी आपति जताई। सुप्रीम कोर्ट ने इसे 'गंभीर चिंता का विषय' बताया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, मैं किसी को भी संस्था को बदनाम करने की अनुमति नहीं दूंगा। कानून अपना काम करेगा। इस बीच कोर्ट ने किताब की बिक्री पर रोक लगा दी।

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी द्वारा मामले का तत्काल विचार करने के लिए उल्लेख किये जाने के बाद, प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की पीठ ने एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका के बारे में 'आपत्तिजनक' सामग्री का स्वतः संज्ञान लिया है। इससे अलग, प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा के पाठ्यक्रम में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर एक अध्याय को लेकर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि धरती पर किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने और उसकी सत्यनिष्ठा को धूमिल करने ▸▸शेष पेज 6 पर

सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान, पुस्तक की बिक्री पर लगाई रोक

पाठ्यपुस्तक में पूर्व सीजेआई का भी उल्लेख

पाठ्यपुस्तक में पूर्व प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई का भी उल्लेख है, जिन्होंने जुलाई 2025 में कहा था कि न्यायपालिका के भीतर भ्रष्टाचार और कदाचार के मामलों का लोगों के विश्वास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। पुस्तक में उन्हें उद्धृत करते हुए कहा गया, हालांकि, इस भरोसे को फिर से कायम करने का रास्ता इन मुद्दों को सुलझाने के लिए त्वरित, निर्णायक और पारदर्शी कार्रवाई में निहित है। पारदर्शिता और जवाबदेही लोकतांत्रिक गुण हैं।

नई किताब में क्या है?

कक्षा आठ के लिए एनसीईआरटी की नई समाज विज्ञान की पाठ्यपुस्तक के अनुसार, भ्रष्टाचार, लंबित मामलों का भारी बोझ और न्यायाधीशों की पर्याप्त संख्या की कमी न्यायिक प्रणाली के सामने आने वाली 'चुनौतियों' में से हैं। नई पुस्तक के 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' खंड में कहा गया है कि न्यायाधीश एक आचार संहिता से बंधे होते हैं।

एनसीईआरटी की किताब वेबसाइट पर मौजूद नहीं

एनसीईआरटी की 8वीं क्लास की सोशल साइंस का पार्ट 2 इसी हफ्ते जारी हुआ था। CJI की टिप्पणी के बाद ये किताब एनसीईआरटी की वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं है। एक न्यूज रिपोर्ट के मुताबिक किताबों की ऑफलाइन बिक्री भी मंगलवार 24 फरवरी से बंद कर दी गई है। हालांकि अब तक एनसीईआरटी की तरफ इसको लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

उच्च पदों पर बैठे लोगों को समुदाय विशेष पर टिप्पणी की छूट नहीं

इधर, सुप्रीम कोर्ट ने एक अन्य मामले में कड़ी टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सौहार्द के लिए भाईचारे को जरूरी बताते हुए कहा कि ऊंचे संवैधानिक पदों पर बैठे लोग धर्म, भाषा, जाति या क्षेत्र के आधार पर किसी विशेष समुदाय को निशाना नहीं बना सकते। शीर्ष अदालत ने कहा कि कोई भी व्यक्ति, चाहे वह सरकारी हो या गैर सरकारी हो, भाषणों, मीम्स, कार्टून या चित्रों के जरिए किसी विशेष समुदाय को बदनाम या अपमानित नहीं कर सकता। न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने यह टिप्पणियां फिल्म 'घूसखोर पंडत' की रिलीज को चुनौती देने वाली याचिका पर एक अलग फैसले में कीं। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है और याचिका में इसकी रिलीज को चुनौती दी गई है।

अंबानी पर ईडी की बड़ी कार्रवाई

3,716 करोड़ का आलीशान घर 'एबोड' को किया कुर्क

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन रोधक कानून के तहत रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी के मुंबई स्थित घर 'एबोड' को कुर्क कर लिया है, जिसकी कीमत 3,716 करोड़ रुपए है। मुंबई के पाली हिल इलाके में स्थित 66 मीटर ऊंचा यह आलीशान घर 17 मंजिला है। सूत्रों के अनुसार, उनके समूह ▸▸शेष पेज 6 पर

जारी हुए हैं अस्थायी ऑर्डर

यह शानदार घर 66 मीटर ऊंचा है। इसमें 17 मंजिलें हैं। यह मुंबई के पाली हिल इलाके में स्थित है। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत एक प्रोविजनल ऑर्डर जारी किया गया है ताकि बैंक फ्रॉड से जुड़े मामले में मल्टी-स्टोरी घर को अटैच किया जा सके।

15700 करोड़ की हो चुकी है कुर्की

सूत्रों ने बताया कि अटैच की गई संपत्ति की कीमत 3,716.83 करोड़ रुपए है। 66 साल के अंबानी के दूसरे राउंड की पूछताछ के लिए यहां फेडरल जांच एजेंसी के सामने पेश होने की उम्मीद है। उन्होंने पहली बार अगस्त 2025 में ईडी के सामने गवाही दी थी। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत उनका बयान दर्ज किया गया था। नए ऑर्डर के साथ इस मामले में अटैच की कुल कीमत लगभग 15,700 करोड़ रुपए हो गई है।

भारतीय सौर उत्पादों पर नया टैक्स

ट्रंप ने फिर फोड़ा टैरिफ बम अब 126 फीसदी का झटका

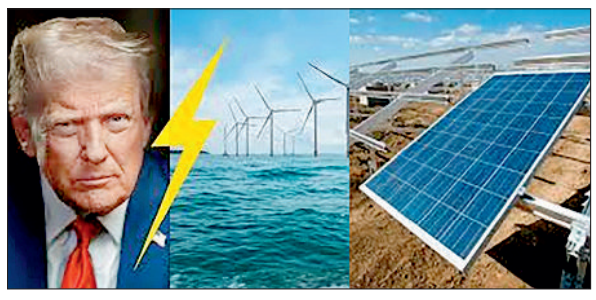

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

अमेरिका ने भारत पर अनुचित सब्सिडी दिए जाने का आरोप लगाते हुए कुछ भारतीय सौर उत्पादों के आयात पर 125.87 प्रतिशत का प्रतिपूर्ति शुल्क लगाने की घोषणा की है। अमेरिका ने इंडोनेशिया और लाओस से आयातित 'क्रिस्टलाइन सिलिकॉन फोटोवोल्टिक सेल, चाहे वे मॉड्यूल में संयोजित हों या नहीं' पर भी अलग-अलग शुल्क दरों की घोषणा की है। अमेरिकी आदेश के अनुसार, 24 फरवरी, 2026 को अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने भारत, इंडोनेशिया और लाओ पीपल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक (लाओस) से क्रिस्टलाइन सिलिकॉन फोटोवोल्टिक सेल, चाहे वे मॉड्यूल में संयोजित हों या ▸▸शेष पेज 6 पर

■ भारत पर कहां और कैसे असर?

क्यों अमेरिका ने उठाया ये कदम?

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने भारत से सौर ऊर्जा उत्पादों के आयात पर 126% का प्रारंभिक शुल्क निर्धारित किया है। वहीं इंडोनेशिया के लिए ये प्रारंभिक शुल्क 86% से 143%, जबकि लाओस के लिए 81% तय किया गया है। ये इंपोर्ट ड्यूटी रेट्स विदेशी सब्सिडी को देखते हुए निर्धारित किए गए हैं। अमेरिका का मानना है कि इससे इन देशों के निर्यातकों को घरेलू सोलर एनर्जी प्रोड्यूशरों के उत्पादों की तुलना में कम कीमत पर अपने उत्पाद बेचने की अनुमति मिलती है। ट्रंप प्रशासन द्वारा भारी भरकम टैरिफ लगाने के इस कदम का उद्देश्य घरेलू निर्माताओं को लाभ पहुंचाना है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

विक्रम सोलर के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ज्ञानेश चौधरी ने कहा, हालिया अमेरिकी शुरुआती प्रतिपूर्ति शुल्क मुख्य तौर भारतीय सेल पर लागू होता है। हमारी अमेरिकी ऑर्डर की रणनीति भारतीय सेल की खरीद पर आधारित नहीं है। हम पहले से ही उस बाजार के लिए विविधीकृत आपूर्ति श्रृंखला के साथ काम कर रहे हैं, जिसमें कम शुल्क जोखिम वाले देशों से खरीद शामिल है। इसलिए हम पर सीधा वित्तीय प्रभाव सीमित रहेगा। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल द्वारा निकासी अवसंरचना को आसान बनाने के फैसले के बाद स्थापना की रफ्तार और तेज होने की उम्मीद है।

कामरेड रानू ने दी हरी झंडी, डीवीसीएम मल्लेश ने फोर्स के सामने डाले हथियार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कांकेर

हरिभूमि फॉलोअप

डीवीसीएम मल्लेश और रानू पोडियाम के समर्पण की खबर ने इलाके में एक दिन पहले से ही हलचल मचा दी थी। हालांकि पुलिस प्रशासन ने अब तक दोनों को औपचारिक रूप से मिडिया के सामने प्रस्तुत नहीं किया है, लेकिन प्रारंभिक जानकारी के आधार पर कई अहम तथ्य सामने आ रहे हैं। पुलिस को इंतजार है कि अन्य नक्सली जो समर्पण के लिए आने के लिए संपर्क किए हैं, उनके आने के बाद एक साथ जानकारी उपलब्ध किए जाने की संभावना दिख रही है।

जानकारी के अनुसार डीवीसीएम मल्लेश और रानू पोडियाम का ▸▸शेष पेज 6 पर

नक्सली संगठन के लिए बड़ा झटका

जानकारों का मानना है कि मल्लेश जैसे वरिष्ठ कैडर का समर्पण नक्सली संगठन के लिए बड़ा मनोवैज्ञानिक झटका है। इससे न केवल संगठन की रणनीतिक क्षमता कमजोर होती है, बल्कि बाकी कैडर का मनोबल भी टूटता है। यही वजह है कि आने वाले दिनों में और भी समर्पण होने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता।

दबाव के कारण किया समर्पण

पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने बताया कि दोनों माओवादी कैडरों ने स्वेच्छा से हिंसा त्यागने का फैसला लिया है। प्रारंभिक बातचीत में उन्होंने संगठन के भीतर व्याप्त आंतरिक असंतोष, विचारधारा से मोहभंग और लगातार बढ़ते सुरक्षा दबाव को अपने निर्णय का मुख्य कारण बताया है।

5वीं और 8वीं बोर्ड परीक्षा के विरोध में लगी याचिका खारिज

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कक्षा पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षा के विरोध में दायर याचिका खारिज कर दी है। यह याचिका छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन की ओर से लगाई गई थी। कोर्ट ने साफ कहा कि सीजी बोर्ड से मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में परीक्षा स्कूल शिक्षा विभाग ही लेगा। इस फैसले के बाद प्रदेश के करीब 6200 निजी स्कूलों में हिंदी और अंग्रेजी माध्यम के छात्रों की एकीकृत परीक्षा होगी। परीक्षा में पास-फेल का नियम भी लागू रहेगा।ध्यान रहे कि निजी स्कूल संगठन ▸▸शेष पेज 6 पर

महंगी किताबों के नाम पर अवैध वसूली

इस मामले में विकास तिवारी ने हस्तक्षेप याचिका दाखिल कर कहा कि, कई निजी स्कूल सीजी बोर्ड की मान्यता लेकर सीबीएसई का पाठ्यक्रम पढ़ा रहे हैं और अभिभावकों से महंगी किताबों के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि सीजी बोर्ड से मान्यता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को राज्य सरकार की ओर से निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें दी जानी हैं, लेकिन निजी स्कूलों ने वर्षों से इन पुस्तकों का वितरण नहीं किया। आरटीई के गरीब छात्रों को भी महंगी निजी किताबें खरीदने को मजबूर किया गया।

आरबीआई का बैंकों को आदेश, ऐप से हटा लें फंसाने वाली ट्रिक्स

बैंकों की मनमानी पर ब्रेक, अब कोई हिडन चार्ज नहीं

एजेंसी ▸▸| मुंबई

भारत में अब बैंकों की मनमानी नहीं चलेगी। देश के रिजर्व बैंक ने अपने नए नियमों में नई गाइडलाइन बना दी है। अक्सर देखा है कि बैंकिंग ऐप खोलते ही लोन के साथ बीमा के कई नोटिफिकेशन एक साथ आ जाते हैं, साथ ही किसी सर्विस को क्लिक करते ही अनजाने में कुछ हिडेन चार्ज काट लिए जाते हैं, पर अब ऐसी समस्या का सामना ग्राहकों को नहीं करना पड़ेगा। आरबीआई ने 'रिस्पांसिबल बिजनेस कंडक्ट अमेंडमेंट डायरेक्शन 2026' के ड्राफ्ट में साफ कहा है कि बैंकों को अपनी वेबसाइटों और मोबाइल ऐप्स से सभी तरह के डार्क पैटर्न को जड़ से खत्म करना होगा।

सर्वे में खुली पोल

इस फैसले के पीछे लोकल सर्किल्स का एक बड़ा सर्वे है। दरअसल 388 जिलों के करीब 1.61 लाख लोगों से मिले फीडबैक में यह सामने आया कि बैंकिंग ऐप्स पर ऐसी गुमराह करने वाली ट्रिक्स आम बात हो गई हैं। इसी वजह से आरबीआई अब डिजिटल बैंकिंग को ज्यादा से ज्यादा क्लियर और सेफ बनाने के लिए लग गया है।

जुलाई तक हटाने होंगे डार्क पैटर्न

बैंकों को जुलाई 2026 तक डार्क पैटर्न को पूरी तरह से हटाने और नए नियमों का पालन करने का समय दिया गया है। आरबीआई द्वारा मोबाइल बैंकिंग पर लोगों की बढ़ती निर्भरता को देखते हुए ये कदम उठाया गया है, जो डिजिटल वित्तीय सेवाओं को आसान, निष्पक्ष और अधिक भरोसेमंद बनाने के लिए है।

ग्राहकों को होगा फायदा

आरबीआई के इस आदेश के बाद अब बैंक ऐप्स पर क्रॉस-सेलिंग यानी एक प्रोडक्ट के साथ दूसरा जबरन बेचना बंद होगा। अब बैंक को हर सर्विस के लिए आपसे मंजूरी लेनी ही होगी। जुलाई 2026 के बाद अगर कोई बैंक इन नियमों का तोड़ता है तो उस पर भारी जुर्माना भी लगाया जा सकता है। कुल मिलाकर अब स्क्रीन पर दिखने वाले डिलीट या स्किप बटन छोटे नहीं होंगे और ना ही बैंक आपको धोखे से किसी स्कीम में फंसा पाएंगे।

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

केमिकल कलर्स से जब हो स्किन प्रॉब्लम

मेरी उम्र 28 वर्ष है। पिछले साल होली में रंग-गुलाल खेलने के बाद मेरी स्किन पर दाने और रैशेज हो गए थे। कृपया कोई ऐसा उपाय बताएं, जिससे इस बार ऐसी प्रॉब्लम न हो।

-सौरभ, हिसार

बाजार में तरह-तरह के केमिकल वाले रंग भी मिलते हैं। कई बार लोग इनका इस्तेमाल करते हैं। इसलिए इनके इस्तेमाल से खुद भी बचें और दूसरों को भी जागरूक करें। साथ ही रंग खेलने से पहले पूरे शरीर पर नारियल का तेल या मॉयश्चराइजर लगा लें। नारियल तेल ज्यादा बेहतर रहेगा। साथ ही केवल हर्बल कलर का इस्तेमाल करें। एक ही बार मे रंग छुड़ाने की कोशिश ना करें। कई लोग एक ही बार में पूरा रंग छुड़ाने के लिए कई बार साबुन लगाते रहते हैं। ऐसा न करें। अगर थोड़ा हल्का भी हो जाए तो अगले दिन उतर जाएगा। इस तरह त्वचा को बचाया जा सकता है।

मेरी उम्र 23 वर्ष है। अभी से ही मेरे सिर के आधे से अधिक बाल सफेद हो गए हैं। कृपया बताएं कि इसकी क्या वजह है और इसे कैसे ठीक किया जा सकता है?

-विकास, दुर्ग

आजकल यंगस्टर्स में यह समस्या काफी देखी जा रही है। सबसे पहले आप बाजार में उपलब्ध तरह-तरह के शैंपू का बदल-बदल कर इस्तेमाल करना बंद करें। साथ ही एक बार त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लें, वे आपको कुछ शैंपू और साबुन बताएंगे, उनका इस्तेमाल करें और जरूरत पड़ी तो कुछ जांच कराएंगे। बगैर जांच करवाए कोई उपचार नहीं बताया जा सकता है।

मेरी उम्र 45 वर्ष है। अकसर सुबह के समय मेरी आंखों के नीचे और चेहरे पर सूजन सी लगती है। कुछ देर बाद खुद ही नॉर्मल हो जाता है। यह किसी बीमारी का संकेत तो नहीं, कृपया बताएं।

-एक पाठक, ई-मेल से

आंखों के नीचे सूजन आना कई बार शुगर बढ़ने के लक्षण भी होते हैं। लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी कहना ठीक नहीं है। सबसे पहले आप डॉक्टर से संपर्क कर शुगर की जांच कराएं। अगर वह रिपोर्ट नॉर्मल निकलती है तो फिर डॉक्टर और भी जांच कराएंगे, जिससे कारण पता चलेगा और इलाज हो सकेगा।

मेरी उम्र 32 वर्ष है। मुझे दिन भर मीठा खाने की क्रेविंग होती रहती है। प्लीज बताएं इससे मुझे डायबिटीज तो नहीं हो जाएगी? अपनी इस हैबिट को छोड़ने के लिए क्या उपाय करूं?

-कल्पेश, रायपुर

कोई भी चीज लिमिट में खाना ठीक होता है, लेकिन जरूरत से ज्यादा खाना नुकसानदायक होगा। सबसे पहले आप दो चीजों पर गौर करें कि आपकी शुगर कितनी है और आप फिजिकल एक्टिविटीज कितनी करते हैं? क्योंकि अगर आपकी फिजिकल एक्टिविटीज कम हैं और शुगर कंट्रोल है तो भी आपको मीठा कम खाना चाहिए। मीठे में भी ऐसे आइटम खाएं, जिसमें शुगर कम हो। डीप फ्राई वाली चीजें बिल्कुल ना खाएं।

मेरी पिता की उम्र 74 वर्ष है। उनके गॉल ब्लैडर में स्टोन है। लेकिन डॉक्टर ऑपरेशन करने से मना कर रहे हैं। इससे उनको कोई प्रॉब्लम तो नहीं होगी? कृपया बताएं हमें क्या करना चाहिए?

-पंकज, बिलासपुर

देखिए, अगर डॉक्टर ही मना कर रहे हैं ऑपरेशन करने के लिए, तो कोई न कोई उसका कारण होगा। इसलिए आप रिस्क ना लें और डॉक्टर द्वारा बताई गयी सावधानी बरतते हुए ही ट्रीटमेंट कराएं।

मेरी उम्र 53 वर्ष है। मैं जब भी ट्रैफिक में होता हूं तो बहुत घबराहट महसूस होती है। इस वजह से घर से कम निकलता हूं। ऐसा क्यों होता है? प्लीज इसका कोई कारगर उपचार बताएं।

-अवधेश, कांकेर

सबसे पहले आप डॉक्टर से संपर्क कर अपनी सारी जांच कराएं, जिससे पता चल जाएगा कि यह किसी बीमारी के लक्षण तो नहीं हैं। अगर रिपोर्ट नॉर्मल है तो इसके बाद आप मनोचिकित्सक से संपर्क कर सकते हैं। कई लोगों को भीड़ से घबराहट होती है। वो इससे बचाव के उपाय बताएंगे। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडेय

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल
sehatharibhoomi@gmail.com **पर ई-मेल कर सकते हैं।**

हेल्थ एडवाइस

संध्या पांडेय
चीफ डाइटिशियन
मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम

हाल के वर्षों में अस्वास्थ्यकर जीवनशैली और गलत खान-पान के कारण वयस्कों से लेकर बच्चों में भी ओबेसिटी यानी मोटापे की समस्या बढ़ती जा रही है। असल में मोटापा कोई बीमारी नहीं है बल्कि यह एक ऐसी स्थिति है जो अनेक बीमारियों की आशंका बढ़ाती है। **वर्ल्ड ओबेसिटी डे (4 मार्च)** के अवसर पर आइए जानते हैं, मोटापे से संबंधित विभिन्न पहलुओं और इस पर नियंत्रण के बारे में।

गुड हेल्थ के लिए है जरूरी ओबेसिटी को कंट्रोल करना

सारी दुनिया में ओबेसिटी एक बड़ी हेल्थ प्रॉब्लम के रूप में सामने आ रहा है। इसके प्रति अवेयर करने के लिए ही वर्ल्ड ओबेसिटी डे मनाया जाता है। इस बार इस दिवस की थीम है- 8 बिलियन रीजंस टू एक्ट ऑन ओबेसिटी। इस थीम का आशय है कि दुनिया की 8 अरब आबादी के लिए मोटापे के खिलाफ कार्रवाई करने के अनेक कारण हैं। हमें हर हाल में मोटापे के प्रति सचेत रहकर इसे नियंत्रित करना है।

कैसे तय होता है मोटापा

मोटापे के आकलन की सबसे प्रमुख विधि बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) है। कमर की माप से भी मोटापे का अंदाजा लगाया जा सकता है, लेकिन मान्य और प्रचलित विधि बीएमआई ही है। बीएमआई की गणना के लिए पहले किसी व्यक्ति के वजन को किलोग्राम में मापा जाता है और फिर उसे उसकी लंबाई (मीटर वर्ग) से विभाजित किया जाता है। सामान्य यानी स्वस्थ वजन वाले व्यक्ति का बीएमआई वैल्यू 23 से कम होना चाहिए। महिलाओं में कमर का घेरा 80 सेंटीमीटर से कम और पुरुषों में 90 सेंटीमीटर से कम होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को बीएमआई के संदर्भ में अपने डॉक्टर या फिर डाइटिशियन से परामर्श लेना बेहतर रहेगा।

हो सकती है ये समस्याएं

मोटापे से ग्रस्त लोगों में उच्च रक्त चाप (हाई ब्लड प्रेशर), हृदय की बीमारियां, डायबिटीज टाइप 2, स्ट्रोक, अर्थराइटिस, सोते समय खर्राटे भरना या स्लीप एप्निया जैसी समस्याओं के होने का जोखिम कहीं ज्यादा बढ़ जाता है। मोटापे से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं में अत्यधिक वजन के बढ़ने से उनके गर्भस्थ शिशु को भी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसके अलावा जो लोग पहले से ही उपरोक्त बीमारियों से ग्रस्त हैं, उन्हें अपने वजन नियंत्रण पर डॉक्टर से परामर्श लेकर विशेष ध्यान देना चाहिए, तभी वे उपरोक्त समस्याओं को नियंत्रित कर सकते हैं। इसके अलावा जो नवयुवक या नवयुवतियां अत्यधिक मोटापे से ग्रस्त हैं, उनके अंदर कुछ मनोवैज्ञानिक समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। जैसे वे शारीरिक रूप से हीनता ग्रंथि के शिकार हो सकते हैं। उन्हें लोगों से मिलने-जुलने में अच्छा महसूस नहीं होता। यही नहीं, मोटापा और बांझपन (इनफर्टिलिटी) के बीच एक गहरा संबंध है। अधिक वजन और मोटापा महिलाओं और पुरुषों दोनों में प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर सकता है।

ओबेसिटी के प्रमुख कारण

- जो लोग नियमित रूप से व्यायाम नहीं करते या कम शारीरिक श्रम करते हैं, उनके मोटे होने की संभावना बढ़ जाती है। मोटापे के अधिकांश मामलों में एक व्यक्ति जितनी कैलोरी बर्न करता है, उससे बहुत अधिक कैलोरी ग्रहण करता है। शरीर द्वारा इस्तेमाल न की जाने वाली कैलोरी वसा के रूप में संचित हो जाती है।
- लगभग हर दिन अत्यधिक चिकनाई युक्त आहार ग्रहण करना या फिर अकसर जंक फूड्स लेना कालांतर में मोटापे से ग्रस्त कर देता है। इसके अतिरिक्त जो लोग अपने खान-पान में फलों और सब्जियों को वरीयता नहीं देते हैं, वे भी मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं।
- अकसर तनावग्रस्त रहना कालांतर में मोटापे का कारण बन सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि तनाव से शरीर में हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं। हार्मोंस के असंतुलन की स्थिति से भी मोटापा बढ़ सकता है।
- वंशानुगत कारण से भी मोटापा बढ़ सकता है। जैसे अगर मां-बाप अपने जीवन काल में मोटापे की समस्या से ग्रस्त हैं तो उनकी संतानों में भी मोटापा बढ़ने की आशंका काफी ज्यादा होती है।
- थायरॉइड ग्रंथि के विकार या असंतुलन से भी मोटापा बढ़ने की काफी आशंका रहती है।

कब लें डॉक्टर से परामर्श

जिन लोगों का वजन बीएमआई के मानकों से परे जाकर बढ़ता जा रहा है या जो लोग पहले से ही मोटापे से ग्रस्त हैं, उन्हें अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। डॉक्टर आपको अपनी जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन करने और स्वास्थ्यकर खान-पान के संदर्भ में समुचित जानकारी देंगे। इस संदर्भ में डॉक्टर आपसे कुछ सवाल भी पूछ सकते हैं। जैसे आप डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर अन्य किसी रोग से पीड़ित तो नहीं हैं, फिलहाल आप क्या दवाएं ले रहे हैं, शराब या धूम्रपान के तलबगार तो नहीं हैं। आप कितनी देर तक व्यायाम या शारीरिक गतिविधियों में भाग लेते हैं? इसके अलावा डॉक्टर आपकी बीएमआई भी चेक कर सकते हैं और अगर आपको कोई बीमारी है तो उससे संबंधित जांच भी करवा सकते हैं। डॉक्टर आपको डाइटिशियन के पास भी रेफर कर सकते हैं और इस संदर्भ में व्यायाम या योगासन के लिए किसी विशेषज्ञ को भी रेफर कर सकते हैं। अत्यधिक मोटापाग्रस्त होने की स्थिति में वे आपको बैरियाट्रिक सर्जन से परामर्श लेने की भी राय भी दे सकते हैं।

मोटापा कम करने वाली दवाएं

इस संदर्भ में महत्वपूर्ण बात यह है कि मोटापा कम करने वाली दवाओं का सेवन अपने डॉक्टर से परामर्श लिए बगैर नहीं करना चाहिए। अत्यधिक मोटापा (मॉर्बिड ओबेसिटी) को नियंत्रण करने में दवाओं का एक सीमित योगदान है। ये दवाइयां डॉक्टर की निगरानी में ली जाती हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि इनके साइड इफेक्ट भी होते हैं।

इन बातों पर दें ध्यान

- डॉक्टर या डाइटिशियन से परामर्श लेकर अपनी शारीरिक स्थिति और मेडिकल कंडीशन के अनुसार खान-पान का एक चार्ट बनवा लें और फिर उस पर अमल करें।
- मोटे अनाज या मिलेट्स वजन को नियंत्रित करने में सहायक हैं।
- अत्यधिक चिकनाईयुक्त खाद्य पदार्थों से परहेज करें।
- नियमित रूप से व्यायाम करें, लेकिन इस संदर्भ में याद रखें कि प्रत्येक व्यक्ति की उम्र और उसकी मेडिकल कंडीशन के अनुसार ही व्यायाम और उसका समय निर्धारित किया जाता है। इसलिए इस संदर्भ में फिटनेस एक्सपर्ट से परामर्श जरूर लें।
- जीवन के प्रति सकारात्मक सोच रखें और तनाव को स्वयं पर हावी न होने दें। ऐसा इसलिए क्योंकि तनाव से भी मोटापा या वजन बढ़ सकता है। तनाव को नियंत्रित करने के लिए मेडिटेशन करें।
- खाना खाते समय टीवी या मोबाइल न देखें, इससे आप ओवरईटिंग से बचे रहेंगे, जो ओबेसिटी बढ़ाने का मुख्य कारण है।
- नमक, शुगर और प्रोसेस्ड फूड्स का कम से कम सेवन करें। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

मोटापे का सर्जिकल इलाज

बैरियाट्रिक सर्जरी एक प्रकार की सर्जरी है, जिसका उद्देश्य अत्यधिक मोटापे का इलाज करना है। यह सर्जरी विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए होती है, जिनका बीएमआई 40 या उससे अधिक होता है, या जिनका बीएमआई 35-39.9 होता है और उन्हें मोटापे से संबंधित गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं, जैसे कि डायबिटीज, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप आदि। इसके अलावा यदि किसी व्यक्ति ने आहार और व्यायाम के माध्यम से वजन घटाने की कोशिश की है, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली, तो बैरियाट्रिक सर्जरी का विकल्प दिया जा सकता है।

प्रिकॉशन

होली सेलिब्रेशन में बरतें सावधानी अस्थमा-डायबिटीज पेशेंट्स

रंगों का त्योहार होली खुशियां और उमंग लेकर आता है, लेकिन अस्थमा और डायबिटीज के मरीजों के लिए यह त्योहार और इन दिनों का मौसम कुछ अतिरिक्त सावधानियां बरतने की मांग करता है। हल्की सी लापरवाही उनके स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है, इसलिए त्योहार का आनंद लेते हुए स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना जरूरी है।

अस्थमा पेशेंट्स के लिए यूजफुल सजेशंसः श्वास संबंधी रोगी होली खेलते समय किन बातों का ध्यान रखें इस बारे में रीजेंसी हॉस्पिटल, गोरखपुर में कंसल्टेंट-पल्मनोलॉजी, **डॉ. आमिर नदीम** कहते हैं, 'होली पर उड़ने वाला गुलाल, धूल, धुआं और केमिकल युक्त रंग सांस के मरीजों के लिए गंभीर परेशानी पैदा कर सकते हैं। इन कणों के संपर्क में आने से सांस की नलियों में सूजन बढ़ सकती है और अस्थमा अटैक का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए अस्थमा मरीजों को कोशिश करनी चाहिए कि वे भीड़-भाड़ वाली जगहों और तेज धूल-धुएं से दूर रहें। होली खेलने के लिए केमिकल वाले गहरे रंगों की जगह फूलों से बने या हर्बल रंगों का इस्तेमाल ज्यादा सुरक्षित विकल्प है। घर से बाहर निकलते समय अच्छी क्वालिटी का मास्क जरूर पहनें, ताकि धूल और रंग सीधे श्वास नली में न जाएं। अपना रेस्क्यू इनहेलर और नियमित दवाएं हमेशा साथ रखें और दवा समय पर लेते रहें। अगर सांस फूलना, सीने में जकड़न, सीटी जैसी आवाज के साथ सांस आना या तेज खांसी की समस्या बढ़े तो इसे नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।'

डायबिटीज पेशेंट्स रखें ध्यानः होली के मौके पर डाइट में लापरवाही बरतने से डायबिटिक पेशेंट्स की तबियत बिगड़ सकती है। इससे बचाव के लिए श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट, दिल्ली के सीनियर कंसल्टेंट-एंडोक्राइनोलॉजी, **डॉ. साकेत कांत** सजेस्ट करते हैं, 'होली पर डायबिटीज मरीजों को मीठे का सेवन बहुत सीमित मात्रा में और सोच-समझकर करना चाहिए। कोशिश करें कि खाली पेट मीठा न खाएं और पहले सलाद, दाल या प्रोटीन युक्त हल्का भोजन लें, ताकि शुगर अचानक न बढ़े। दिन में नियमित रूप से ब्लड शुगर लेवल की जांच करते रहें और डॉक्टर द्वारा बताई गई दवा या इंसुलिन समय पर लें। ज्यादा देर धूप में रहने, भाग-दौड़ या अनियमित खान-पान से भी बचना जरूरी है।' *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने वाराणसी में कहा

'हिंदुत्व खतरे में है, कुछ लोग केवल ड्रेस पहनकर खुद को हिंदू बता रहे'

शंकराचार्य के खिलाफ बच्चों के यौन शोषण मामले में दर्ज हुई है एफआईआर

एजेंसी ▶▶| वाराणसी

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ बच्चों के यौन शोषण मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद प्रयागराज पुलिस पिछले 3 दिन से वाराणसी में डेरा डाले है। पुलिस उनसे पूछताछ कर सकती है, लेकिन अभी तक आश्रम नहीं पहुंची है।

सूत्रों के मुताबिक, प्रयागराज पुलिस फिलहाल शंकराचार्य से जुड़े सबूत जुटाने में लगी है। मामला हाई-प्रोफाइल होने से पुलिस फूंक-फूंककर कदम रख रही है। माना जा रहा है, पूरी तैयारी और होमवर्क के बाद ही पुलिस शंकराचार्य या उनके शिष्यों से पूछताछ करेगी। उधर, बुधवार को शंकराचार्य ने एक बार फिर मीडिया से बात की। कहा- हिंदुत्व खतरे में है। जब केवल ड्रेस पहनकर लोग खुद को हिंदू बताने लगेंगे और बार-बार हिंदू-हिंदू कहेंगे, तो हिंदू को खतरा होना स्वाभाविक है। हिंदुत्व को हिंदुओं के बीच घुस आए ऐसे लोगों से खतरा है, जो वास्तव में हिंदू नहीं हैं। दिखावे के लिए खुद को हिंदू बताते हैं। उन्होंने कहा- एक-डेढ़ महीने से कहा जा रहा है कि और भी छात्रों का यौन शोषण हुआ है। अगर ऐसा है, तो बाकी लोगों को क्यों बचाकर रखा गया है? अगर किसी के साथ अन्याय हुआ है और सिर्फ दो लोगों से मुकदमा दर्ज कराया गया है, तो इससे पता चलता है कि इसके पीछे साजिश है। जब उन्हें मुफीद होगा, तब उन्हें पेश किया जाएगा। वहीं, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस शंकराचार्य के समर्थन में उतर आई है। प्रदेश के सभी 75 जिलों में कांग्रेस उनके समर्थन में प्रदर्शन करेगी।

प्रयागराज पुलिस ने भी काशी में जमाया हुआ है डेरा

यह है मामला

प्रयागराज माघ मेले में 18 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन शंकराचार्य और प्रशासन के बीच स्नान को लेकर विवाद हुआ था, बटुकों के साथ मारपीट की गई थी। इसके 8 दिन बाद 24 जनवरी को जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष महाराज ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। इसमें माघ मेला-2026 और महाकुंभ-2025 के दौरान बच्चों से यौन शोषण के आरोप लगाए थे। पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए 8 फरवरी को स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में याचिका दाखिल की गई। 13 फरवरी को 2 बच्चों को कोर्ट में पेश किया। 21 फरवरी को उनके बयान दर्ज हुए। कोर्ट के आदेश पर उसी दिन झूंसी थाने में एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर में शंकराचार्य, उनके शिष्य मुकुंदानंद और 2-3 अज्ञात आरोपी बनाए गए। इसके बाद, 24 फरवरी को शंकराचार्य ने प्रयागराज एडिशनल कमिश्नर अजय पाल शर्मा पर साजिश रचने का आरोप लगाया। साथ ही इलाहाबाद हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की।

बटुकों से कुकर्म में कई वीआईपी भी शामिल : आशुतोष ब्रह्मचारी

प्रयागराज। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के मामले में मुकदमे के वादी आशुतोष ब्रह्मचारी ने बुधवार को और नए आरोप लगाए हैं। उन्होंने लोनिवि के निरीक्षण भवन में हुई प्रेस कांफेंन्स में कहा कि बटुकों से कुकर्म में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ कई वीआईपी लोग भी शामिल हैं, जो इसी तरह का शौक रखते हैं। इसमें उनके आश्रम का सीईओ प्रकाश उपाध्याय, बाल मुकुंदानंद, अविमुक्तेश्वरानंद का गुरुभाई अरविंद, कांग्रेस-समाजवादी पार्टी के नेता और अन्य वीआईपी शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इन सभी के खिलाफ इतने सबूत हैं कि किसी का जेल जाने से बच पाना नामुमकिन है। आशुतोष ब्रह्मचारी ने अविमुक्तेश्वरानंद को पर्दे के पीछे से सहयोग करने में उप्र के एक उप मुख्यमंत्री का प्रेस कांफ्रेंस में खुलासा किया, हालांकि उनका नाम बताने से इंकार किया।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को विदेश से फंडिंग होती : ब्रह्मचारी ने कहा कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को विदेश से फंडिंग होती है। उन्हें तो गुरु को उपाधि ही नहीं मिली है। कहा कि अविमुक्तेश्वरानंद को गिरफ्तार कर तत्काल जेल में डालना चाहिए। उन्होंने कहा, मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर में, विद्यामठ सहित अन्य स्थानों पर बटुकों से कुकर्म करते हैं। कुकर्म का गंभीर आरोप अविमुक्तेश्वरानंद के आश्रम के सीईओ प्रकाश उपाध्याय, गुरुभाई अरविंद, बालमुकुंदानंद पर भी लगाया। बताया कि विद्यामठ में स्विमिंग पूल है।

प्रोजेक्ट में देरी होने पर सीएम पति को विधायक पत्नी ने घेरा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मेघालय विधानसभा में मंगलवार को पति-पत्नी के बीच अनोखी बहस देखने को मिली। विधानसभा में बहस के दौरान एनपीपी विधायक मेंहताब चंदी ए। संगमा ने अपने पति और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा से पशुधन शिक्षा प्रोजेक्ट्स पर सवाल किया। अपनी पत्नी के सवाल पर सीएम ने भरोसा दिलाया कि इस प्रोसेस में तेजी लाई जाएगी। सदन में यह मुद्दा उठाते हुए, गैंबेग्रे के विधायक ने 2022 में कैबिनेट द्वारा पहली बार प्रस्तावित एक वेटेरिनरी कॉलेज, दो फिशरी कॉलेज और एक डेयरी कॉलेज की प्रोग्रेस पर क्लैरिटी मांगी, और राज्य भर के वेटेरिनरी ट्रेनिंग सेंटर्स में मैनपावर की कमी का भी जिक्र किया।

हिमाचल पुलिस ने दिल्ली पुलिस के 20 जवानों को लिया हिरासत में

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

हिमाचल प्रदेश की पुलिस ने दिल्ली पुलिस के क़रीब 20 जवानों को हिरासत में लिया है। हिमाचल प्रदेश पुलिस का कहना है कि दिल्ली पुलिस की टीम बगैर पूर्व सूचना के अंतर-राज्यीय गिरफ़्तारी के लिए आई थी। दरअसल, दिल्ली पुलिस ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में 'शर्टलेस' प्रदर्शन करने वाले तीन युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को शिमला के रोहड़ू से हिरासत में लिया था। लेकिन सोलन ज़िले में हिमाचल प्रदेश पुलिस ने दिल्ली पुलिस की टीम को रोककर उनके क़रीब 20 जवानों को हिरासत में ले लिया। राज्य पुलिस का कहना है कि दिल्ली पुलिस ने स्थानीय पुलिस को कोई पूर्व सूचना नहीं दी, जो अंतर-राज्यीय गिरफ़्तारी के लिए ज़रूरी प्रक्रिया है। इससे पहले सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मंगलवार को कहा, 'दिल्ली पुलिस ने हिमाचल सदन में मिडनाइट रेड की। हमारे रेज़िडेंट कमिश्नर को भी इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई। मैं इसकी निंदा करता हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह रेड दुर्भाग्यपूर्ण थी और बिना किसी वारंट के की गई. यह ग़लत है और संवैधानिक प्रक्रिया के विरुद्ध है।'

यह है मामला

गौरतलब है कि दिल्ली के भारत मंडपम में 20 फ़रवरी को एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान इंडियन यूथ कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने शर्ट उतारकर विरोध प्रदर्शन किया था। उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के ख़िलाफ़ नारे लगाए थे और प्रधानमंत्री के ख़िलाफ़ भी नारेबाजी की थी। इस मामले में अब तक आठ से अधिक यूथ कांग्रेस सदस्यों को गिरफ़्तार किया गया है, जिनमें राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब भी शामिल हैं।

स्मार्टफोन देश का अग्रणी निर्यात खंड बना: वैष्णव

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि वर्ष 2025 में देश में बने 30 अरब डॉलर मूल्य के स्मार्टफोन निर्यात किए गए और अब स्मार्टफोन भारत का शीर्ष निर्यात खंड बन चुका है। वैष्णव ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि भारत अब 'दुनिया का स्मार्टफोन विनिर्माण केंद्र' बनता जा रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी-दिसंबर, 2025 के दौरान देश का स्मार्टफोन निर्यात 30 अरब डॉलर रहा। देश में वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान करीब 5.5 लाख करोड़ रुपये (करीब 60 अरब डॉलर) के मोबाइल फोन का उत्पादन हुआ, जबकि इस दौरान निर्यात करीब दो लाख करोड़ रुपये (लगभग 22 अरब डॉलर) का रहा।

बंगाल एसआईआर : सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

एडमिट कार्ड अकेले मान्य नहीं बोर्ड की मार्कशीट भी जरूरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम स्पष्टता दी है। कोर्ट ने साफ किया है कि कागजात की जांच के दौरान कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा के एडमिट कार्ड को सिर्फ एक सहायक दस्तावेज के तौर पर देखा जाएगा। इसके साथ बोर्ड का सर्टिफिकेट लगाया जाना जरूरी है। चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की बेंच ने चुनाव आयोग के लिए पेश वरिष्ठ वकील डी एस नायडू की तरफ से उठाई गई शंका पर यह स्पष्टीकरण दिया है। नायडू का कहना था कि कोर्ट ने अपने पिछले आदेश में पहचान दस्तावेज के तौर पर आधार कार्ड और माध्यमिक बोर्ड एडमिट कार्ड के उपयोग की अनुमति दी थी। इसे लेकर भ्रम है क्योंकि चुनाव आयोग सिर्फ 10वीं के सर्टिफिकेट को बतौर दस्तावेज मान्यता देता है।

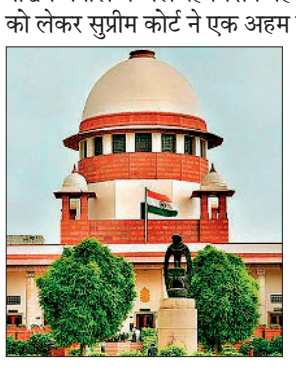

यह कहा कोर्ट ने

नायडू ने कोर्ट से पूछा कि क्या एडमिट कार्ड को अकेले पहचान दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जा सकता है। इस पर जस्टिस बागची ने कहा, 'हमने एडमिट कार्ड को भी पेश करने की अनुमति इसलिए दी क्योंकि उसमें जन्मतिथि और पिता का नाम जैसी जानकारी होती है। माध्यमिक बोर्ड की तरफ से जारी प्रमाणपत्र में यह जानकारी नहीं होती, लेकिन फिर भी एडमिट कार्ड को स्वतंत्र पहचान प्रमाण के तौर पर नहीं देखा जा सकता।'

सिम्स में मेडिकल इक्विपमेंट्स की खरीदी में लापरवाही हाईकोर्ट में चीफ सेक्रेटरी ने पेश किया शपथ पत्र

बिलासपुर। सिम्स में मेडिकल इक्विपमेंट्स की खरीदी में सीजीएमएससी की लापरवाही को लेकर बिलासपुर हाईकोर्ट चीफ जस्टिस ने स्वतः संज्ञान में लेते हुए पीआइएल के रूप में सुनवाई प्रारंभ की है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार से पूछा, कब तक टेंडर करते रहेंगे और ऐसे में स्थानीय मरीजों का इलाज कैसे होगा। सिम्स में नई मशीनों का इंस्टालेशन कब तक पूरा होगा, मशीनें कब से काम करना प्रारंभ करेगी, इन सब बातों का लेकर चीफ सिकरेट्री को शपथ पत्र के साथ जवाब पेश करने का निर्देश डिवीजन बेंच ने दिया था। बुधवार को चीफ सेक्रेटरी की ओर से शपथ पत्र पेश किया गया। मामले की अगली सुनवाई 23 मार्च को होगी।

जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान सीजीएमससी ने डिवीजन बेंच को बताया कि छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) के लिए नई मशीनों की खरीद के लिए जारी टेंडर में पांच बिडर ने हिस्सा लिा है। मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी की जा रही है। 31 उपकरणों में से सिर्फ सात मशीनों के लिए ही अब तक टेंडर क्वालीफाई हो पाया है। इसमें डिवीजन बेंच ने राज्य शासन से पूछा कि कब तक टेंडर करते रहेंगे और ऐसे में स्थानीय

कोर्ट ने पूछा- कब तक टेंडर करते रहेंगे और ऐसे में स्थानीय मरीजों का इलाज कैसे होगा

मरीजों का इलाज कैसे होगा। मशीनें जल्द से जल्द लगाकर इलाज शुरू करनी होगी।पूर्व में सुनवाई के दौरान सिम्स के डीन ने डिवीजन बेंच को जानकारी दी थी कि अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ती संख्या को देखते हुए ड्रग डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर का विस्तार किया गया है। नए काउंटर बनने से मेरीजों व परिजनों की लगने वाली कतारों का दबाव कम हुआ है। इससे मरीजों को दवाई लेने में पहले की तुलना में अब राहत मिली रही है। सिम्स ने अपनी पैथोलॉजी और लैब सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए वर्कशॉप का आयोजन भी किया था। लैब टेक्नीशियनों को सैंपल कलेक्शन, प्रोटोकॉल फॉलो करने और रिपोर्टिंग स्टैंडर्ड्स से जुड़ी ट्रेनिंग दी गई थी।

5 केटेगिरी में विभाजित की गईं मशीनें

डिवीजन बेंच को यह भी बताया गया कि अस्पताल की साफ की सफाई, सुरक्षा और इलाज की नियमित निगरानी के लिए सिम्स प्रबंधन ने एक विशेष वाट्सएप मॉनिटरिंग ग्रुप बनाया है, जिसे डीन और मेडिकल सुपरिंटेंडेंट मानिटरिंग कर रहे हैं। रात में और छुट्टियों के दिनों में सीनियर डॉक्टर अस्पताल का राउंड कर रहे हैं। सीजीएमएससी के मैनेजिंग डायरेक्टर ने डिवीजन बेंच को जानकारी दी कि मेडिकल उपकरणों की खरीद के लिए जारी टेंडर में 5 बिडर शामिल हुए हैं। मशीनों को कुल 5 कैटेगरी में विभाजित किया गया है। किसी भी कैटेगरी में कम से कम 3 बिडर होने पर ही टेंडर फाइनल किया जाएगा। यदि किसी श्रेणी में बिडर की संख्या कम हुई, तो संबंधित कैटेगरी में री-टेंडर जारी किया जाएगा।

माह खत्म होने में 3 दिन बचे, प्रदेश में अब तक 74 प्रतिशत धारकों को ही चावल वितरण, इसमें जिला रायपुर सबसे आगे

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण योजना के तहत चावल उत्सव मनाया जा रहा है। इसके तहत उचित मूल्य की दुकानों में एपीएल कार्ड धारकों को छोड़कर अन्य सभी कार्ड धारकों को दो महीने का चावल एक साथ हितग्राहियों को वितरित किया जा रहा है। चालू माह को खत्म होने में अब सिर्फ 3 दिन ही बचे हैं, लेकिन अब तक प्रदेश में 74.36 प्रतिशत कार्ड धारकों को ही चावल वितरण किया जा सका है। हालांकि चावल वितरण में 89.38 प्रतिशत के साथ रायपुर जिला प्रदेश में सबसे आगे है, वहीं धमतरी जिला 88.64 प्रतिशत के साथ दूसरे नंबर पर है। इधर माह खत्म होने के बाद छूटे हितग्राहियों को दो माह का चावल मिल पाएगा या नहीं, इसे लेकर हितग्राही जहां चिंतित हैं, वहीं दुकान संचालकों के लिए भी यह सवाल परेशानी का कारण बना हुआ है, क्योंकि अगर वे चावल वितरित नहीं कर पाएंगे, तो उनका कमीशन भी कम बनेगा। हालांकि खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की मानें, तो छूटे हुए हितग्राही आगामी माह में राशन दुकानों से चावल उठा सकेंगे। इसकी व्यवस्था की जाएगी।

प्रदेश में वैसे तो 33 जिलों में से 21 जिलों में चावल वितरण का प्रतिशत 70 प्रतिशत से अधिक है। रायपुर और धमतरी, मुंगेली, मनेंद्रनगर-चिरमिरी, कोरिया, खैरागढ़-छूईखदान, बिलासपुर, बलोदाबाजार, बालोद जैसे जिलों में

80 प्रतिशत से अधिक चावल का वितरण हो गया है, लेकिन दर्जनभर जिले ऐसे भी हैं, जहां वितरण 70 प्रतिशत से कम है। इनमें दंतेवाड़ा, बीजापुर, बस्तर, बलरामपुर,गौरेला-पेंड्रा, गोंडागांव, कोरबा, महासमुंद, सरगुजा, सुकमा, सूरजपुर शामिल है। इन जिलों में दंतेवाड़ा एवं सुकमा में 50 प्रतिशत से भी कम वितरण हुआ है।

रायपुर जिले में भी एक तारीख से लेकर 15 फरवरी तक चावल वितरण बहुत धीमी गति से जारी था। राशन दुकानों में चावल का भंडारण नहीं किए जाने के कारण हितग्राहियों को बैरंग लौटना पड़ रहा था। ट्रांसपोर्ट एजेंसियों की मनमानी और नागरिक आपूर्ति निगम के अफसरों की लापरवाही के कारण राशन दुकानों में चावल की सप्लाई नहीं हो पा रही थी। इसकी शिकायत मिलने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए विभाग के अधिकारियों को भंडारण में तेजी लाने के निर्देश दिए, साथ ही स्वयं भी राशन दुकानों का औचक निरीक्षण कर स्टॉक और वितरण की जांच कर रहे हैं। कलेक्टर की सख्ती के बाद न केवल चावल भंडारण में तेजी आई बल्कि वितरण में भी अब जिला सबसे आगे है।

छूटे हुए हितग्राहियों को अगर अगले महीने चावल वितरण नहीं हुआ तो उनका चावल लैब्स हो जाएगा। इस तरह दो माह के चावल से उन्हें वंचित होना होगा। छूटे हुए हितग्राहियों को चावल मिले। इसके लिए ईपॉस मशीन के साफ्टवेयर में बैक माह का वितरण के लिए ऑप्शन को खुला रखना होगा। यह ऑप्शन हर महीने की आखरी तारीख के बाद बंद हो जाता है।

लैप्स नहीं होगा

छूटे हुए हितग्राहियों का चावल लैप्स नहीं होगा। मार्च महीने में वे अपना चावल ले सकेंगे। इसके लिए जल्द ही अनुमति ले ली जाएगी।

- फरिहा अलाम सिद्धीकी, संचालक, खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग

25 प्रतिशत से अधिक को नहीं मिल पाया

प्रदेश में 25 प्रतिशत से अधिक कार्ड धारकों को अभी तक चावल मिल नहीं पाया है। इसके लिए मार्च महीने में भी ऑप्शन खोलना होगा, ताकि छूटे हुए हितग्राहियों को चावल मिल सके।

- नरेश बाफना, अध्यक्ष, छग पीडीएस संघ\

केवल किराया या टैक्स जमा करने पर नहीं होता कानूनी-अधिकार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने रेलवे भूमि पर कब्जा करने को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट कहा कि, बिना वैध और नवीनीकृत लीज के रेलवे की जमीन पर कब्जा रखने का कोई अधिकार नहीं है। वहीं, केवल लीज किराया या टैक्स जमा करने पर भी कब्धाधारी का जमीन पर कानूनी अधिकार नहीं बनता है। डिवीजन बेंच ने इस आधार पर दीपचंद कछवाहा की अपील को खारिज कर दी है।

दरअसल, बिलासपुर रेलवे जोनल मुख्यालय के रेलवे स्टेशन और आसपास के इलाके में डेवलपमेंट का काम चल रहा है। इसके चलते रेलवे प्रशासन ने जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ बेदखली की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई के दौरान रेलवे की जद में आने वाले मकान और दुकानों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। बिलासपुर स्टेशन के पास व्यावसाय करने वाले दीपचंद कछवाहा अनंता होटल परिसर में कारोबार करते थे। उन्होंने रेलवे के इस बेदखली की कार्रवाई को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उनकी याचिका को 15 जनवरी 2026 को हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने निराकृत कर दिया था। इसके खिलाफ डिवीजन बेंच में अपील की गई। रेलवे की ओर से डिप्टी सॉलिसिटर जनरल उपस्थित हुए। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद डिवीजन बेंच ने अपील को खारिज कर दिया है।

कोई वैध, पंजीकृत और प्रभावी लीज मौजूद नहीं

हाईकोर्ट ने पाया कि, अपीलकर्ता के पक्ष में कोई वैध, पंजीकृत और प्रभावी लीज मौजूद नहीं है। केवल लीज किराया या टैक्स जमा करने से कानूनी अधिकार नहीं बनता। लीज समाप्त होने और नवीनीकरण न होने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति अनधिकृत कब्जेदार माना जाएगा। रेलवे की भूमि का स्वामित्व केंद्र सरकार के पास है। रेलवे पर अवैध कब्जे हटाने का वैधानिक दायित्व है। हाईकोर्ट ने यह भी पाया कि, रेलवे के वाणिज्यिक विभाग में पुनर्वास या वैकल्पिक दुकान देने की कोई नीति अस्तित्व में नहीं है। रेलवे स्टेशन के विस्तार और परिचालन आवश्यकताओं के लिए भूमि की आवश्यकता होने पर रेलवे को लीज न बढ़ाने का अधिकार है।

गिग वर्कर्स की सुरक्षा पर सवाल, मंत्री बोले- राज्य केंद्र के अधिनियम का करेगा पालन

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

विधानसभा में गिग वर्कर्स की स्थिति, उनके अधिकार और राज्य स्तर पर नियम की आवश्यकता को लेकर बीजेपी विधायक अजय चंद्राकर ने सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने कहा, स्विगी, जोमैटो, ब्लिंकिट और रैपिडो जैसी कंपनियों में काम कर रहे गिग वर्करों को संगठित मजदूरों की श्रेणी में रखा जाएगा या असंगठित में। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा, राज्य में नियम भारत सरकार के अधिनियम के अधीन ही बनाए जाएंगे।

प्रश्नकाल में अजय चंद्राकर ने कहा, उन्होंने पहले भी आउटसोर्सिंग कंपनियों को लेकर सवाल उठाए थे। उस दौरान सरकार ने कहा था कि इस संबंध में कोई स्पष्ट कानून नहीं है। उनका आरोप है कि आज भी स्थिति ठीक पहले की ही तरह है। आखिर क्यों इस बारे में सरकार विचार नहीं कर रही है। गिग वर्कर मर रहे हैं और कंपनियां ऐश कर रही हैं। तेज डिलीवरी के दबाव में कई बार गिग वर्करों की जान जा रही है। मानवाधिकार संगठनों ने भी इस मुद्दे पर लगातार चिंता जताई है।

स्कूल वाहन पलटा, छात्रा की मौत, 13 बच्चे घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶। डौंडी

बालोद जिले के डौंडी क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में निजी विद्यालय के वाहन के पलटने से एक मासूम छात्रा की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य बच्चे घायल हो गए। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डौंडी में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर में संचालित आजाद पब्लिक स्कूल की छुट्टी शाम करीब 4 बजे होने के बाद स्कूल का तूफान फोर्स (सीजी 24 एल 3090) बच्चों को छोड़ने निकला था। बताया जा रहा है कि वाहन में निर्धारित क्षमता से अधिक, कुल 32 बच्चे सवार थे। भंडारीपारा, छिंदगांव और मरारटोला में कुछ बच्चों को ड्रॉप करने के बाद शेष बच्चों को आगे छोड़ने के दौरान रास्ते में पड़ने वाले एक छोटे नाले में वाहन अनियंत्रित होकर नीचे गिरकर पलट गया।

चीख-पुकार सुनकर पहुंचे ग्रामीण

हादसे के बाद बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और एक-एक कर बच्चों को वाहन से बाहर निकाला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लिम्हाटोला निवासी वेदांती साहू (07) पिता स्वर्गीय चिमनलाल नाले के पानी में मुंह के बल दबी हुई मिलीं। उन्हें तत्काल स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

पिता की भी पिछले साल हो चुकी मौत

बताया गया कि मृतका के पिता चिमनलाल की भी गत 28 जुलाई 2025 को ट्रैक्टर दुर्घटना में मृत्यु हो चुकी थी। इस दूसरी दुर्घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और माता वादिनी साहू गहरे सदमे में हैं। थाना प्रभारी उमा ठाकुर ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन को घटनास्थल से हटाया गया तथा मामले की जांच जारी है। पुलिस द्वारा लापरवाही के संबंध में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

क. 137/ विकास / 2026 रायपुर, दिनांक 24/02/2026

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के लिए विभिन्न विषयों की हिन्दी भाषा में प्रकाशित e-books की आपूर्ति हेतु केवल मूल प्रकाशकों से रूचि अभिव्यक्ति [Expression of Interest (EoI)] आमंत्रित किये जाने हेतु।

पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर की ओर से निर्माताओं तथा उनके अधिकृत विकताओं से पं. सुन्दरलाल शर्मा ग्रंथागार के लिये विभिन्न विषयों की हिन्दी भाषा में प्रकाशित e-books की आपूर्ति हेतु केवल मूल प्रकाशकों से प्रदान करने हेतु मुहरबंद रूचि अभिव्यक्ति [Expression of Interest (EoI)] आमंत्रित की जाती है। रूचि अभिव्यक्ति [Expression of Interest (EoI)] अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन प्रस्तुत कर (आयकर प्रमाण पत्र सहित) रु.1000=00 (एक हजार मात्र) का रसीद प्रस्तुत कर कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किये जा सकते हैं ₹अथवा कार्यालय की वेबसाईट Website:-www.prsu.ac.in से डाउनलोड कर सकते है। वेबसाइट से प्राप्त रूचि अभिव्यक्ति प्रपत्र रू.1000.00 का बैंक ड्राफ्ट Registrar, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur के नाम से संलग्न करने पर ही मान्य होगा।

1. निविदा बिक्री की अंतिम तिथि - 20/03/2026 समय सायं 05:00 बजे तक
2. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 23/03/2026 समय अपरान्ह 03:00 बजे तक
3. निविदा खोलने की तिथि - 23/03/2026 समय अपरान्ह 04:00 बजे
4. निविदा खुलने का स्थान - कुलपति सचिवालय सभागार, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

सं. 47003 कुलसचिव

OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in (FIRST Call)

NIT NO: 40/RMC/2026 RAIPUR DATED: 24.02.2026

Online bids are invited for the following works of works up to **19.03.2026** at 17:30 hours.

System Tender No.	Name of work	Amount of the Estimate	Cost of Tender form	Earnest Money Deposite	Eligible class of contractor / firm	Time allowed for completion
186212	Redevelopment of Mahadev Ghat, Raipur	SOR - 10.04 Crore NSOR - 7.16 Crore PAC- 17.20 Crore	20,000 /-	5,00,000 /-	"A" and Above	24 Month

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal **https://eproc.cgstate.gov.in** in from **24.02.206, 17:30 Hours** (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE:- 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal. 2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID **helpdesk.eproc@cgswan.gov.in** 3. For More Details please download NIT details.
4. Contact No. 7011421397

Dream City, Clean City, Green City

CHIEF ENGINEER
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

NAVA RAIPUR ATAL NAGAR VIKAS PRADHIKARAN

Paryavas Bhawan, North Block, Sector- 19, Nava Raipur Atal Nagar-492 002, Chhattisgarh. Tel No: +91 771 2512500; Fax No.: +91 771 2512400. Website: www.navaraipuratalnagar.com, http://eproc.cgstate.gov.in

E-Procurement Tender Notice

The Chief Executive Officer, NRANVP invites tender for following works:
NIT No.: 96/CAMC-AV/MB, IB&PB/EEE/CE/NRANVP/2025-26 Nava Raipur Atal Nagar Dist. Raipur Dated: 24/02/2026
Name of Work: Annual Operation & Comprehensive Maintenance of Audio-Visual System of Mantralaya Mahanadi Bhawan and Directorate Indrawati Bhawan at Capitol Complex, & Prayawas Bhawan Sector-19, Nava Raipur Atal Nagar, Distt.- Raipur (C.G). (1st Call)

Period of completion inc. rainy season	Estimated Cost (INR)	EMD (INR)
36 Months	64.78 Lakhs /Year (with increment of 5% per year for subsequent year).	1.30 Lakhs

Last Time & Date of Online Submission: 15:00hrs on 17.03.2026
The E-Procurement tender documents can be downloaded from the portal (Website) http://eproc.cgstate.gov.in directly and shall be submitted online on the same website only after making on payment of bid participation fees online.
Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

S-47005 Chief Engineer NRANVP

OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice
Main Portal : http://eproc. cgstate.gov.in
(Third Call)

NIT NO: 1007/SBM/2026 RAIPUR DATED : 23/02/2026

Online bids are invited for the following works of works up to 10/03/2026 at 17:30 hours.

Sr. No	System Tender No.	Name of Work/ Description of work	Probable amount of contract (In Lacs)	Class of Contractor registered in P.W.D. C.G.	Tender form	SOR Applicable
1	186211	Construction of Secondary Collection Centre (City Sanitation Waste) at Zone 02, Ganj Maidan	50.00 Lacs	"D" & Above	Form "A" &. Form B	P.W.D. Building S.O.R. 01.01.2015 & P.W.D. Electrical S.O.R. 01.06.2020 (upto date Amendment)

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of chhattisgarh. e-Procurement Portal https: //eproc.cgstate.gov.in from 24/02/2026 (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal.

Note:- (1) All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal (2) Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. ***Help Desk at Toll Free No. 18002582502*** or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in (3) For More Details please download NIT detaills.

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें

EXECUTIVE ENGINEER
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

राशिफल

मेष — धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष — वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह — सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या — किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर — व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ — मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन — परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

भूपेश ने कहा- कलेक्टर को आदेश नहीं दे सकते तो किस बात के मंत्री

रायपुर। सीएसआर मद की राशि से विकास कार्य को लेकर उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा, सीएसआर भारत सरकार के नियंत्रण में रहता है। सीएसआर में खर्च करने की प्रावधानिक प्रक्रिया है। निश्चित रूप से जनप्रतिनिधि जो-जो मांग करते हैं, उसके अनुसार कार्य पूर्ण होते हैं। सीएसआर मद का पैसा क्षेत्र के विकास में खर्च किया जाता है। सीएसआर मद का औद्योगिक घराने या फिर किसी काम के लिए कलेक्टर की अनुशंसा पर भी काम होता है। मैं निर्देश नहीं दे सकता। उन्होंने विधायक से कहा, कलेक्टर के साथ बैठ जाएं। मंत्री के जवाब पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने टिप्पणी की, मंत्री ने विधायक से कहा कलेक्टर को मैं निर्देश नहीं दे सकता और कलेक्टर के साथ बैठ जाइए।

शब्द पहेली - 6150

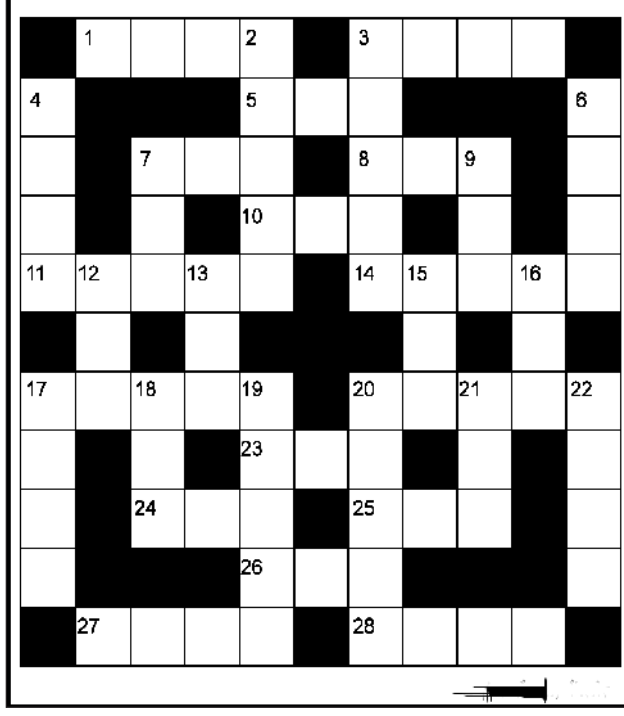

बाएँ से दाए-
1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे
2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली -6149 का हल

सूडोकु नवताल- 6160

★★★✬☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6159 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

आज जिम्बाब्वे से आर-पार की जंग, भारत के टॉप ऑर्डर को दिखाना होगा दम

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

शीर्षक्रम की नाकामी और पिछली हार के बाद भारी दबाव से जूझ रही गत चैंपियन भारतीय टीम को 'जाइंट किलर' जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के 'करो या मरो' के मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दक्षिण अफ्रीका से रविवार को 76 रन से हार के बाद भारत का नेट रनरेट (माइनस 3.80) खराब हो गया है, जिससे सेमीफाइनल की उम्मीद बनाए रखने के लिए यह मुकाबला हर हालत में बड़े अंतर से जीतना होगा। इसके लिए पारी की शुरुआत और तीसरे नंबर की समस्या से पार पाना होगा।

अभिषेक ने खोई लय

विश्व कप से पहले सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ईशान किशन शानदार फॉर्म में थे, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ उम्दा प्रदर्शन किया था। लेकिन पेट के संक्रमण के बाद से अभिषेक की लय खो गई है। सपाट पिचों पर आफ स्पिनरों के सामने वह अपने पसंदीदा शॉट नहीं खेल पा रहे हैं, जिसका भारत को नुकसान हो रहा है। इस टूर्नामेंट में चार मैचों में वह 15 रन ही बना सके हैं जबकि उनका स्ट्राइक रेट 75 और औसत 3.75 रहा। सवाल यह है कि आक्रामक बल्लेबाजी की स्वाभाविक शैली को तिलांजलि देकर क्या वह कुछ रन बना सकेंगे।

जाइंट किलर और डिफेंडिंग चैंपियन के बीच कांटे का मुकाबला शाम 7 बजे से

दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद भारत का नेट रनरेट खराब

तिलक को करना होगा प्रदर्शन में सुधार

तिलक वर्मा को भी अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। अभिषेक के खराब फॉर्म के कारण तिलक को ईशान का बखूबी साथ देना चाहिए था लेकिन ऐसा हुआ नहीं। ईशान 193 के स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं लेकिन दूसरे छोर से उन्हें साथ नहीं मिल पा रहा। सूर्यकुमार यादव ने 180 रन बनाए हैं लेकिन उनका स्ट्राइक रेट 127 रहा है, जो उनके टी20 कैरियर के 161 के स्ट्राइक रेट से काफी कम है, जिससे ईशान पर काफी दबाव बन गया है।शिवम दुबे और हार्दिक पंड्या निचले क्रम पर आक्रामक पारियां नहीं खेलते तो कुछ मैचों में तो भारत का स्कोर सम्मानजनक भी नहीं रहता। बाएं हाथ के तीन बल्लेबाजों ईशान, अभिषेक और तिलक के सामने विरोधी टीमों ने पावरप्ले में आफ स्पिनरों का उपयोग किया है।

शीर्ष तीन में सैमसन को शामिल करने की संभावना

शीर्ष तीन में दाहिने हाथ के बल्लेबाज संजू सैमसन को शामिल करने की संभावना है हालांकि वह खुद बहुत अच्छे फॉर्म में नहीं हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन सूर्यकुमार को तीसरे और तिलक को चौथे नंबर पर उतार सकता है । वैसे चेपॉक की पिच से उन्हें काफी मदद मिल सकती है। जिम्बाब्वे के पास उतना खतरनाक स्पिन आक्रमण भी नहीं है, जिसका अभी तक भारत ने सामना किया है। तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी , रिचर्ड एनगारावा और ब्राड इवांस से कड़ी चुनौती मिल सकती है।

टीमें इस प्रकार

भारत : सुयकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह।

जिम्बाब्वे : सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्ज़ा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड एनगारवा।

मैच का समय : शाम 7 बजे से।

खबर संक्षेप

अहमदाबाद की पिच हर बार अलग होती है : महाराज

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीका को टी20 विश्व कप के अपने अधिकतर मैच नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेलने को मिल रहे हैं लेकिन उसके बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज का मानना है कि इससे उनकी टीम को खास फायदा नहीं मिल रहा है क्योंकि हर बार परिस्थितियां अलग होती हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम गुरुवार को सुपर आठ के मुकाबले में वेस्टइंडीज का सामना करेगा। उसने भारत के खिलाफ सुपर आठ का मैच भी इसी मैदान पर खेला था। ग्रुप चरण में उसने यहां तीन मैच खेले थे। महाराज ने कहा, 'यात्रा नहीं करना अच्छा है लेकिन पिच के लिहाज से हर मैच बहुत अलग रहा है। हमने यहां जो चार मैच खेले हैं उनमें परिस्थितियां लगातार बदलती रही हैं। मुझे नहीं लगता है कि इससे हमें बड़ा फायदा मिल रहा है। हमारे लिए महत्वपूर्ण यह है कि हम जल्द से जल्द परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाकर अपने प्रदर्शन पर ध्यान दें।'

भारत को रणनीति पर विचार करना होगा: शास्त्री

चेन्नई। पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर आठ चरण के पहले मुकाबले में मिली हार भारत के लिए खतरे की घंटी रही है और अब उसे टीम संयोजन पर पुनर्विचार करना होगा। शास्त्री ने

कहा,' आपने लगातार 12 मैच जीते तो एक खराब दिन तो आना ही है। लेकिन मुझे खुशी है कि यह जल्दी आ गया। यह भारत के लिए जरूरी खतरे की घंटी रहा। इससे अब टीम को रणनीति और संयोजन पर फिर से विचार करना होगा।' उन्होंने कहा,' उन्होंने पिछले अनुभव से सबक ले लिया होगा कि चीजों को हलके में नहीं लेना है। एक और मैच हारने से काफी दबाव बन जाएगा।' शास्त्री ने भारतीय टीम को अतिरिक्त स्पिनर लेकर उतरने की सलाह दी। उन्होंने कहा,' अक्षर पटेल को वापिस लाना ही होगा।

ब्रूक ने अपने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली : अफरीदी

पाल्लेकल। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने शानदार शतक लगाकर इंग्लैंड को टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में ले जाने वाले कप्तान हैरी ब्रूक की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 61 रन से हराया, 3 अंको के साथ ग्रुप में दूसरे पायदान पर

न्यूजीलैंड ने सुपर-8 में खोला जीत का खाता, श्रीलंका खिताबी रेस से बाहर, सेंटनर और रचिन चमके

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका के खिलाफ आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 मुकाबले में 61 रन से जीत दर्ज की। इस हार के साथ श्रीलंकाई टीम खिताबी रेस से बाहर हो गई है। श्रीलंका ने सुपर-8 के अपने शुरुआती दोनों मैच गंवाए। न्यूजीलैंड की टीम 2 मुकाबलों में 3 प्वाइंट्स के साथ दूसरे पायदान पर मौजूद है। सुपर 8 में यह कीवी टीम की पहली जीत है।

बुधवार को खेले गए मैच में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने 7 विकेट खोकर 168 रन बनाए। टिम सीफर्ट ने फिन एलन के साथ 30 रन की साझेदारी की। एलन 23 रन, जबकि सीफर्ट 8 रन बनाकर पवेलियन लौटे। ग्लेन फिलिप्स ने रचिन रवींद्र के साथ तीसरे विकेट के लिए 41 रन जोड़े। रचिन 22 गेंदों में 4 बाउंड्री के साथ 32 रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड ने 84 के स्कोर तक अपने 6 विकेट खो दिए थे। इसके बाद कप्तान मिचेल सेंटनर (47) ने कोल मैककोन्ची (नाबाद 31) के साथ सातवें विकेट के लिए 47 गेंदों में 84 रन जोड़ते हुए टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचा दिया।

सिर्फ 107 रन ही बना सकी श्रीलंकाई टीम

श्रीलंकाई टीम निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर सिर्फ 107 रन ही बना सकी। श्रीलंका को पहली ही गेंद पर पथुम निसांका (0) के रूप में झटका लगा। इसके बाद टीम ने 6 के स्कोर पर चरिथ असलांका (5) का विकेट भी खो दिया। रत्नायके ने 10 रन का योगदान टीम के खाते में दिया, जबकि मेंडिस ने 31 रन की पारी खेली। डुनिथ वेललेज ने 29 रन जोड़े, लेकिन श्रीलंका को शर्मनाक हार से बचा नहीं सके। न्यूजीलैंड की तरफ से 'प्लेयर ऑफ द मैच' रचिन रवींद्र ने 27 रन देकर 4 विकेट हासिल किए, जबकि मैट हैनरी ने 2 विकेट निकाले। 1 सफलता कप्तान सेंटनर के हाथ लगी।

न्यूजीलैंड ने बढ़ाया सेफा की तरफ कदम

न्यूजीलैंड की यह सुपर-8 में पहली जीत है। इससे पहले कीवी टीम का बारिश के कारण मैच बेनतीजा रहा था। 3 अंको के साथ कीवी टीम अपने ग्रुप में फिलहाल दूसरे पायदान पर है। न्यूजीलैंड टीम ने सेमीफाइनल की तरफ कदम बढ़ाया है। वहीं सुपर-8 ग्रुप-2 में यह श्रीलंका की लगातार दूसरी हार है। रेस से बाहर हो चुकी श्रीलंका को अपने आखिरी मैच में 28 फरवरी को पाकिस्तान से भिड़ना है।

न्यूजीलैंड ने आखिर चार ओवर में बनाए 70 रन

न्यूजीलैंड ने अपनी पारी के 17वें ओवर में 18 रन बनाए। इसके बाद 18वें ओवर में 21 रन ठोक दिए। 19वें ओवर में 19 रन आए और 20वें ओवर में कुल मिलाकर 12 रन आए। यानी न्यूजीलैंड ने आखिरी चार ओवर में 70 रन ठोक दिए। यानी जो टीम 98 रन बनाकर संघर्ष कर रही थी, उसने 20 ओवर खत्म होते होते 168 रन बना दिए।

सेंटनर और मैककोन्ची ने की 7वें विकेट के लिए बड़ी पार्टनरशिप : जब न्यूजीलैंड की टीम संकट में थी, तब कप्तान मिचेल सेंटनर और कोल मैककोन्ची ने मोर्चा संभाला।

बुमराह, बॉश और फोर्ड की लंबी छलांग, वरुण नंबर एक पर काबिज

एजेंसी ▶▶| दुबई

टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 मुकाबलों के बीच आईसीसी ने टी20 रैंकिंग जारी की है। ताजा रैंकिंग में भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पहले स्थान पर बने हुए हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश, वेस्टइंडीज के मैथ्यू फोर्ड और भारत के जसप्रीत बुमराह ने लंबी छलांग लगाई है।

ताजा रैंकिंग में अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान दूसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश ने 21 स्थान की छलांग लगाते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद चौथे स्थान पर हैं। पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद को दो स्थान का नुकसान हुआ है। अबरार पांचवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जांपा ने 2 स्थान की छलांग लगाते हुए छठा स्थान हासिल किया है।

वेस्टइंडीज के मैथ्यू फोर्ड ने भी बड़ी छलांग लगाई है। फोर्ड ने 23 स्थान की छलांग लगाते हुए शीर्ष 10 में एंट्री की है और सातवां स्थान हासिल किया है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की थी। उस प्रदर्शन के आधार पर बुमराह की भी एंट्री भी शीर्ष 10 में हो गई है।

एफआईएच प्रो लीग : टूटा भारत की हार का सिलसिला पेनल्टी शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया

एजेंसी ▶▶| होबार्ट

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने विश्व में तीसरे नंबर की टीम ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर एफआईएच प्रो लीग में लंबे समय से चले आ रहे हार के सिलसिले को खत्म कर दिया। दोनों टीमें निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थीं। इस जीत से भारत का प्रो लीग के अगले चरण से पहले मनोबल बढ़ेगा।

भारत ने हासिल किए दो अंक

इसके बाद दोनों टीमों ने निर्णायक गोल करने की पूरी कोशिश की लेकिन असफल रहीं और मैच शूटआउट में चला गया, जहां भारत ने जीत दर्ज करके दो अंक हासिल किए जबकि ऑस्ट्रेलिया को एक अंक मिला। भारत की तरफ से शूटआउट में लाकड़ा, मनिंदर सिंह और विष्णुकांत सिंह ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एकमात्र गोल हेवर्ड ने किया। भारतीय गोलकीपर मोहित शशिकुमार होन्नेनहल्ली ने ऑस्ट्रेलिया के बाकी खिलाड़ियों के शॉट रोककर जीत में अहम भूमिका निभाई।

47 प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय जज कोर्स में लिया भाग

नई दिल्ली। कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में बुधवार को समाप्त हुए राष्ट्रीय जज कोर्स में रिकॉर्ड 47 प्रतिभागियों ने भाग लिया। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के तत्वावधान में आयोजित किया गया यह कोर्स 21 फरवरी को शुरू हुआ था। एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार सिंह ने कहा कि पांच दिवसीय कार्यक्रम में प्रतिभागियों को आईएसएसएफ के नियमों, रेंज प्रबंधन, स्कोरिंग प्रोटोकॉल आदि के बारे में बताया गया। उन्होंने कहा, ''इस कोर्स में रिकॉर्ड प्रतिभागियों की उपस्थिति से भारतीय निशानेबाजी में निष्पक्षता और उत्कृष्टता सुनिश्चित करने वाले कुशल जज का मजबूत समूह तैयार करने के लिए एनआरएआई की प्रतिबद्धता का पता चलता है।

चीटिंग पर हंगामा बेवजह शतरंज उतना प्रभावित नहीं

प्राग। विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने साफ तौर पर कहा है कि शतरंज में बेईमानी की समस्या उतनी बड़ी नहीं है जितनी उसे पेश किया जा रहा है। गुकेश आनलाइन खेल को प्रभावित करने वाले बेईमानी के खतरे के खिलाफ रूसी ग्रैंडमास्टर व्लादीमिर क्रामनिक की विवादास्पद मुहिम के पक्षधर भी नहीं हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् बांकीमोंगरा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

क्रमांक /346/ न.पा.प./निर्माण/2025-26 बांकीमोंगरा, दिनांक :-25.02.2026

"मैनुअल निविदा निरस्तीकरण सूचना"

कार्या. पत्र क्रमांक/317/ न0पा0प0/ निर्माण/2025-26 दिनांक 20.02.2026 के द्वारा विभिन्न विकास कार्यों का मैनुअल पद्धति से निविदा आमंत्रित किया गया है। उपरोक्त निविदा के सरल क्रमांक 01 से 04 तक के कार्यों को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता हैं। अन्य कार्य एवं नियम, शर्ते यथावत रहेगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् बांकीमोंगरा

कार्यालय नगर पालिका परिषद कटघोरा, जिला - कोरबा (छ.ग.)

क्र. 346 / तक. शा. /न.पा.प./2025-26 कटघोरा, दिनांक 24/2/26

मेन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना

अधोसंरचना मद 2025-26 से नगर पालिका कटघोरा द्वारा नीचे वर्णित कार्य हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा प्रचलित एस.ओ.आर. (Building Sor 01.01.2015) से प्रभावशील दर अनुसूची पर (निविदा खोलने के दिनांक तक समस्त संशोधनो के साथ) कम अधिक या समान दर पर निविदा प्रपत्र 'अ' पर त्रिलिफाफा पद्धति से पंजीकृत डाक/स्पीडपोस्ट द्वारा अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि - 17.03.2026 कार्यालयीन समय 5.30 बजे
2. आवेदन परीक्षण उपरांत निविदा प्रपत्र जारी करने की तिथि - 20.03.2026 कार्यालयीन समय 5.30 बजे
3. पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट से निविदा पहुंचने की अंतिम तिथि - 23.03.2026 कार्यालयीन समय 5.30 बजे
4. निविदा खोलने की तिथि - 24.03.2026 कार्यालयीन समय 12.00 बजे

क्र	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख रू.)	अमानत राशि (टी.डी.आर)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि
1	वार्ड क्र. 15 शंकर घर से अशोक मिंज घर तक नाली निर्माण कार्य	3.85	2888/-	750/-	02 माह
2	वार्ड क्र. 04 स्कूल से आंगनबाड़ी तक आर.सी.सी. नाली एवं स्लेब निर्माण कार्य	1.10	825/-	300/-	02 माह

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते एवंअन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से या छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास के वेब साईट www.uad.cg.gov.in डाउनलोड किया जा सकता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद कटघोरा

कार्यालय नगर पालिका परिषद, जांजगीर-नैला, जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

क्रमांक /3239/ निविदा/न.पा.प./ लो.नि.वि./2025-26 जांजगीर-नैला, दिनांक 25/02/26

मैनुअल पद्धति से निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी (D and Above) में जीवित पंजीकृत ठेकेदारों से नगर पालिका परिषद जांजगीर-नैला क्षेत्रांतर्गत विकास कार्यों के लिए त्रिलिफाफा पद्धति में पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट से मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है।

01. निर्माण कार्यों हेतु केवल टी.डी.आर/एफ.डी.आर, डिमाण्ड ड्राफ्ट व चाहे गये दस्तावेजों सहित निविदा फार्म त्रिलिफाफा पद्धति में दिनांक 18/03/2026 को समय दोपहर 3:00 बजे तक प्राप्त होने पर उसी दिवस को निविदा शाम 04.00 बजे से खोला जावेगा।

02. अमानत राशि एवं निविदा शुल्क निम्नानुसार देय होगा :-

क्र	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	वार्ड क्र 01 में के.के. फेब्रिकेशन के सामने चबूतरा निर्माण कार्य (पार्षद निधि)	3.78	2835.00	750.00	कार्यादेश प्रदाय तिथि से 03 माह
2	वार्ड क्र 08 में चौपाटी के पीछे छोटा गार्डन निर्माण कार्य (पार्षद निधि)	5.29	3968.00	750.00	कार्यादेश प्रदाय तिथि से 03 माह

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

// जल बचायें भविष्य बचायें //
// प्लास्टिक कैरी बैग का उपयोग ना करें //
// अपने आस पड़ोस को स्वच्छ रखें //

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद जांजगीर-नैला

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट आरएफपी सूचना

क्र. 1495/ज.प्र./2026 दिनांक 19.02.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु शेडयूल अनुसार लमसम दरों पर E-tendering के माध्यम से आर.एफ.पी. आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	Construction, Testing, Commissioning of all the Components of Improvement to Korba Water Supply Scheme with 03 Months Trial Run and 09 Months O & M. (DMF Fund) (1st Call)	2943.87	18.03.2026 (T.No. 185944)

उपरोक्त कार्यों की आरएफपी की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in एवं www.korba.urbanecg.gov.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।।

अधीक्षण अभियंता
नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER (CIVIL) AU & PC, CSPGCL,
Shed No. 2, Dangania, Raipur-492013 Phone No. 0771-2576320 & 0771-2576324, website :www.cspc.co.in E-mail:- cecivil.aupc@gmail.com

No. 03-15/W/1665 Raipur, date: 20.02.2026

E-TENDER NOTICE

Online bids are invited through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from eligible bidders fulfilling the eligibility criteria as mentioned below and having experience in Govt./Public Sector Undertaking/Local bodies/Power Generating Companies in India only for the following work :-

Sl. No.	Tender Specification No.	Description	NIT value i/c GST (Rs.)	EMD (Rs.)	Completion period (incl. Rainy season)	Rfx No.
1	CEC/AU&PC/ABV TPS-MRW/ W/2025/ 122	Construction of balance portion of ash dyke of 2x500 MW ABVTPS, CSPGCL, Marwa	152.03 Lacs	1,52,100/-	04 Months	81000 49284

Cost of tender form is Rs. 1180/- (Rs.1000/- + 18% GST). The due date & time for submission of bids, Tender Cost & EMD is 09.03.2026 (up to 15:00 Hrs) and bid opening date (Techno commercial bids) is 11.03.2026 (up to 16:00) Hrs respectively. The tender document can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal https://ebidding.cspcl.co.in: 50724/irj /portal.
Note:- (i) In case, the rate quoted by the bidder is on abnormally lower side, a performance guarantee @5% of contract value i/c GST in addition to Security Deposit shall have to be deposited by the bidder.(ii) Maintenance period for the work shall be 12 months.

Chief Engineer (Civil) AU & PC,
CSPGCL, Raipur

//Save Electricity//

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in KORBA

NIT No:- 332/2026 Dated: 21.02.2026

SN	System Tender No.	Name of Work/Description of Work	Probable Amount of Contract
1.	186083 (1st Call)	Construction for Gaurav Path Four lane B.T. Road From CSEB Chowk to Jain Chowk to ITI Chowk to Kosabadi Chowk in Korba (C.G.)	Rs. 3356.30 Lakh

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh http://eproc.cgstate.gov.in from 21.02.2026 at 15.30 Hours. (IST) onwards.

Commissioner
Municipal Corporation,
Korba (C.G.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद् गंजबासौदा

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

क्र/PWD/2026/1015 गंजबासौदा दिनांक 24/02/2026

नगर पालिका परिषद् गंजबासौदा द्वारा निम्न कार्य हेतु ई-निविदा का आमंत्रण किया गया है जिसका विवरण निम्नानुसार है-

ई-निविदा क्र.	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत	अमानत राशि	ई-निविदा प्रपत्र का मूल्य	ई-निविदा क्रय अंतिम दिनांक
2026_UAD_484246_1	Interception and diversion of Nallahs with STP works project of Ganjbasoda Town under SBM 2.0	19,36,31,000.00	968155.00	30000.00	09.03.2026

निविदा प्रपत्र क्रय, डाउनलोड, करने एवं निविदा से संबंधित समस्त शर्तें एवं जानकारी mptenders.gov.in से एवं नगर पालिका परिषद् गंजबासौदा की लोनिवि शाखा से प्राप्त की जा सकती हैं। इसके बाद किसी प्रकार का संशोधन होने पर बेवसाईट पर या कार्यालय से जानकारी प्राप्त होगी संशोधन का प्रकाशन समाचार पत्र में नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद गंजबासौदा

प्रथम पृष्ठ का शेष

शुरुआत इसी बात...

विषय को मैं एक्सप्लेन करना चाहूंगा। ज्ञान तो हमेशा किसी भी समाज के लिए, किसी भी राष्ट्र के लिए सबसे मूल तत्व है। गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी, हम जितने लोकतांत्रिक राज्य हैं, वो सब इनके समाज के इन प्रमुख वर्गों के लिए समर्पित होकर हम काम करते हैं, ये मोदी जी की सोच है।

वित्त मंत्री ने आगे कहा कि दूसरे बजट में हम आए तो ज्ञान का वेलफेयर हमको करना है, ज्ञान का कल्याण हमको करना है, उसके लिए वेलफेयर स्कीम्स लानी हैं, तो इकोनॉमिक ग्रोथ इक्वली इम्पॉर्टेंट होता है। इकोनॉमिक ग्रोथ नहीं रहेगा तो रेवेन्यू नहीं आएगा, रेवेन्यू नहीं आएगा तो हम गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी के लिए जो योजनाएं चला रहे हैं वो सस्टेनेबल तरीके से नहीं चला सकते।

ज्ञान की नींव,...

कि किसी भी लोकतंत्र में समाज के आखिरी छोर पर खड़े व्यक्ति के लिए हमको काम करना लोकतांत्रिक दायित्व है। मैं ये जरूर कहना चाहूंगा कि उसके साथ हमने रिफॉर्म की गाड़ी को बहुत तेजी से आगे बढ़ाया है। जैसे ही हमारी सरकार बनी थी विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में, हमने रिफॉर्म एक्सप्रेस को मोदी जी से प्रेरणा लेते हुए हमने तेजी से आगे बढ़ाने का काम किया, उसके कारण हमारी आय में भी अच्छी तरीके से वृद्धि हुई है। हमारी इकोनॉमिक ग्रोथ भी राष्ट्रीय औसत से लगातार हर साल दर साल हमारी सरकार आने के बाद भी बनी हुई है और इसके कारण से रेवेन्यू भी जनरेट हो रहा है। हम हमारे जीएसडीपी के 3 प्रतिशत के अंदर रखने में पूरी तरह से सफल हैं। और ऐसा है कि कोई भी राज्य कितना भी उधार लेना चाहे ले सकता है, उसकी सीमा है, उस सीमा का हम बखूबी पालन कर रहे हैं और हम 3 प्रतिशत जीएसडीपी के अंदर में ही लोन ले रहे हैं। और किसी भी एक विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए अधिकाधिक कैपिटल जुटाना भले ही वो ऋण से ही क्यों ना हो, वो जरूरी होता है और उसका बेहतर उपयोग करना उससे भी ज्यादा जरूरी होता है।

वित्तीय- फाइनेंसियल पैरामीटर्स पर हम बहुत अच्छी स्थिति में-
आप कांग्रेस शासित राज्यों को उठा लीजिए, चाहे हिमाचल प्रदेश हो, चाहे कर्नाटक हो, चाहे आम आदमी पार्टी द्वारा चलाई जा रही पंजाब हो, वहां पर तो ये हालात हैं कि कहीं पर एक तारीख को तनख्वाह नहीं मिल पा रहा है, 10-15 तारीख तक अलग-अलग टुकड़ों में कुछ लोगों को मिल रहा है।

0 एक जो महत्वपूर्ण विषय पर ओपी भाई आपसे जानना है, वो है बस्तर के संदर्भ में। बस्तर के संदर्भ में लगभग हर राजनीतिक या सामाजिक मंच पर ये बात होती थी कि नक्सलवाद के चलते ये इलाका विकास की दृष्टि से पिछड़ा रह गया। जो काम बाकी राज्य में हुआ, इस इलाके में नहीं हो पा रहा था। अब जब अमित शाह के संकल्प के तहत, मोदी सरकार के संकल्प के तहत और आपकी कोशिशों के तहत भी अगर मानें, तो नक्सल मुक्ति के संदर्भ में संभावनाएं स्पष्ट दिख रही हैं। तो क्या आप इसके लिए वैसी राशि का प्रावधान कर पाए जो दशकों से विकास से पिछड़ा है, उसके लिए 50, 100, 200, 500 करोड़ से काम बन जाएगा या आप मानते हैं कि इसके लिए और राशि की जरूरत थी पर आपके हाथ तंग थे, आप उतनी राशि नहीं निकाल पाए? थोड़ा बताएंगे?

00 इस संदर्भ में हमने संकल्प की जो हमारी अवधारणा थी इस बजट में, उसमें एस का अर्थ समावेशी विकास है और समावेशी विकास की जब हम बात करते हैं तो समाज के आखिरी पंक्ति पर खड़े अंत्योदय जो लोग हैं, उनके विकास के साथ-साथ क्षेत्रीय असंतुलन कोई भी बन रहा हो दशकों से अगर बन रहा हो, तो उसको भी दूर करना समावेशी विकास का एक महत्वपूर्ण पैमाना हम मानकर इस बजट को तैयार किए हैं। और हमने सरगुजा अंचल और बस्तर अंचल पर विशेष जोर दिया है और पूरे बजट भाषण के शुरुआती आधा घंटा, 20-25 मिनट तक आपने सरगुजा और बस्तर से प्रावधानों को विस्तार से सुना भी होगा।

0 बार-बार आप सड़कों का जिक्र कर रहे हैं। ऐसा तो नहीं कि हम लोगों की सराहना के लिए घोषणाएं कर देते हैं, जमीन पर काम नहीं कर पाते? इस बार भी आपने लोक निर्माण विभाग को पीडब्ल्यूडी जिसे कहते हैं, तकरीबन 9 हजार 500 करोड़ से ज्यादा का प्रावधान करके बजट में दिया है। पिछली बार यह राशि तकरीबन 10 हजार करोड़ के रूप में थी। पर हमने राशि का आंकड़ा निकाला था, 10 हजार करोड़ के मुकाबले बामुश्किल 27 प्रतिशत राशि पीडब्ल्यूडी ने खर्च की है। फिर भी आप इस बार भी उदार हैं, 10 हजार करोड़ के करीब राशि दे रहे हैं। इसलिए दे रहे हैं कि खर्च तो यह करेंगे नहीं, तो डाल दो बजट में? या इस बार सरकार यह पैसा खर्च हो, सड़कें केवल प्रावधान में न रहें, पुल प्रावधान में न रहें, बिल्डिंग प्रावधान में न रहें, बल्कि जमीन पर दिखाई भी दे जाए, इसके लिए भी कुछ कर रहे हैं?

00 मैं स्पष्ट करना चाहूँगा कि जो कैपेक्स करने वाले हमारे विभाग हैं, उनमें कई समस्याएं वर्षों-दशकों से हैं। उसको हमारी सरकार अभी ठीक करने के लिए पूरा प्रयास कर रही है और इसमें तेजी से सुधार भी हो रहा है। और बहुत अच्छी-अच्छी चीजें लेकर के आ रहे हैं। चाहे कैपेक्स से संबंधित पीडब्ल्यूडी विभाग हो, चाहे पीएचई विभाग हो, या इरिगेशन विभाग हो, या एनआरडीए हो, इन सब में भी हमने नए इंजीनियर्स की, नए लोगों की भर्ती के भी बहुत सारे परमिशन दिए हैं। अभी बहुत पिछले 6-8 महीने में बहुत सारे कामों के (प्रशासकीय स्वीकृति) विभाग ने लिए हैं और उससे टेंडर प्रक्रिया पूर्ण करके बहुत तेजी से काम होगा, इसको आप धरातल पर होता हुआ जरूर देखें।

0 हम राजस्व प्राप्ति की बात कर रहे थे, अभी जीएसटी रेवोल्यूशन हुआ देश में मोदी सरकार के द्वारा। बड़े स्तर पर जीएसटी दरों की कटौती की गई। जिस जीएसटी काउंसिल में यह फैसले लिए गए थे, उसका तो आप भी हिस्सा थे। अब वहाँ पर तो फैसले ले लिए गए पर उसका नुकसान राज्य को कितना हो रहा है? बतौर वित्त मंत्री छत्तीसगढ़, कितने बड़े नुकसान से आप गुजर रहे हैं जीएसटी दरों में कटौती को लेकर, कमी को लेकर? या कुछ और है आंकड़ा? थोड़ा इस पर भी बताएंगे हमें?

00 सबसे पहले तो मैं स्पष्ट करना चाहूँगा कि 'नुकसान' शब्द जो है, टैक्स अगर कोई भी सरकार कम करती है, तो उससे नुकसान शब्द से मैं डिसएग्री (असहमत) करता हूँ आर्थिक रूप से, अर्थव्यवस्था की दृष्टि से। ओवरऑल इकॉनमी में अगर हम कोई टैक्स इम्पोज करते हैं, तो जनता के जेब का पैसा सरकार के खजाने में आता है। और टैक्स की रेट में जैसे कमी करते हैं, जैसे जीएसटी 2.0 के माध्यम से नरेंद्र मोदी ने किया या 12 लाख रुपए तक इनकम टैक्स में जो छूट देने का जो प्रावधान किया, उससे सरकार के खजाने में पैसा न आकर लोगों के जेब में आता है। तो ओवरऑल अर्थव्यवस्था में या तो सरकार के खजाने में पैसा रहता है या लोगों की जेब में पैसा रहता है।

0 जब आपने अपना पहला बजट दिया था, वह 1 लाख 37 हजार करोड़ का था। ओपी चौधरी जब दूसरा बजट लेकर आए, तो वह 1 लाख 65 हजार करोड़ का था। मतलब एक बड़ी उछाल बजट में देखने को मिली थी। लेकिन तीसरा बजट 1 लाख 65 हजार 1लाख 72 हजार करोड़ तक आया। तो कहाँ ठहर गए हम? कहाँ रुक गए? या कुछ और पहलू है जिसे आप हमारे साथ साझा करना चाहें?

00 मैं पहले बताना चाहूँगा कि जब कांग्रेस की सरकार गई थी, तो उन्होंने बहुत सारे जगहों में 'कचरा' छोड़ कर गए थे फाइनेंसियल दृष्टि से मैं कहूँ तो। तो चाहे पहले साल का बजट हो या दूसरे साल का बजट हो, उसमें बहुत सारा हमारा जो रिसोर्सेज है, बहुत सारे जो लोन लेने पड़े, जो भी रिसोर्सेज थे, वह उनके 'क्लीनिंग' में लग गए। चाहे मैं अलग-अलग जो संस्थान थे,चाहे मार्कफेड हो, चाहे नागरिक आपूर्ति निगम हो, चाहे छत्तीसगढ़ आयुष्मान भारत का पैसा हो, चाहे इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड का पैसा हो, रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन का पैसा हो, पुलिस हाउसिंग बोर्ड का पैसा हो, यह छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड का पैसा हो—इन सबके अकाउंट्स में ये बड़े मात्रा में देनदारी या लोन छोड़ कर चले गए थे, जो सरकार के लिए ही काम किए थे ये संस्थान और ये संस्थान मृतप्राय होने की स्थिति में पहुँच गए थे। एक फिगर देना चाहूँगा मैं, 39 हजार करोड़ की देनदारी ये विभिन्न संस्थानों में छोड़ कर गए थे। यह लोन इतना लिए, उतना लिए की जो बातें करते हैं, उसमें 39 हजार करोड़ अकाउंटेड नहीं था, उस अकाउंट की क्लीनिंग में हमको पहले साल के बजट में, दूसरे साल के बजट में बहुत पैसा लगाना पड़ गया। और 1 लाख 72 हजार (करोड़) जो अभी पैसा आया है, उसमें हमने मैक्सिमम चीजों को क्लीन कर लिया है, इसलिए 1 लाख 72 हजार करोड़ का जो एक्चुअल इम्पैक्ट है—चाहे वह इंफ्रास्ट्रक्चर के पॉइंट ऑफ व्यू से हो या जनकल्याण के पॉइंट ऑफ व्यू से हो या हेल्थ, एजुकेशन में जो इनिशिएटिव हों या मुख्यमंत्री मिशन में आपने देखा होगा कि पाँच बड़े मिशन हमने लॉन्च किए—उन सब में हम ज्यादा अच्छे तरीके से खर्च कर पाएंगे। तो यह साइज उतना बढ़ा हुआ न दिख रहा हो, तो यह साइज उतना बढ़ा हुआ न दिख रहा हो, लेकिन बजट की जो गुणवत्ता है, जो 'क्वालिटी ऑफ बजट' है और 'क्वालिटी ऑफ एक्सपेंडिचर' है, वह बहुत ही उत्कृष्ट श्रेणी की इस बजट में रहने वाली है।

इजरायल की संसद...

की नौ वर्षों में इजरायल की यह दूसरी यात्रा है। जुलाई 2017 में इस देश की उनकी पहली यात्रा के दौरान भारत-इजरायल संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर ले जाया गया था। इजराइल के प्रधानमंत्री ने कहा, इजराइल में आपका स्वागत करना हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है, प्रधानमंत्री मोदी। नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से गले लगाकर अभिवादन किया।

ईमेल पर छत्तीसगढ़ ...

की टीम मौके पर पहुंची। टीमों ने हाईकोर्ट परिसर की सघन जांच की। जिले के पुलिस कप्तान एसएसपी रजनेश सिंह ने पूरे सर्च ऑपरेशन की निगरानी की। इस दौरान एएसपी और सीएसपी समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। हालांकि, गहन जांच के बाद कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि धमकी में किए गए दावे केवल दहशत फैलाने की नीयत से किए गए थे। ध्यान रहे कि दो सप्ताह में तीसरी बार कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी मिली है लेकिन जांच में कुछ नहीं मिला। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार बिलासपुर हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी का ई-मेल आया था। सूचना के तत्काल बाद सुरक्षा टीमें एक्शन में आईं और सतर्कता से कोर्ट परिसर को खाली कराकर एक-एक हिस्से की बारीकि से तलाशी ली गई, लेकिन कोर्ट के अंदर या बाहर कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस के मुताबिक कोई संदिग्ध वस्तु, बम, विस्फोटक या कोई खतरनाक सामग्री नहीं मिली। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा मामले की जांच की जा रही है। यह ई मेल मेल रजिस्ट्रार जनरल के आफिसियल मेल आईडी पर आया था। जिसके बाद उन्होंने पुलिस को खबर दी। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रजनीश सिंह बघेल ने कहा कि इस तरह की घटनाओं से विधिक सेवा से जुड़े लोग डरने वाले नहीं हैं। सभी एकजुट हैं। **प्रदेश के कई कोर्ट को मिल चुकी हैं धमकियां**-ध्यान रहे कि पिछले कुछ महीनों में देश के अलग-अलग हिस्सों में उच्च न्यायालयों और जिला न्यायालयों को इसी तरह के धमकी भरे ई-मेल मिलते रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भी कई जिलों में ऐसे मामले सामने आ चुके हैं। जिनमें व्यापक जांच और सर्च ऑपरेशन चलाए गए, लेकिन भेजने वालों की पहचान स्पष्ट नहीं हो पाई। एक महीने पहले सरगुजा, राजनांदगांव, धमतरी और जगदलपुर जिला कोर्ट को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। धमकी भरा ईमेल जिला कोर्ट के ईमेल एड्रेस पर भेजा गया था। यह जिला जज को मिला था। वहीं, दो महीने पहले राजनांदगांव और बिलासपुर जिला कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। पुलिस हाई अलर्ट पर थी, जिला न्यायालय परिसर सील कर दिया गया था। डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ता जांच की थी। लेकिन जांच में कुछ नहीं मिला था। **साइबर सेल सर्वर-आईपी एड्रेस खंगालने में जुटी**-दिन भर तलाशी अभियान के बाद जब कुछ संदिग्ध नहीं मिला तो पुलिस की साइबर सेल व अन्य अधिकारी हाईकोर्ट को मिले धमकी भरे ई-मेल की जांच में जुट गई हैं। पुलिस की साइबर सेल ईमेल कहां से आया है, उसको पता लगाने में जुटी है। सर्वर व आईपी एड्रेस और अन्य डिजिटल ट्रैक की बारीकि से जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस धमकी के पीछे कौन है। सुरक्षा व्यवस्था की गहन जांच, सभी की पड़ताल- धमकी के तुरंत बाद हाईकोर्ट परिसर को छावनी में बदल दिया गया। सभी प्रवेश द्वारों पर अतिरिक्त बल तैनात किए गए। डॉग स्क्वायड ने हर कोने की तलाशी ली। बॉम्ब स्क्वायड ने भी अत्याधुनिक उपकरणों से जांच की। पुलिस ने परिसर के चप्पे-चप्पे की पड़ताल की। एंट्री-एग्जिट पर सख्ती बढ़ा दी गई थी। अधिकारियों का कहना है कि, किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी थी। जांच पूरी होने के बाद भी सुरक्षा में कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

कांग्रेस के भ्रष्टाचार...

मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि धान का कटोरा छत्तीसगढ़ के संस्कृति पहचान दिलाने के लिए मेहनत किया जा रहा है। भाजपा विकास और कांग्रेस विनाश की बात करती है। भ्रष्टाचार कांग्रेस की शैली रही है, अटल जी छत्तीसगढ़ का तोहफा दिया लेकिन कांग्रेस की सरकार बनने का लाभ यहां के लोगों को नहीं मिल पाया। इसके बाद भाजपा के कार्यकाल में चहुमुंखी विकास हुआ। झूठे प्रलोभन के दम पर कांग्रेस सत्ता में आई उनके दावे फिर खोखले साबित हो गए। महिलाओं को सम्मान की जगह अपमान झेलना पड़ा। उन्होंने सिंडीकेट बनाकर भ्रष्टाचार को अंजाम दिया। आत्मानंद स्कूल, डीएमएफ, कोल घोटाला, महादेव सट्टा सहित हर उस काम को अंजाम दिया जहां भ्रष्टाचार की गुंजाइश थी।

15 हजार की...

उसकी समस्या का कोई हल नहीं निकला, तो उसने इस बात की शिकायत एंटीकरप्शन ब्यूरो के कार्यालय में की, जहां प्राचार्य को रंगे हाथों पकड़ाने में कामयाब रहा।

माड़ में डीवीसीएम...

सदस्यों के लिए आश्रय स्थल हुआ करता था, लेकिन वर्ष 2025 सुरक्षाबलों के लिए काफी सफल वर्ष रहा इसी साल संगठन की रीढ़ माने जाने वाले नक्सल महासचिव बसवा राजू व सीसीएम राजू उर्फ कट्टा रामचन्द रेड्डी व कोसा उर्फ कादरी सत्यनारायण रेड्डी को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया था, जिसके बाद माड़ में सक्रिय सैकड़ों नक्सलियों ने हथियार डाल दिए। बावजूद अभी भी डेढ़ दर्जन के लगभग हथियारबंद नक्सली यहां सक्रिय है, जिनके मारे जाने या समर्पण करने के बाद नारायणपुर भी नक्सलमुक्त जिले की श्रेणी में आ जाएगा।

दो साल में...

कब्जे से 235 अत्याधुनिक हथियार बरामद किया गया। सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन के दौरान 109 कमाण्ड व प्रेशर आईईडी बरामद कर मौके पर निष्क्रिय कर दिया। विभिन्न ऑपरेशन के दौरान हुए मुठभेड़ में 6 जवानों की शहादत हुई। नक्सलियों के खात्में में माड़ में खोले गए सुरक्षा कैम्पों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसके चलते नक्सलियों की आवाजाही को पूरी तरह बंद कर दिया गया। वर्ष 2024 में धूर नक्सल प्रभावित इलाकों में 7 नए कैम्प खोले गए, जबकि वर्ष 2025 में 24 तथा वर्ष 2026 में 4 नए कैम्प खोले गए।

एनसीईआरटी पर...

की अनुमति नहीं दी जाएगी। आठवीं कक्षा के लिए एनसीईआरटी की नई सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक में कहा गया है कि भ्रष्टाचार, काफी संख्या में लंबित मामले और काफी संख्या में न्यायाधीशों की कमी न्यायिक प्रणाली के समक्ष पेश आने वाली चुनौतियों में शामिल हैं। इस बीच, यह जानकारी मिली है कि एनसीईआरटी ने अध्याय से संबंधित विषय विशेषज्ञों और इसे मंजूरी देने वाले अधिकारियों की अनुशंसा की समीक्षा के लिए एक आंतरिक बैठक बुलाई है। एनसीईआरटी के अध्यक्ष दिनेश प्रसाद सकलानी ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया के लिए किये गए फोन और भेजे गए संदेशों का जवाब नहीं दिया। परिषद के एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने यह कहते हुए टिप्पणी करने से इंकार कर दिया कि मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि हालांकि, एनसीईआरटी एक स्वायत्त संस्था है, लेकिन अध्याय जोड़ने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को सोच-समझकर निर्णय लेना चाहिए था।

3,716 करोड़...

की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) द्वारा कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मामले में इस बहुमंजिला घर को कुर्क किया गया। ऐसा करने के लिए धन शोधन रोधक कानून (पीएमएलए) के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि कुर्क की गई संपत्ति का मूल्य 3,716.83 करोड़ रुपए है। अंबानी पूछताछ के दूसरे दौर के लिए यहां ईडी के सामने पेश हो सकते हैं। उन्होंने पहली बार अगस्त, 2025 में ईडी के सामने पेश होकर पीएमएलए के तहत अपना बयान दर्ज कराया था। ताजा आदेश के साथ इस मामले में कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य अब लगभग 15,700 करोड़ रुपए हो गया है।

ट्रंप ने फिर...

नहीं (सौर सेल), के संबंध में प्रतिपूर्ति शुल्क जांच में अपने प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा की। ये शुल्क अमेरिकी प्रशासन द्वारा 24 फरवरी से सभी देशों पर घोषित 10 प्रतिशत शुल्क के अतिरिक्त हैं। आदेश के अनुसार, अमेरिका में भारत से सौर आयात 2022 के 8.38 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2024 में 79.26 करोड़ डॉलर हो गया।

कामरेड रानू ने...

सक्रिय कार्यक्षेत्र कभी भी कांकेर जिला नहीं रहा है। इसके बावजूद मल्लेश ने कांकेर जिले में आकर समर्पण किया, जिसे लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। सूत्रों की मानें तो इस पूरे घटनाक्रम के पीछे रणनीतिक सोच और सुरक्षा को लेकर गहन मंथन किया गया। बताया जा रहा है कि मल्लेश ने पहले रानू पोडियाम को समर्पण के लिए छोटेबेठिया के कैंप भेजा गया। डीवीसीएम को जब यह स्पष्ट हो गया कि रानू सुरक्षित है और किसी प्रकार की अनहोनी नहीं हुई, तब डीवीसीएम मल्लेश हथियार एके 47 के साथ समर्पण करने का निर्णय लिया। इसके बाद वह छोटेबेठिया थाना क्षेत्र के कैंप पहुंचा और औपचारिक रूप से आत्मसमर्पण किया।

5वीं और 8वीं...

ने आरटीई कानून की धारा 16 और 30 का हवाला देकर परीक्षा का विरोध किया था लेकिन अदालत में यह स्पष्ट हुआ कि केंद्र सरकार ने 16 दिसंबर 2024 को आरटीई कानून में संशोधन कर दिया है। संशोधन के अनुसार, कक्षा पांचवीं और आठवीं में वार्षिक परीक्षा होगी और असफल होने पर छात्रों को उसी कक्षा में रोका जा सकेगा। **बोर्ड परीक्षा कराना पूरी तरह वैध**-सुनवाई के बाद न्यायाधीश नरेश कुमार चंद्रवंशी ने निजी स्कूल संगठन की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने माना कि संशोधित कानून के बाद बोर्ड परीक्षा कराना पूरी तरह वैध है। तिवारी ने इसे ऐतिहासिक फैसला बताते हुए कहा कि, इससे फर्जी सीबीएसई स्कूलों पर लगाम लगेगी। शिक्षा की गुणवत्ता सुधरेगी और आरटीई के तहत पढ़ने वाले गरीब छात्रों को अब कक्षा 1 से 10 तक निःशुल्क किताबों का लाभ मिल सकेगा।

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
छाती, एलर्जी एवं सांस से जुड़ी सभी बीमारियों का आधुनिक एवं विशेषज्ञ उपचार एक ही स्थान पर
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल 24 घंटे आपात चिकित्सा
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है

सीला मलहम
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देंखे ....
HMS देखकर खरीदें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- हास्पिटल में नर्सिंग कार्य करने हेतु लड़कों की शीघ्र आवश्यकता है सम्पर्क करें-गजानन स्मृति चिकित्सालय नेहरू नगर बिलासपुर 7247000111 (40056)

आवश्यकता है-शहर के विभिन्न संस्थानों में दिन एवं रात ड्यूटी हेतु गार्ड एवं आफिस स्टाफ लड़का, लड़की चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। बायोडाटा एवं आधार कार्ड के साथ सम्पर्क करें- 93006 72005, 9827192131 (1489)

आवश्यकता है- FMCG डिस्ट्रीब्यूटर (lays, कुरकुरे और अन्य) में इंटर्नशिप हेतु ऑफिस, सेल्स, गोदाम कार्य हेतु पुरुष, महिला स्टाफ की आवश्यकता है सम्पर्क करें- चोपड़ा बिल्डिंग FCI रोड तारबाहर, बिलासपुर 91119 70228 8959080574 (40057)

आवश्यकता है- फैक्ट्री में फुल टाइम माल लोडिंग, अनलोडिंग हेतु शारीरिक रूप से स्वस्थ 18 से 40वर्ष के लड़के चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्रीशारदा इंडस्ट्रीज इंडस्ट्रीयल एरिया तिफरा बिलासपुर 78699 19759 (40058)

आवश्यकता है- एक अनुभवी नर्सिंग स्टाफ एवं रिसेप्शनिस्ट की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- स्किन क्योर क्लीनिक ग्राउंड फ्लोर, नारायण प्लाजा लिंक रोड बिलासपुर 95060 60404, 7828093301 (40050)

आवश्यकता है- Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18 से 28, आय 10500 से 18000, रहना खाना, पता- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर, 88188 77406, 9644 433021, 07752-337082 (40053)

आवश्यकता है-प्लाईवुड शोरूम में सेल्स एंड मार्केटिंग पर्सन, ऑफिस कार्य हेतु टेलीकॉलर शिक्षित, लड़के, लड़कियां चाहिए। वेतन 10000 से 50000+ बोनस+ कमीशन +पेट्रोल, बाइक अनिवार्य। रिज्यूम व्हाट्स एप्प करें- 9608777772, अनुभवी उम्मीदवार ही सम्पर्क करें-एस.एस. प्लाईवुड महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर (561)

आवश्यकता है- क्लासिक आइस वर्ल्ड में डिस्पैच हेतु चार, डिलीवरी हेतु ऑटो ड्राइवर एक चाहिए जिन्हें काम की जरूरत हो वहीं सम्पर्क करें- लक्ष्मी निवास के सामने लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 9827158819 (40055)

आवश्यकता है-कपड़े के शोरूम में कार्य करने के लिए दो अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 11000 तक सम्पर्क करें:- रूपवर्षा, गोल बाजार सिटी कोतवाली के सामने बिलासपुर 9827163669 (40049)

आवश्यकता है-टेन्ट हाऊस में काम करने के लिए सुपरवाइजर की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 80019 75775 (2998)

शीघ्र आवश्यकता है
महिन्द्रा टैक्टर के डीलर को निम्न पदों आवश्यकता है
सेल्समेन -6 पद
ऑफिस असिस्टेंट-1पद (महिला)
संपूर्ण बायोडाटा सहित स्वयं संपर्क करे (समय 11 से 6 बजे)
सेंट्रल इंडिया मोटर्स
हीरो होंडा एजेंसी के बगल में महाराणा प्रताप चौक, बिलासपुर
07752-247707

आवश्यकता है-एक डिलीवरी बॉय (वेतन 9000) एवं एक सेल्समैन (वेतन 11000) की आवश्यकता है सम्पर्क करें-मातुश्री ट्रेडिंग कम्पनी, गुम्बर पेट्रोल पम्प के सामने, व्यापार विहार रोड, बिलासपुर (40046)

आवश्यकता है-होटल में कार्य करने हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। वेतन 11000 से 13000 तक सम्पर्क करें- होटल रॉयल रामा पुराना बस स्टैंड के पास टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर 07752477700 (3104)

आवश्यकता है-रेडीमेड होलसेल होजयरी दुकान मे कार्य हेतु (होजियरी सामान का अनुभव हो) एवं माल पहुंचाने हेतु लड़के लड़कियां चाहिए पता- नयन फैशन राजा होटल के पास पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर (40040)

आवश्यकता है-किराना दुकान मे कार्य करने हेतु 5 लड़कों की आवश्यकता है वेतन 4 अंको में सम्पर्क करें- सीपी किराना स्टोर D-71, राज कुमार राजेश कुमार के सामने, व्यापार विहार, बिलासपुर 9907178656 (548)

आवश्यकता है-तिफरा एवं सिरगिट्टी स्थित प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थान हेतु सुरक्षागार्डों की आवश्यकता है। वेतन शासकीय नियमानुसार आवास निःशुल्क अपने मूल दस्तावेजों सहित तत्काल सम्पर्क करें- अम्बे प्लाजा फर्स्ट फ्लोर तिफरा बस स्टैण्ड बुन्देलास सेक्युरिटास एण्ड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, बिलासपुर 9522250429, 93405 54393 (40048)

आवश्यकता है-होलसेल एवं दवाई दुकान में कार्य हेतु लड़के, ड्राईवर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्समैन माल लाने ले जाने हेतु आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7869797088, 8770939973 (40047)

आवश्यकता है-सीए आफिस में काम करने हेतु चपरासी (प्यून) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शाम 4 से 8बजे तक पलाश पमनानी एंड एसोसिएट्स सिन्ध ऑटो स्टोर्स के पास गांधी चौक बिलासपुर (40039)

आवश्यकता है-बिलासपुर में रहकर या आना जाना करने सफाई कर्मी/ एक परिवार चौकीदार/ अकेली महिला अधेड़ उम्र की एक ड्राइवर अनुभवी नशामुक्त उचित वेतन आवास सुविधा सम्पर्क करें- 9479258223 (40011)

आवश्यकता है-चायपत्ती के पेंकिग कार्य लड़की, महिला, पुरुष, लड़को की आवश्यकता है सम्पर्क करें- ट्रेडर्स नियर SBI ATM आकृति विहार अमलीडीह रायपुर 746998000, 077140 75490 (6682)

आवश्यकता है-साड़ी, रेडीमेड दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता आनुसार सम्पर्क करें- शिव क्लॉथ स्टोर बिलासा चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर 9827916580 9827887934 (40016)

आवश्यकता है-मेडिकल दुकान में कार्य करने के लिए अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- जियाजी मेडिकल पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 7489874508, 8319774327 (40030)

आवश्यकता है- 1) दुकान में काम करने के लिए स्टाफ की जरूरत है। वेतन योग्यता अनुसार पताः श्री शंकर इंटरप्राइजेज (इलेक्ट्रॉनिक्स फर्नीचर शोरूम) तेलीपारा बिलासपुर संपर्क करेः- 9691169665 (550)

बेचना है

बेचना है-जूना बिलासपुर मेन रोड बालाजी सेल्स एवं रमेश थ्रेड के बीच में 215 वर्गफुट डबल स्टोरी स्वतंत्र दुकान सम्पर्क करें- प्रिन्स नावेल्टी गोल बाजार बिलासपुर 98271 68452 9300625174 9827466134 (3103)

बेचना है-श्रीराम विहार, पत्रकार कॉलोनी (पारिजात के पास) स्थित एवं 1162 वर्गफुट भूमि पर निर्मित एक 2BHK स्वतंत्र मकान बेचना है। केवल खरीददार ही सम्पर्क करें- 9179505935, 9422181039 (40038)

हमारा अशियाना
META PROPERTIES
3BHK VILLA & PLOTS AVAILABLE
VIP CITY, Saddu, Vidhan Sabha, Raipur, C.G.
812 000 8290
Khanna Advt.

बेचना है- लक्ष्मी निवास पुराना सरकंडा में शहर की सबसे शानदार लोकेशन पर 50×100= 5000 वर्गफुट आवासीय जमीन बेचना है केवल सक्षम खरीदार सम्पर्क करें- 7999798815 (40052)

बेचना है- बिलासपुर रायपुर हाईवे में नांदघाट पुल के पहले 4.17 एकड़ जमीन फ्रंट 400, सीपत में हाईवे पर 8850 वर्गफुट प्लॉट, नया रायपुर के पास काठिया में 2 एकड़ भूमि सम्पर्क- 6399166000 (40059)

फायनेंस

फायनेंस- प्रगति फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्कः- 7489545029 (549)

फायनेंस- महिन्द्रा फाइनेन्स मुद्रा योजना अन्तर्गत पूरे छत्तीसगढ़ में लोन सिर्फ आधार कार्ड पर 50000 से 25 लाख तक 2% ब्याज वार्षिक प्रॉपर्टी, पर्सनल, ग्रुप लोन सिविल खराब लोन पाए, सम्पर्क- 9311830460 (4359)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Medicare Specialists
गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढ़ीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081 9083218330

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

ईवी क्षेत्र में पांच साल में आया 2.23 लाख करोड़ रुपए का निवेश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक परिवहन क्षेत्र में पिछले पांच साल में भारी पूंजी निवेश होने के बावजूद 2030 का लक्ष्य हासिल करने के लिए भारत को एक समन्वित निवेश ढांचे की जरूरत है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

- वर्ष 2030 तक कुल निजी कार बिक्री में ईवी ही हिस्सेदारी होगी 30 फीसदी

भारत ने वर्ष 2030 तक कुल निजी कार बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत, वाणिज्यिक वाहनों में 70 प्रतिशत, बस में 40 प्रतिशत और दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों में 80 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

भारत को 2030 तक समन्वित निवेश ढांचे की जरूरत

तिपहिया वाहनों ने 78 फीसदी निवेश आकर्षित किया

संस्थान के टिकाऊ वित्त विशेषज्ञ और रिपोर्ट के सह-लेखक सौरभ त्रिवेदी ने कहा, /"पिछले पांच वर्षों में वाहन श्रेणियों में इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों ने कुल निवेश का 78 प्रतिशत आकर्षित किया, क्योंकि यह खंड परिपक्व है और व्यावसायिक स्तर पर संचालित हो रहा है।/" हालांकि, उन्होंने कहा कि 2024 और 2025 की हालिया निवेश घोषणाएं इलेक्ट्रिक चारपहिया वाहनों की तरफ बढ़ते रुझान को दर्शाती हैं।

पांच वर्षों में 2.23 लाख करोड़ की पूंजी लगी

रिपोर्ट के सह-लेखक और आईईईएफए के जलवायु वित्त विश्लेषक शुभम श्रीवास्तव ने कहा, /"पांच वर्षों में 2.23 लाख करोड़ रुपये की पूंजी लगना महत्वपूर्ण है, लेकिन वर्ष 2030 तक जरूरी पूंजी 12.5 लाख करोड़ रुपये का यह लगभग 18 प्रतिशत ही है।/" उन्होंने कहा कि बचे हुए 10.2 लाख करोड़ रुपये जुटाने के लिए वित्तीय ढांचे में व्यापक सुधार जरूरी होंगे।

सबसे बड़ा हिस्सा ईवी विनिर्माण में गया

इंस्टिट्यूट फॉर एनर्जी इकॉनमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस (आईईईएफए) की इस रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2020-25 के दौरान भारत के इलेक्ट्रिक परिवहन परिवेश के तीन प्रमुख क्षेत्रों- विनिर्माण क्षमता, सार्वजनिक सब्सिडी एवं प्रोत्साहन और चार्जिंग अवसंरचना में कुल 2.23 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा ईवी विनिर्माण में गया है।

1.59 लाख करोड़ आंतरिक संसाधनों से आए

निवेश स्रोतों के विश्लेषण से पता चलता है कि ईवी विनिर्माण में लगे 1.59 लाख करोड़ रुपये आंतरिक संसाधनों से आए, जबकि 36,000 करोड़ रुपये से अधिक ऋण और 6,400 करोड़ रुपये से अधिक इक्विटी के जरिये जुटाए गए।

भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर तेज गति से बढ़ रही है : गुप्ता

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा कि उच्च, स्थिर और बढ़ती वृद्धि दर के साथ-साथ अधिक अनुकूल आर्थिक परिणाम भारतीय अर्थव्यवस्था की पहचान बन गए हैं। गुप्ता ने 20 फरवरी को सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़ के 14वें स्थापना दिवस पर व्याख्यान में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार बेहतर होती वृद्धि दर की दिशा में आगे बढ़ रही है।

ACB (INDIA) LIMITED KASAIPALI
Request for Proposal

Ref. No: ACBIL (2X135MWTPP)/SALE OF ASH/2025-26/ FEB-01

Description:

We, ACB INDIA LIMITED (ACBIL), are operating our 2x135 MW Thermal Power Plant at Village- Kasaipali, Tehsil-Katghora, District–Korba (Chhattisgarh). Our daily ash generation is approximately 2500 to 3000 Metric Tons (approx. 75,000 to 1,00,000 MT monthly) and Pond Ash is also available with us in our existing Ash Dyke (The quantity in whole or part may be allocated to one or more bidders).

As per Ministry of Power's advisory, dated: 22-9-2021 & 30-1-2026, to the Thermal Power Plants to sale ash through transparent bidding process to the end users. We wish to sale, at floor price of "Rupee one per Metric Ton(MT)" the above mentioned quantity of fly ash (which may be loaded directly from the ash silo into the dumpers/trucks) and pond ash (which may be loaded into the dumpers/trucks by deploying pocklain or loaders by the purchaser) to the end users.

The proposals are invited from the interested bidders for above mentioned quantity of ash from our plant located at Village Kasaipali, Tahsil- Katghora, District: Korba (Chhattisgarh).

Interested bidders may submit their offers in sealed envelope, super-scribing "Ref. No: ACBIL (2X135 MWTPP) /SALE OF ASH/2025-26/FEB-01 on left hand top of the envelope and mentioning details of required quantity (MT) of proposed fly ash/Pond ash and rate in Rupees per MT at the below mentioned address on or before closing time and date:

Closing date and time for submission of proposal: 03.03.2026 at 17.00 Hrs.

Contact Person : Nitesh Kumar Srivastava,
Contact No : 9575904949
E-mail : Civil.270mw@cg. acbindia.com
Address : ACB(I)Ltd, Vill-Kasaipali, Post- Jawali Teh- Katghora, Dist-Korba(CG)

- S/d-
ACB India Limited (2X135MW TPP) KASAIPALI

भू-राजनीतिक तनाव के कारण महंगाई का दबाव बढ़ने लगा

निकट भविष्य में रेपो दर में बढ़ोतरी की संभावना नगण्य: आरबीआई एमपीसी सदस्य

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के बाहरी सदस्य सौगत भट्टाचार्य ने बुधवार को कहा कि भू-राजनीतिक तनाव के कारण महंगाई का दबाव बढ़ने के बावजूद निकट भविष्य में नीतिगत ब्याज दर (रेपो) में वृद्धि की संभावना ''नगण्य'' है। उन्होंने कहा कि मौसम संबंधी जोखिम, धातुओं की बढ़ती कीमतें और भू-राजनीतिक तनाव के बीच कच्चे तेल के ऊंचे दाम उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई को प्रभावित कर सकते हैं।

सौगत भट्टाचार्य ने 'पीटीआई-भाषा' को ईमेल के जरिये दिए साक्षात्कार में कहा, '' निकट अवधि में रेपो दर बढ़ाने की जरूरत पड़ने की संभावना मुझे नगण्य दिखती है।'' भट्टाचार्य और एमपीसी के अन्य पांच सदस्यों ने इस महीने की शुरुआत में हुई बैठक में सर्वसम्मति से नीतिगत दर को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखने के पक्ष में मतदान किया था।

खास बातें

- मौसम संबंधी जोखिम बढ़ने से किसानों की परेशानी बढ़ेगी
- वैश्विक तनाव से धातुओं और कच्चे तेल की कीमतें प्रभावित होगी
- अर्थव्यवस्था में अत्यधिक तेजी के कोई संकेत नहीं

भारत का क्षमता उपयोग लगभग 75 फीसदी पर

भट्टाचार्य ने कहा कि क्षमता उपयोग लगभग 75 प्रतिशत पर है, हालांकि, कुछ क्षेत्रों में यह अधिक है। वृद्धि पर उन्होंने कहा कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग दो-तिहाई हिस्सा घरेलू खपत से आता है और यही वृद्धि का प्रमुख चालक बना रहेगा, हालांकि टिकाऊ विस्तार के लिए घरेलू एवं बाहरी दोनों मांग जरूरी हैं।

मुद्रास्फीति चार फीसदी लक्ष्य की ओर

महंगाई पर उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति चार प्रतिशत के लक्ष्य की ओर बढ़ सकती है। इसकी एक वजह वित्त वर्ष 2025-26 में कुल (और सब्जियों) मुद्रास्फीति की गिरती कीमत का आधार प्रभाव है, जो अब उलट सकता है। दूसरी वजह कीमती धातुओं की कीमतों का प्रभाव है। हालांकि, इन कारकों को छोड़ दें तो अंतर्निहित महंगाई संतुलित रहने की उम्मीद है।

भारत अपने निर्यात में विविधता लेकर आया

वैश्विक व्यापार पर उन्होंने कहा कि अमेरिका के जवाबी शुल्क संबंधी फैसलों के बाद स्थिति अभी प्रारंभिक चरण में है और प्रतिस्पर्धी देशों के साथ शुल्क प्रतिस्पर्धा का संतुलन बनना बाकी है। उन्होंने कहा, '' हम अमेरिका के साथ शुल्क और व्यापार समझौतों के किसी संतुलन पर पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच, व्यापार आंकड़े दिखाते हैं कि भारतीय निर्यातक (कुछ क्षेत्रों को छोड़कर) अपने बाजारों में विविधता लेकर आए हैं।''

सूचकांक बदलने से अब नीतिगत निर्णय सटीक होंगे

आगामी नई जीडीपी, सीपीआई और आईआईपी (औद्योगिक उत्पादन सूचकांक) श्रृंखला पर उन्होंने कहा कि संशोधित पद्धतियां और अद्यतन सर्वेक्षण अर्थव्यवस्था की मौजूदा संरचना को बेहतर ढंग से दर्शाएंगे और नीतिगत निर्णयों को अधिक सटीक बनाने में मदद करेंगे।

वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण चांदी 5900 रुपए चढ़ी

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक रुख और सुरक्षित निवेश वाली परिसंपत्तियों की खरीदारी जारी रहने से बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। चांदी 2.77 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर और सोना 1.64 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, चांदी मंगलवार के 2,72,000 रुपये प्रति किलोग्राम के बंद स्तर से 5,900 रुपये या दो प्रतिशत बढ़कर 2,77,900 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर मिलाकर) हो गई। लगातार पांचवें सत्र में अपनी बढ़त जारी रखते हुए, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,000 रुपये या लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 1,64,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर मिलाकर) हो गया। पिछले सत्र में यह 1,63,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अमेरिकी व्यापार नीति को लेकर लगातार अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के कारण कीमती धातुओं में सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी का धन प्रवाह बना रहा, जिससे बुधवार को सोने में मामूली बढ़त बनी रही।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा
शुद्धिपत्र

ई-निविदा सूचना संख्या एलएचबीअपग्रेड टॉयलेट्स-1500-आर-1 के लिए शुद्धिपत्र 1 दिनांक 24.02.2026 के संदर्भ में, जो पूर्व में उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, खड़गपुर कैरिज वर्कशॉप द्वारा शुद्धिपत्र **"कार्यदिवसों, भुगतान शर्त एवं डिलीवरी सूची के संबंध में जारी किया गया है"** के साथ प्रकाशित किया गया था। विस्तृत निविदा सूचना और निविदा कागजात के साथ शुद्धिपत्र ई-पोर्टल वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं। (PR-1235/C)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

क्रम सं (1): ई निविदा संख्याः डीआरएम इंजी. बीएसपी टी-204-25-26, दिनांक 23-02-2026

कार्यः सहायक मंडल अभियंता / मध्य / बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत एलएचएस नंबर बीके 18, 19, 24 और 25 पर जल जमाव और रिसाव को रोकने के लिए एलएचएस सतह पर पेवर ब्लॉक, कॉंक्रिटिंग और पीयू ग्राउटिंग आदि जैसे विभिन्न सुधार कार्य और जयराम नगर से अकलतरा के बीच एलएचएस नंबर 359 पर आरसीसी नाली का प्रावधान।

निविदा मूल्य : (रु) 2,47,73,467.60 **अमानत राशि** : (रु) 2,73,900.00 **कार्य पूर्णता की अवधि** : 12 माह **निविदा जमा की आरंभ तिथी** : दिनांक 10-03-2026 के 11.00 बजे से। **निविदा जमा की अंतिम तिथी** : दिनांक 24-03-2026 के 11.00 बजे तक। उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी **https://www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओ हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/AM/718 द.पू.म.रेलवे बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

The product shown may vary from the actual product available in the market. Accessories shown may not be part of the standard equipment.

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) 122050, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda.hmsi.in

होंडा अधिकृत विक्रेता एवं ब्रांच : बिलासपुर: ड्रीम होंडा- 07752 -409057, उसलापुर: ड्रीम होंडा- 9516661444, बिलासपुर: सरकंडा, मौसाजी होंडा-7024149881, 07752-412121, जगमल चौक: मौसाजी होंडा- 07752 -417070, 9109690484, अम्बिकापुर : महामाया होंडा- 7489027000, जसवानी होंडा- 8358065000, बैकुंठपुर: प्रमिला होंडा- 7000405012, जांजगीर-चांपा: गट्टानी होंडा - 7694011205,7694011206, कोरबा: विशाल होंडा- 94790-25937, 99939-98122, कृष्णा होंडा- 6232103020, जशपुर : देवनारायण होंडा - 9425251702, रायगढ़: शारदा होंडा - 9300473589, शांति ऑटो होंडा - 9343609281, मुंगेली: मानसी होंडा - 9131402454, 8649933333

For Bulk / Institutional enquiries, please write us at : institutionalsales@honda2wheelersindia.com Embassy

25- FEB- K&C- MAIN- Pg- 12 FULL VIRASAT_Layout 1 2/25/2026 11:48 PM Page 1

विरासत

छत्तीसगढ़ के महापुरुषों की गौरवगाथा

आधुनिक हिंदी कविता में कुछ ऐसे मूर्धन्य साहित्यकार हुए है, जिनकी रचनाएं शोर नहीं मचाती, हल्के से सच को कानों में कह जाती है। विनोद कुमार शुक्ल जी आधुनिक कविता के ऐसे ही हस्ताक्षर है। विनोद जी की कविताएं ना तो नारें लगाती है और क्रोध से लाल होती है ना बाजार की चकाचौंध में जलती है। वह बस होती है, जैसे हवा में तैरता हुआ पत्ता या दीवार में रहती हुई खिड़की। साहित्य के क्षेत्र में शुक्ल जी का योगदान सबसे गहरा और स्थायी है। उनकी कविताएं चीख नहीं, फुसफुसाहट हैं,जो सीधे हृदय के किसी कोने में उतर जाती हैं। 'लगभग जय हिन्द' से लेकर 'सब कुछ होना बचा रहेगा' तक, उनकी हर पंक्ति में सादगी का वह जादू है जो जटिलतम सत्य को सरलतम शब्दों में कह देता है। उनके निधन के बाद भी उनकी एक पंक्ति गूंजती रहती है-"इस भरपूर जीवन में मृत्यु के ठीक पहले भी मैं एक नई कविता शुरू कर सकता हूँ और यही उनकी विरासत है अधूरे को अंतिम न मानना।

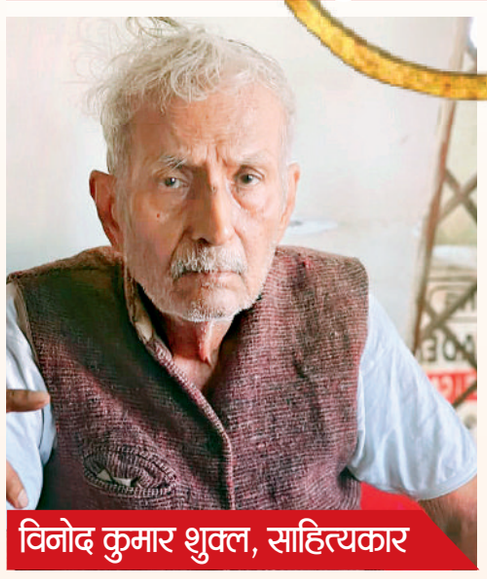

विनोद कुमार शुक्ल की सादगी में संवेदना का शिखर

गुरुवार रात 7.55 बजे

विनोद कुमार शुक्ल, साहित्यकार

संस्कारधानी में जन्म

विनोद जी का जन्म 1 जनवरी, 1937 को राजनांदगांव में हुआ। राजनांदगांव जिला तत्कालीन मध्यप्रदेश और अब छत्तीसगढ़ में अपनी साहित्यिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और सामाजिक चेतना के लिए विख्यात है। यहां एक मध्यवर्गीय संयुक्त परिवार में विनोदकुमार शुक्ल जी का जन्म हुआ। विनोद जी की माताजी का नाम रुक्मिणी देवी और पिताजी का नाम शिवगोपाल शुक्ल था। शिवगोपाल और रुक्मिणी देवी ने पांच संतानों को जन्म दिया। उनमें तीन लड़के और दो लड़कियां हैं। सबसे बड़े संतोषकुमार शुक्ल, प्रभा शुक्ल, विनोद कुमार शुक्ल, अशोक कुमार शुक्ल और पद्मा शुक्ल। मां रुक्मिणी देवी के बचपन का कुछ हिस्सा बंगाल के जमालपुर में बीता। रुक्मिणी देवी करीब तेरह साल की उम्र में विवाह के बाद राजनांदगांव आ गई। विनोद जी के बाबा रामलाल शुक्ल जी उन्नाव जिले के जगतपुर से राजनांदगांव आकर बसे। शिवगोपाल जी का जन्म भी राजनांदगांव में ही हुआ था।

माता ने दिए संस्कार चाचा ने दी शिक्षा

पिता की मृत्यु के बाद घर की सारी जिम्मेदारी उनके चाचा पंडित किशोरीलाल शुक्ल पर पड़ी। किशोरी जी प्रसिद्ध वकील थे। नामी वकील होने के साथ साथ वे मिल मैनेजर भी थे। इन्हीं के संरक्षण में विनोद जी की पढ़ाई पूरी हुई। माता की प्रेरणा से ही विनोद ने अपनी बचत से शरदचंद्र का उपन्यास विजया खरीदा था। घर में साहित्यिक संस्कार होने के कारण विनोद जी के बालमन में लेखक आकार लेने लगा था। घर में चांद, माधुरी आदि साहित्यिक पत्रिकाएं आती थी इन पत्रिकाओं को वे तल्लीनता से पढ़ते थे।

2024 का 59वां ज्ञान पीठ पुरस्कार समग्र साहित्य पर दिया।

मिला मुक्तिबोध का सानिध्य

सन 1958 में आधुनिक हिंदी कविता एवं समीक्षा के सर्वाधिक चर्चित व्यक्तित्व गजानन माधव मुक्तिबोध, दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव में हिंदी के प्राध्यापक के रूप में शरद कोठारी की प्रेरणा से लाए गए थे। इसी समय विनोद जी ने अपनी कुछ कविताएं अपने बड़े भाई की प्रेरणा से मुक्तिबोध को दिखाई। सरल स्वभाव के कारण विनोद जी को लगा कि उनकी कविताएं मुक्तिबोध को बहुत पसंद नहीं आई। परिणाम यह हुआ कि वे कुछ समय तक मुक्तिबोध से मिलने नहीं गए। तब मुक्तिबोध ने उनके बड़े भाई संतोष कुमार से कहकर विनोद कुमार को मिलने के लिए बुलवाया और जिसके बाद मुक्तिबोध से मिलने का सिलसिला शुरु हो गया। विनोद जी के लिए यह एक सुखद संयोग था कि उनकी सृजन यात्रा के शुरुआती चरण में ही मुक्तिबोध और हरिशंकर परसाई जैसे आधुनिक चेतना-संपन्न और सुलझे हुए रचनाकारों का सहज सानिध्य मिला। परिणाम यह हुआ कि रचना की तराश और सही दिशा की शुरुआत शुरुआत से मिलने लगी थी। विनोद जी ने एक जगह लिखा है कि 'मेरे पीछे मुक्तिबोध और हरिशंकर परसाई की प्रेरणा रही। मुक्तिबोध की कविताओं को सुनने के बाद मैं पारदर्शी बन जाता था। जहां पैर रखता था यह अधिक गहराई में जाता था। मन पर मुक्तिबोध की कविताएं छा जाती थीं। मुझमें मुक्तिबोध की कविताओं ने बदलाव लाया '।

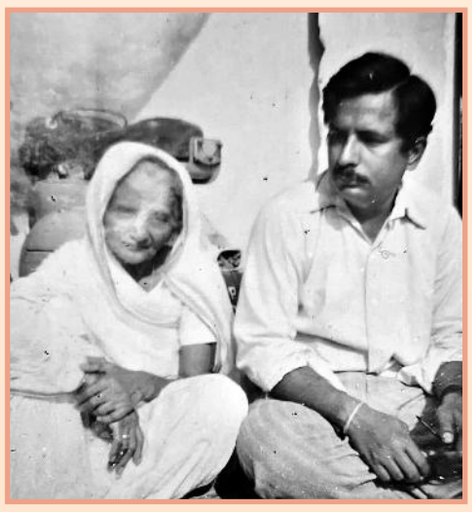

'नौकर की कमीज' से मिली लोकप्रियता

विनोद जी का लिखा 'नौकर की कमीज' भारतीय जीवन के यथार्थ और आदमी की कशमकश को प्रस्तुत करनेवाला उपन्यास है। इस उपन्यास की सबसे बड़े खासियत यह है कि इसके पात्र मायावी नहीं बल्कि दुनियावी हैं, जिनमें कल्पना और यथार्थ के स्वर एकसाथ पिरोए हुए हैं। कहीं भी ऐसा नहीं लगता कि किसी पात्र को अनावश्यक रूप से महत्त्व दिया गया हो। हर पैरे और हर पात्र की अपनी महत्ता है। केन्द्रीय पात्र संतू बाबू एक ऐसा पात्र है जो घटनाओं को रचता नहीं बल्कि उनसे जूझने के लिए विवश है और साथ ही इस सोसाइटी के हाथों इस्तेमाल होने के लिए भी। आज की 'ब्यूरोक्रेसी' और अहसान फ़रामोश लोगों

पर यह उपन्यास सीधा प्रहार ही नहीं करता बल्कि छोटे-छोटे वाक्यों के सहारे व्यंग्यात्मक शैली में एक माहौल भी तैयार करता चलता है। विनोद जी की सूक्ष्म निरीक्षण शक्ति का ही कमाल है कि पूरे उपन्यास को पढ़ने के बाद जिन्दगी के अनगिनत मार्मिक तथ्य दिमाग में तारीखवार दर्ज होते चले जाते हैं। उनके छोटे-छोटे वाक्यों में अनुभव और यथार्थ का पैनापन है, जिसकी मारक शक्ति केवल मिलमिलाहट ही पैदा नहीं करती बल्कि बहुत अन्दर तक भेदती चली जाती है। निर्माता निर्देशक मणि कौल ने सन् 1999 में उपन्यास 'नौकर की कमीज फिल्म का निर्माण किया गया। विनोद जी रचनाओं को फिल्म और नाट्य विधाओं ने आत्मसात किया।

कविता संग्रह

'लगभग जयहिंद ' वर्ष 1971
'वह आदमी चला गया नया गरम कोट पहिनकर विचार की तरह' वर्ष 1981.
'सब कुछ होना बचा रहेगा ' वर्ष 1992.
'अतिरिक्त नहीं ' वर्ष 2000.
'कविता से लंबी कविता ' वर्ष 2001.
'आकाश धरती को खटखटाता है ' वर्ष 2006.
'पचास कविताएँ' वर्ष 2011
'कभी के बाद अभी ' वर्ष 2012.
'कवि ने कहा ' -चुनी हुई कविताएँ वर्ष 2012.
'प्रतिनिधि कविताएँ ' वर्ष 2013.

उपन्यास

' नौकर की कमीज़ ' वर्ष 1979.
' खिलेगा तो देखेंगे ' वर्ष 1996.
' दीवार में एक खिड़की रहती थी ' वर्ष 1997.
' हरी घास की छप्पर वाली झोपड़ी और बौना पहाड़ ' वर्ष 2011.
' यासि रासा त ' वर्ष 2016
' एक चुप्पी जगह' वर्ष 2018.

कहानी संग्रह

'पेड़ पर कमरा ' वर्ष 1988.
'महाविद्यालय ' वर्ष 1996.
'एक कहानी ' वर्ष 2021.
'घोड़ा और अन्य कहानियाँ ' वर्ष 2021.

घर से ही सीखा साहित्य का ककहरा

विनोद कुमार की मैट्रिक तक की शिक्षा राजनांदगांव के स्टेट हाईस्कूल में हुई। परिवार के लिए जिम्मेदारी का भाव बचपन से होने के कारण विनोद जी शुरु से ही अपनी पढ़ाई को लेकर सतर्क रहे। लगभग 18 वर्ष की उम्र में सन 1954-55 में मैट्रिक और सनम1956 में स्कूली शिक्षा पूरी की। रायपुर साइंस कॉलेज में बीएससी में एडमिशन लिया लेकिन पहले वर्ष में दो विषयों आर्गेनिक कैमेस्ट्री और हिंदी निबंध में फेल हो गए। अपने चाचा की प्रेरणा से विनोद जी ने 1957 में जबलपुर के कृषि महाविद्यालय में प्रवेश लिया और Msc की परीक्षा 'कृषि 'विषय लेकर उत्तम अंकों के साथ प्रथम श्रेणी में सन 1962 में उत्तीर्ण की। इसके बाद शुरु हुआ जीवन यापन के लिए संघर्ष। सन 1962 में विनोद जी ने एक अमेरिकन रिसर्च स्कॉलर के पास दो महीने नौकरी की। यह रिसर्च स्कॉलर सिंचाई पर शोधकार्य कर रहा था। उसके बाद मध्यप्रदेश शासन में वे कृषि विस्तार अधिकारी बन गए। इसके बाद जगदलपुर स्थित स्कूल में शिक्षक नियुक्त हुए। बाद में वे ग्वालियर के कृषि महाविद्यालय में प्राध्यापक बने। सन 1967 में विनोद जी का तबादला रायपुर के जवाहरलाल नेहरू कृषि महाविद्यालय में हुआ। आगे चलकर ये इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय बन गया। विभिन्न जगहों पर नौकरियां करने के बावजूद विनोद जी के दिल में राजनांदगांव धड़कता था।

यह तस्वीर जबलपुर कृषि महाविद्यालय की है। जिसमें विनोद कुमार शुक्ल (दायें से पहले) अपने अमेरिकी प्रोफेसर श्री लिंडस्ट्रॉम उनकी पत्नी और सहपाठियों के साथ हैं। लिंडस्ट्रॉम ने उन्हें कृषि विस्तार, विषय पढ़ाया है। सन 1956 में यह बिल्कुल नया विषय था। लिंडस्ट्रॉम हॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता भी थे।

पैतृक मकान में अपने बेटे शाश्वत के साथ।

'लिखना मेरे लिए सांस की तरह'

1 नवंबर को छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस के मौके पर रायपुर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीमार चल रहे विनोद जी से फोन पर बातचीत की थी। उस दौरान विनोद जी सांस की तकलीफ के कारण हॉस्पिटल में एडमिट थे। बातचीत के दौरान विनोद जी से प्रधानमंत्री ने कहा कि कोई भी जरूरत होने पर वे सीधे उनसे संपर्क कर सकते हैं। बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने साहित्यकार शुक्ल से पूछा कि आप क्या चाहते हैं? इसके जवाब में शुक्ल ने कहा- बस घर जाना चाहता हूं, लिखना चाहता हूं, क्योंकि लिखना मेरे लिए सांस की तरह है। 90 वें जन्म दिन से एक सप्ताह से पहले 23 दिसंबर 2025 को शब्दों का यह साधक नश्वर संसार को छोड़कर अनंत यात्रा पर चला गया।

अस्पताल में ऑक्सीजन लगने के दौरान भी शुक्ल जी की साहित्य साधना जारी रही।

आत्मीयता से ओतप्रोत व्यवहार

दादा ने ना केवल अपने घर के बल्कि हृदय के भी द्वार मेरे लिए खोले थे। मेरी रचनाओं को लेकर दादा में जो उत्सुकता होती थी वो मेरे लिए अनमोल है। वे कहते थे कि लोग मेरी कविताएं गाते हैं मैं तुम्हारी कविता गाऊंगा..रायपुर से निकलते हुए कभी ये नहीं लगा कि मैं लेखक के घर से बिदा हो रही हूं हमेशा ऐसा लगा कि मैं अपने पीहर अपने बाबा के घर से फिर वापिस आने के लिए जा रही हूं ।

-नीदू गुजराल, दादा की प्रशंसक, सिंगापुर

विनोद जी को मिले सम्मान

- 'रज़ा पुरस्कार ' (मध्यप्रदेश कला परिषद)
- 'शिखर सम्मान ' (म.प्र. शासन)
- राष्ट्रीय मैथिलीशरण गुप्त सम्मान ' (म.प्र. शासन)
- दयावती मोदी कवि शेखर सम्मान' (मोदी फाउंडेशन)
- 1999- 'साहित्य अकादमी पुरस्कार', (भारत सरकार)
- 'हिन्दी गौरव सम्मान' (उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, उ.प्र. शासन)
- 2020 'मातृभूमि' पुरस्कार, वर्ष 2020 (अंग्रेजी कहानी संग्रह '**Blue Is Like Blue**' के लिए)
- 2021- साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के सर्वोच्च सम्मान "महत्तर सदस्य" चुने गये, वर्ष 2021.
- 2023 साहित्य की दुनिया का आस्कर कहलाने वाला पेन नोबोकोव लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड मिला। इस सम्मान को हासिल करने वाले एशिया के पहले व्यक्ति।
- 2024 का 59वां ज्ञान पीठ पुरस्कार समग्र साहित्य पर दिया।

शुक्ल का जीवन संघर्ष, और सादगी की प्रेरक मिसाल

विनोद जी का जीवन संघर्ष, साधना और सादगी की प्रेरक मिसाल है। 1 जनवरी 1937 को राजनांदगांव में जन्मे शुक्ल ने सीमित संसाधनों में अपनी प्रारंभिक और स्कूली शिक्षा 1950 के दशक में पूरी की। उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने कृषि विज्ञान का अध्ययन किया और बाद में अध्यापन से जुड़े।

-डॉ. रमन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष छत्तीसगढ़

विनोद कुमार शुक्ल जी छत्तीसगढ़ के गौरव

विनोद जी का जन्म हमारे प्रदेश राजनांदगांव में हुआ था। विनोद कुमार शुक्ल जी छत्तीसगढ़ के गौरव है। शुक्ल जी को साहित्य में योगदान के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला। युवाओं को उनके साहित्य से प्रेरणा मिलती है।

-राजेश अग्रवाल
पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री

पूरी दुनिया में छत्तीसगढ़ का मान बढाया

विनोद कुमार शुक्ल जी ने पूरे देश और दुनिया में छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। मेरे उनके साथ कॉलेज के जमाने से हैं। उनसे कई बार मिलना हुआ । उनकी विनम्रता और आत्मीयता उन्हे सबसे अलग बनाती थी । उन्हें साहित्य का ज्ञानपीठ पुरस्कार भी मिला।

-बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर सांसद

उनके व्यक्तित्व और विचार हम सबके लिए प्रेरणास्त्रोत

उनकी बाल्यावस्था राजनांदगांव में बीती। उसी मिट्टी में पले-बढ़े, वहीं से उन्होंने अपने संस्कार, सादगी और जीवन मूल्यों की नींव रखी। 89 वर्ष की आयु तक उन्होंने जो अमिट छाप छोड़ी, वह सचमुच एक मील का पत्थर है। उनका व्यक्तित्व, उनके विचार और उनके कर्म आज भी हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। यह हम सभी के लिए अत्यंत गर्व की बात है कि हमें उनके सान्निध्य का अवसर मिला।

-संतोष पांडे, सांसद राजनांदगांव

सादगी और अनुशासन भरा जीवन जिया

विनोद जी स्वभाव से बेहद शांत थे। वे कम बोलते, ज्यादा महसूस करते थे। जब भी कुछ लिखते, तो उसे अपने तक सीमित नहीं रखते थे। बड़े स्नेह से सबको पास बिठाकर अपनी रचना सुनाते थे। उन्हें दूध और मलाई बहुत पसंद थी। खाने-पीने में भी उनकी पसंद सादगी भरी लेकिन आत्मीय थी। घर के कामों में हाथ बंटाना उन्हें अच्छा लगता था। सब्जियां लाना, बैठकर काटना उन्हे पंसद था।

-सुधा शुक्ल, पत्नी

कविता लिखने के लिए खास समय या जगह की जरूरत नहीं

दादा को कविता लिखने के लिए किसी खास समय और जगह की आवश्यकता नहीं होती थी। वे कहीं भी कभी भी कविता लिख लेते थे। भोर सुबह हो या आधी रात वे किसी भी समय कविता की पंक्तियां ध्यान में आते ही आसपास पड़े कागज या डायरी में लिख लेते थे। मेरी कोशिश है कि उनकी अप्रकाशित रचनाओं का संग्रह करने की है। वे प्रकृति के नजदीक थे।

-शाश्वत गोपाल, पुत्र

बाबा पर बोलना अंतहीन किताब लिखने जैसा है

बाबा पर बोलना मेरे लिए अंतहीन किताब जैसा है वो हर वक्त मुझे याद आते हैं। कभी फोन गैलरी में उनकी फोटो देखते वक्त, कभी उनसे जुड़ी चीजें देखते वक्त वे हमेशा याद आते हैं। मैं सोचती हूं कि मैने अपना बचपन उनके साथ कितने अच्छे से बिताया। उन्होने मुझे बारहखड़ी सिखाई कविता के तौर पर पेड़ों के नाम याद करवाए थे। -तरुण शाश्वती, पोती

विनोद जी का मेरे जीवन पर गहरा प्रभाव रहा

विनोद कुमार शुक्ल जी का मेरे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा है। उनसे मैंने केवल शब्दों की सुंदरता ही नहीं, बल्कि जीवन के मूल्यों की सच्ची परिभाषा भी सीखी है। शिक्षा के प्रति मेरा जुड़ाव उनकी ही प्रेरणा से हुआ।

-कुणाल शुक्ला, भतीजा

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com